आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
28.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.38
सूर्यास्त 06.49

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 12:10 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

रविवार, 10 अगस्त 2025, वर्ष 3, अंक 351, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 5 रुपये

निर्यात संवर्धन मिशन जल्द होगा शुरू करेगी सरकार - 12

बंगाल में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया लाठीचार्ज - 12

रूस के साथ सभी मोर्चो पर सहयोग जारी रखेगा भारत - 13

एशेज के लिए फिट होने के लिए रिहैब का विकल्प चुन सकते हैं वोक्स- 14

रक्षाबंधन

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। यहां स्कूली बच्चों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। मोदी ने इस उत्सव की एक वीडियो क्लिप भी साझा की।

पाकिस्तान के 5 लड़ाकू व एक बड़ा विमान किया था ध्वस्त

बेंगलुरु, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर

- एयर चीफ मार्शल बोले- सतह से हवा में मार गिराने का यह सबसे बड़ा रिकॉर्ड
- एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भी भारत के लिए गेम-चेंजर बना

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराने की पुष्टि की है। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया।

उन्होंने यहां एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे स्मृति व्याख्यान के 16वें संस्करण के दौरान कहा, हमें उस एडब्ल्यूसी हैंगर में कम से कम एक एडब्ल्यूसी तथा कुछ एफ-16 विमानों के होने का संकेत मिला है, जिनका वहां रखरखाव किया जा रहा है। हमारे पास कम से कम पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने की पुष्ट जानकारी है और एक बड़ा विमान है, जो या तो विमान हो सकता है या फिर एडब्ल्यूसी (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम), जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और उनकी कुछ मिसाइलें भी भारतीय क्षेत्र में गिरीं। सिंह ने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय वायुसेना ने हवाई क्षेत्र पर हमला करने का निर्णय लिया। वायुसेना प्रमुख ने कहा, इसलिए हवाई अड्डे पर हमला किया गया और मुख्य भवन पर भी हमला किया गया, जहां योजनाएं बनती हैं, और इसका इस्तेमाल कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। जहां तक सुकूर एयरबेस का सवाल है, हमने यूएबी हैंगर और रडार स्थल पर हमला किया। सरगोधा के बारे में वायुसेना प्रमुख ने कहा, हम अपनी वायुसेना में ऐसे ही दिनों का सपना देखते हुए बड़े हुए हैं। किसी दिन हमें मौका मिलेगा। संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति से पहले यह मौका मिल गया। एयर चीफ मार्शल के अनुसार, एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई है। इस प्रणाली की रेंज ने पाकिस्तान के विमानों और यूएवी को भारतीय रक्षा प्रणाली से दूर रखा था। सिंह ने कहा, सीडीएस का पद सैन्य अभियानों में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है।

रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ के रक्षा उत्पादन की तुलना में 18 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह रिकार्ड बना है। 2019-20 के बाद से अब तक 90% की बढ़ोतरी को भी प्रदर्शित करती है, उस समय यह आंकड़ा 79,071 करोड़ रुपये था।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, स्वतंत्रता का मूल मंत्र व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

मणिपुर: भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

इम्फाल। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने संवेदनशील तथा सीमांत जिलों में तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद किया और उग्रवाद और आपराधिक गतिविधियों में शामिल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इम्फाल पश्चिम जिले के लाम्फेल थाना क्षेत्र के लांगोल उसोई माखोंग से शुक्रवार को हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया। बरामद वस्तुओं में मैगजीन के साथ एक .303 राइफल, आठ जिंदा कारतूसों के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, मैगजीन के साथ एक .32 पिस्तौल, डेटोनेटर के साथ दो उच्च-विस्फोटक हथगोले, .303 राइफल के 200 से अधिक गोलियां, उच्च घनत्व वाले कारतूस, 12 बोर बंदूर के गोला-बारूद और कई राइफल मैगजीन शामिल हैं।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 3 की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु में दक्षिणी विरुधुनगर जिले के विजयकरिसालकुलम गाव में शनिवार को पटाखा बनाने वाले एक यूनिट में विस्फोट में तीन श्रमिकों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं। पटाखा बनाने के लिए रसायनों के घर्षण के कारण हुए इस विस्फोट में एक महिला घायल हो गई और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस बीच, एक बयान में, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने घटना पर गहरा दुख और पीड़ा व्यक्त की और मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की।

अंदर देखें ... ग्लैम वर्ल्ड

आतंकियों से मुठभेड़ में दो जवान शहीद, 2 घायल

कुलगाम में रातभर चली मुठभेड़, नौ दिन से घाटी में ऑपरेशन जारी

- घाटी में सबसे लंबे आतंकवाद रोधी अभियानों में से एक

श्रीनगर, एजेंसी

कुलगाम में सर्च ऑपरेशन के दौरान गश्त करते सेना के जवान। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों के साथ रातभर हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए और दो घायल हो गए। यह मुठभेड़ शनिवार को नौवें दिन भी जारी है और घाटी में सबसे लंबे आतंकवाद रोधी अभियानों में से एक है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि अभियान अब भी जारी है।

दक्षिण कश्मीर जिले के अखल में एक जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद एक अगस्त को सुरक्षाबलों ने घेराबंदी व तलाश अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में अब तक दो आतंकवादी मारे जा चुके हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके समूह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। चिनार कोर ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, चिनार कोर देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों, लांस नायक प्रीतपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को श्रद्धांजलि आर्पित करती है। । सेना ने कहा कि वह शोकसंतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है। रातभर हुई गोलीबारी में दो अन्य जवान घायल हो गए, जिससे घायल सुरक्षाबलों के जवानों की संख्या नौ हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस प्रमुख नलिन प्रभात और सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा सहित वरिष्ठ पुलिस व सैन्य अधिकारी चौबीसों घंटे अभियान पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

सुरक्षाबलों ने दुर्गम वन क्षेत्र में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया है तथा पैरा कमांडो भी छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराने में सुरक्षाबलों की मदद कर रहे हैं।

किश्तवाड़ में 26 आतंकवादियों के घरों की तलाशी ली

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किश्तवाड़ जिले में आतंकी तंत्र के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए शनिवार को हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी मोहम्मद अमीन भट उर्फ जहांगीर सरूरी के घर समेत 26 घरों की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि भट के अलावा जिन घरों की तलाशी ली गई उनमें अधिकतर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सक्रिय आतंकवादियों एवं सीमा पार से हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी करने वाले आतंकवादियों के घर शामिल हैं। इससे एक दिन पहले इसी तरह की छापेमारी किश्तवाड़ के पड़ोसी जिले डोडा में 15 स्थानों पर की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि भट 1990 के दशक में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन में शामिल हुआ था।

रेल मंत्रालय ने यात्रियों को दिया तोहफा

कंफर्म रिटर्न टिकट लेने पर मिलेगी 20 प्रतिशत की छूट

- 14 अगस्त से बुक किए गए टिकटों पर लागू होगी यह घोषणा
- राजधानी, शताब्दी, दुरंतो जैसी ट्रेन पर लागू नहीं होगी यह छूट

नई दिल्ली, एजेंसी

रेल मंत्रालय ने शनिवार को एक योजना की घोषणा की, जिसके तहत एक ही ट्रेन से 13-26 अक्टूबर के बीच यात्रा और 17 नवंबर से 1 दिसंबर तक वापसी के लिए बुक किए गए टिकटों पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह छूट 14 अगस्त से बुक टिकटों पर लागू होगी। यह छूट राजधानी, शताब्दी, दुरंतो जैसी ट्रेन पर लागू नहीं होगी, जिसमें किराये में मांग के आधार बढ़ोतरी होती है।

मंत्रालय ने कहा, एआरपी (अग्रिम आरक्षण अवधि) तिथि 13 अक्टूबर 2025 के लिए बुकिंग शुरू होने की तारीख 14 अगस्त से होगी। यात्रा की शुरुआत का टिकट पहले 13 अक्टूबर 2025 और 26 अक्टूबर 2025 के बीच ट्रेन शुरू होने की तारीख के लिए बुक किया जाएगा और बाद में 17 नवंबर और एक दिसंबर 2025 के बीच ट्रेन शुरू होने की तारीख के लिए कनेक्टिंग यात्रा सुविधा का उपयोग करके वापसी यात्रा टिकट बुक किया जाएगा। इसमें स्पष्ट किया गया है कि अग्रिम आरक्षण अवधि, जो 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक है, वापसी यात्रा की बुकिंग के लिए लागू नहीं होगी। इस योजना के तहत, यात्रियों के एक ही समूह के लिए जाने और आने दोनों यात्राओं के लिए बुकिंग कराने पर छूट लागू होगी। वापसी यात्रा का यात्री विवरण आगे की यात्रा के समान ही होगा।

इन पर नहीं फायदा

- छूट वाले पास, कूपन, पीटीओ आदि इस योजना में मान्य नहीं होंगे
- टिकट में कोई बदलाव या संशोधन नहीं किया जा सकेगा।
- कोई रिफंड यानी पैसा वापस) नहीं मिलेगा।

एक ही श्रेणी में टिकट जरूरी : मंत्रालय

मंत्रालय ने कहा, बुकिंग केवल दोनों दिशाओं में कन्फर्म टिकटों के लिए ही स्वीकार्य होगी। वापसी यात्रा के मूल किराए पर ही 20 प्रतिशत की कुल छूट दी जाएगी। इस योजना के तहत बुकिंग जाने और आने दोनों यात्राओं के लिए एक ही श्रेणी और एक ही प्रस्थान-गंतव्य ट्रेन के लिए होगी। इसमें स्पष्ट किया गया है, इस योजना के तहत बुक किए गए टिकटों पर किराया वापस नहीं किया जाएगा।

दिल्ली में तेज बारिश से दीवार ढही, 7 की मौत

घटनास्थल पर बचाव कार्य में जुटी जेसीबी।

- राजधानी के जैतपुर में हुआ हादसा
- आईएमडी ने रेड अलर्ट किया था जारी
- दमकल की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं

नई दिल्ली, एजेंसी

11 घंटे की बारिश से 300 फ्लाइट्स लेट

तेज बारिश के चलते 300 से ज्यादा फ्लाइट्स देरी से उड़ान भरी। कई इलाकों में पानी भर गया है। ऐसे में ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग ने आज दिनभर के लिए मौसम का रेड अलर्ट जारी किया है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह भारी बारिश के बीच जैतपुर में मोहन बाबा मंदिर के पास दीवार गिरने से सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे घायल हुए एक व्यक्ति का इलाज जारी है। डीएफएस अधिकारियों के मुताबिक, अग्निशमन विभाग को शनिवार सुबह नौ बजकर 16 मिनट पर घटना के बारे में सूचना मिली। पुलिस दल के साथ दमकल की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं।

राष्ट्रीय राजधानी में रात भर भारी बारिश हुई और भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश शुक्रवार देर रात 11 बजे शुरू हुई थी। पुलिस ने बताया कि पीसीआर को सुबह नौ बजकर 13 मिनट पर दीवार ढहने के बारे में पहली कॉल मिली, जिसमें फोन करने वाले ने कहा, बड़ी दीवार गिर गई है और मलबे के नीचे चार से पांच लोग फंसे हुए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही जैतपुर थाना प्रभारी (एसएचओ) सभी उपलब्ध कर्मियों के साथ रस्सियां और अन्य बचाव उपकरण लेकर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारी ने कहा, बिना किसी देरी के बचाव अभियान शुरू किया गया।

साड़ी से गांठ बांध 3 बच्चों संग नहर में कूदकर दी जान

बांदा कार्यालय

- घरेलू कलह में बांदा में हुई दिल दहलाने वाली घटना, पुलिस ने पति को हिरासत में लिया

अमृत विचार: नरैनी कोतवाली अंतर्गत रिसौरा गांव में शनिवार सुबह मां ने अपने तीन छोटे-छोटे बच्चों को साड़ी से बांधकर नहर में छलांग लगा दी। इससे डूबने से चारों की मौत हो गई। जानकारी होने पर पुलिस ने नहर का पानी कम कराकर शवों को बरामद किया। आत्महत्या की वजह घरेलू कलह और पति की मारपीट बताई जा रही है। पति को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

पुलिस ने बताया कि रिसौरा गांव निवासी बीना (30) अपने पुत्रों हिमांशु (9), प्रिंस (3) और बेटी अंशी (5) के साथ शनिवार सुबह मायके जाने को कहकर घर से निकली थी। पर वह मायके नहीं पहुंची। बीना और बच्चों के गायब होने की जानकारी पर दोपहर बाद मायके और ससुराल वालों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने खोजबीन शुरू की। इसी दौरान पुलिस को क्षेत्र की केन नहर के पास बीना के कुछ कपड़े, चप्पल, चूड़ियां पड़ी मिलने की जानकारी हुई। पुलिस टीम ने नहर का पानी कम कराया और गोताखोरों की मदद ली। काफी देर की मशक्कत के बाद बीना व तीनों मासूम बच्चों के शव नहर से मिले। मां ने बच्चों के हाथ अपनी साड़ी से बांध रखे थे। मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि पति अखिलेश अक्सर नशेबाजी में बीना को पीटता था। बीना ने यह बात मायके वालों को बताई थी। अखिलेश को समझाया गया लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। मायके वालों की शिकायत पर पुलिस ने पति अखिलेश को हिरासत में ले लिया है। अपर एसपी शिवराज सिंह ने बताया कि बीना के परिजनों से तहरीर मिलने का इंतजार किया जा रहा है। अखिलेश शराब पीने का आदी है और अक्सर नशे में मारपीट और गालीगलौज करता था।

आईसीआईसीआई बैंक ने न्यूनतम राशि 5 गुना की

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने एक अगस्त या उसके बाद खोले जाने वाले नए बचत बैंक खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की अनिवार्यता पांच गुना बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी है।

बैंक के ग्राहकों के लिए 31 जुलाई, 2025 तक बचत बैंक खातों में न्यूनतम मासिक औसत शेष राशि (एमएबी) 10,000 रुपये थी। इसी प्रकार, अर्ध-शहरी इलाकों में यह सीमा 25,000 रुपये और ग्रामीण इलाकों में 10,000 रुपये कर दी गई है।

मुसीबत

पहाड़ों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गंगा नदी उफान पर, प्रशासन ने किनारे जाने पर लगायी रोक

बादल फटने के बाद यूपी में बाढ़ की स्थिति और बनी गंभीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गंगा के अलावा सहयोगी नदियों में भी पानी खतरे के निशान से ऊपर

अमृत विचार: उत्तराखण्ड में बादल फटने की घटना के बाद से उत्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति और गंभीर बनी हुई है। दरअसल, पहाड़ों में भूस्खलन, बादल फटने और उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गंगा नदी उफान पर हैं। गंगा के अलावा सहयोगी नदियों में भी पानी लगातार खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के स्थानीय प्रशासन ने गंगा किनारे जाने पर रोक लगा दी है। वहीं, बाढ़ चौकियों पर राजस्व विभाग के कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

इस बीच पहाड़ों में भूस्खलन, बादल फटने और उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गंगा नदी उफान पर है। इससे उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। गंगा के अलावा सहयोगी नदियों में भी पानी लगातार खतरे के निशान से ऊपर हैं। बुलंदशहर के नरौरा बैराज पर गंगा का बहाव खतरे के निशान से ऊपर 2,81,676 क्यूसेक प्रति सेकंड दर्ज किया गया, जबकि खतरे का जलस्तर 179.14 मीटर है। मुरादाबाद के गुन्नौर क्षेत्र, बबराला घाट, राजघाट और नरौरा गंगा बैराज पर बाढ़ का खतरा है। ताजा स्थिति यह है कि गंगा के बढ़ते जलस्तर से मुरादाबाद के रघुपुर पुख्ता, मेगरा, नरुपुरा, शालिग की मढैया, मैदावली, तोतापुर व बझागी समेत दर्जनों गांवों में पानी किनारे तक पहुंच चुका है। ग्रामीणों में बाढ़ का खौफ बढ़ गया है और कई परिवार सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन की तैयारी कर रहे हैं। उधर, बुलंदशहर जिले में गंगा किनारे की खादर क्षेत्र की फसलें जलमग्न हैं।

बदायूं में गंगा और रामगंगा का जलस्तर बढ़ा

बदायूं में गंगा और रामगंगा का जलस्तर बढ़ने से तीन तहसीलों सदर, सहसवान और दातागंज के 36 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। उसहैत क्षेत्र के आठ और सहसवान के पांच गांवों में पानी घरों तक पहुंच गया है। वहीं, हजरतपुर-गढ़िया रंगीन मार्ग पर पानी बह रहा है। इधर, हरिद्वार और बिजनौर बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण गंगा में जलस्तर खतरे के निशान से 27 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है, लेकिन ग्रामीणों की चिंता और समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। गंगा नदी के जलस्तर में बढोत्तरी का प्रभाव प्रयागराज में भी दिख रहा है। यहां गंगा और यमुना नदी के लगातार उफनने के कारण डूब क्षेत्रों में पानी भरा हुआ है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति वाराणसी में भी दिख रही है। यहां पर भी कई घाट जलमग्न हैं। वहीं, बलिया तक के गंगा के किनारे स्थित गांवों में बाढ़ का पानी का फैलाव है।

एक गाड़ी पांच सवारी : अब इसे मजबूरी कहें या आदत? रक्षाबंधन पर पांच सदस्यों का एक परिवार एक ही बाइक पर जाता नजर आया...हेलमेट भी नहीं। यह नजारा शनिवार को हजरतगंज चौराहे से राजभवन मार्ग का है। वैसे तो राजधानी में यातायात अभियान भी चल रहा है, लेकिन त्यौहार पर व्यवस्था की संवेदनशीलता का फायदा परिवार को खतरे में डाल कर उठाना कहां की समझदारी है? ● अमृत विचार

भाई-बहन का प्यार

रक्षाबंधन के पर्व पर भाई को राखी बांधती बहन। ● अमृत विचार

कैंट सदर क्षेत्र के हरीचंद इंटर कॉलेज के खेल मैदान में 138वें अखिल भारतीय मस्ता पहलवान गुरूजी श्रीराम चन्द्र स्मारक ईनामी दंगल में कुश्ती लड़ते पहलवान।

न्यूज ब्रीफ

आईटीआई में चौथे चरण में प्रवेश के लिए 11 से ऑनलाइन आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उप्र. ने सत्र 2025-26 के लिए राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में चतुर्थ चरण प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। तृतीय चरण की चयन सूची के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बचे हुए रिक्त सीटों पर यह प्रक्रिया संचालित की जाएगी। विशेष सचिव, व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, अधिशासी निदेशक, एससीवीटी, उत्तर प्रदेश अभिषेक सिंह ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों का प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण में चयन नहीं हुआ या चयन के बाद भी प्रवेश नहीं हो पाया, वे 11 से 15 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक वेबसाइट www.scvtup.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

श्रावस्ती जिले के प्राचीन मुंडा शिवाला का होगा जीर्णोद्धार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सैकड़ों महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों के सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार के बाद अब श्रावस्ती के ऐतिहासिक मुंडा शिवाला को नया जीवन देने की तैयारी है। इस प्राचीन शिवाला का 225 वर्षों का इतिहास है और यहां नेपाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से मुंडा शिवाला का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराने की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही मंदिर के बेहतर प्रबंधन, नियमित पूजा-पाठ और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए एक ट्रस्ट का गठन भी किया जाएगा। यह ट्रस्ट मंदिर के रखरखाव, धार्मिक आयोजनों और सुरक्षा व्यवस्था का संचालन करेगा।

मायावती व कांग्रेस ने रक्षा बंधन की दी बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती समेत तमाम नेताओं ने रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने रक्षाबंधन की बधाई देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, भाई-बहन के पवित्र रिश्ते एवं प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन के त्योहार की देश के समस्त भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, रक्षाबंधन के पावन पर्व पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रदेश में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

बहनों ने भाइयों के हाथों पर राखी बांधकर लंबी उम्र की कामना की, योगी समेत अन्य नेताओं ने दी पर्व की बधाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के हाथों पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने प्रदेशवासियों को पर्व की बधाई दी है। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा है कि स्नेह की पवित्र गांठ, विश्वास की मौन प्रतिज्ञा, भाई-बहन के अटूट प्रेम की जीवंत अभिव्यक्ति रक्षाबंधन की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई।

सोनभद्र से मिली जानकारी के अनुसार, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा अपनी बहन से राखी बंधवाने रॉबर्ट्सगंज के आमडीह गांव पहुंचे। हर वर्ष की तरह इस बार भी उन्होंने शनिवार सुबह बहन आभा राय से राखी बंधवाई। उनका यह दौरा पूरी तरह से व्यक्तिगत रहा। इस दौरान उन्होंने स्थानीय और पार्टी के लोगों से दूरी बनाए रखी। राखी बंधवाने के बाद वह शनिवार की ही दोपहर वाराणसी के लिए रवाना हो गए।

उधर, वाराणसी से आयी जानकारी के मुताबिक, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में रक्षाबंधन पर इसरो के वैज्ञानिक दल ने पूजा-पाठ के साथ रुद्राभिषेक भी किया। इस दौरान उनके साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण भी मौजूद रहे। इसरो वैज्ञानिकों के इस दल ने चंद्रयान अभियान में अहम जिम्मेदारी निभाई थी। दल में दिनेश कुमार सिंह (डायरेक्टर, ह्यूमन स्पेस सेंटर) पंकज किल्लेदार (डायरेक्टर, मास्टर कंट्रोल फेसिलिटी), आर नादागौड़ा (एसोसिएट डायरेक्टर यूआर राव सैटेलाइट सेंटर), के शाम्बाय्य (डिप्टी डायरेक्टर लिक्विड प्रोपल्जन सिस्टम सेंटर), गुरु मूर्ति डी, अरविंद कुमार एम, संजीव कुमार, राधाकृष्ण, विनीत, आलोक कुमार झां, शशांक एस, अश्विन, निक्की श्रीवास्तव, अजय अन्धिवाल, महेन्द्र बेहेरा, मंजुला आर शामिल रहे।

बहनों ने जेल में बंद भाइयों को बांधी राखी

राजधानी समेत कई जिलों में रक्षाबंधन पर बहनों ने जेल में बंद भाइयों को राखी बांधी। पर्व पर जेल प्रशासन की ओर से खास व्यवस्था की गई। टीका और अक्षत की व्यवस्था जेल में ही की गई। केवल सोन पापड़ी को अंदर ले जाने की इजाजत दी गई और टीके की थाली के साथ मीठे के तौर पर टॉफी दी गई। राखी बांधने आईं बहनें काफी भावुक नजर आईं। वहीं कुछ मुस्लिम महिलाएं भी अपने भाइयों को राखी बांधने पहुंची थीं। शाहजहांपुर में भी एक हजार से अधिक बहनों ने जेल में पहुंचकर अपने भाइयों को राखियां बांधी। उनकी लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की।

पूर्वांचल के जिलों में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन

गोरखपुर समेत पूर्वांचल के कई जिलों में शनिवार को श्रावणी उपाकर्म का भी आयोजन हुआ। गोरखनाथ मंदिर स्थित पोखरे में संस्कृत विद्यालय के शिक्षक, पुरोहित और छात्रों की मौजूदगी में यह कार्यक्रम हुआ। संत कबीर नगर, देवरिया और कुशीनगर में भी आयोजन हुए।

लखनऊ में ट्रैफिक व्यवस्था रही ध्वस्त

- फैजाबाद रोड समेत शहर में लगा लंबा ट्रैफिक जाम
- रिश्तेदारों के घर जाने के लिए निकले लोग घंटों जाम में फंसे रहे

अमृत विचार, लखनऊ : रक्षाबंधन के दिन राजधानी लखनऊ में यातायात व्यवस्था ध्वस्त नजर आयी। फैजाबाद रोड पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। भाई-बहन के इस पर्व पर अपने रिश्तेदारों के घर जाने के लिए निकले लोग घंटों जाम में फंसे रहे। यही स्थिति पुराने लखनऊ में भी दिखी। खासकर चौक, आलमबाग क्षेत्र में लोग घंटों जाम में फंसे रहे।

हालांकि शुरुआत में चौराहों पर ट्रैफिक संभालने के लिए कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं रहा, ऐसे में त्योहार की खुशियां जाम में कैद हो गईं। ट्रैफिक के कारण एम्बुलेंस और जरूरी सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। बाद में यातायात और पुलिस के जवानों ने ट्रैफिक को संभाल लिया और व्यवस्था सुगम हो गई।

रामलला के बांधी गई बहन शांता की राखी

अमृत विचार, अयोध्या : श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला एवं भाइयों को बहन शांता की ओर से भेजी गई राखी मंत्रोच्चारण के बीच बांधी गयी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपतराय ने रामलला, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के हाथों में राखी बांधी। इस मनोहारी दृश्य निहारने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। रक्षाबंधन के दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री राम के जयकारों से गुंजायमान रहा।

इसी के साथ श्रृंगी ऋषि आश्रम से शुरू हुई तीन दिवसीय श्रीरामलला रक्षाबंधन महोत्सव का विधि विधानपूर्वक समापन हुआ। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला का झूलन महोत्सव भी आज भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा। नागपंचमी से शुरू राममंदिर में झूलनोत्सव का आज समापन हो गया। इसी के रंगमहल सहित सभी मंदिरों में पड़ा झूला आज पूजन अर्चन के बाद उतर जायेगा और विग्रह स्वरूप प्रभु की प्रतिमा पूजन अर्चन के बाद अपने स्थान पर विराजमान होंगे। श्रृंगी ऋषि आश्रम में बुधवार से श्रीरामलला रक्षाबंधन महोत्सव की परंपरागत तरीके से शुरुआत हुई। अनवरत तीन दिनों तक विविध धार्मिक आयोजन श्रृंगी ऋषि आश्रम शेरवाघाट अयोध्या में आयोजित हुए। प्रदेश की महिला कल्याण विभाग की मंत्री बेबी रानी मौर्य, उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में संत महंत धर्माचार्य सम्मिलित हुए। प्रभु श्रीराम के लिए केले के रेशे से बनी इन विशेष राखियों को पूजन अर्चन के बाद समारोहपूर्वक शोभायात्रा निकाल कर चंपतराय को सौंपा गया।

संस्कृत के महत्व को याद करें सभी जगह प्रचार करें : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने संस्कृत दिवस पर संस्कृत भाषा सप्ताह शुरू होने की शुभकामनाएं दीं

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को संस्कृत दिवस पर संस्कृत भाषा सप्ताह शुरू होने की शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर शनिवार को उन्होंने संस्कृत में अपना एक वीडियो संदेश जारी किया। शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उत्तर प्रदेश वासियों को संस्कृत सप्ताह की हार्दिक शुभकामनाएं।

योगी के अनुसार, संस्कृत भाषा भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय संस्कृति का आधार है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए संस्कृत भाषा का अध्ययन अति आवश्यक है। इस सप्ताह हम सभी संस्कृत के महत्व को याद करें। संस्कृत वाङ्मय और अमृतधारा का अनुभव करें। विद्यालयों में, घरों में, सभी जगह संस्कृत का प्रचार करें।

उन्होंने अपने संदेश में यह भी कहा कि, संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए राज्य सरकार सदैव तत्पर है। यह सप्ताह न केवल उत्सव है बल्कि संस्कृत संजीवन का आरंभ है।

राजभवन में स्कूली बालिकाओं को राखी बांधतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। ● अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने काकोरी एक्शन के क्रांतिकारियों को दी श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर क्रांतिकारियों और वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'ब्रिटिश शासन की चूलें हिला देने वाले 'काकोरी रेल एक्शन' की वर्षगांठ पर सभी अमर क्रांतिवीरों को शत-शत नमन!' उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, 'मां भारती के सपूतों की यह शौर्य गाथा देश वासियों के लिए प्रेरणापुंज है। इन वीरों का त्याग, साहस और राष्ट्र प्रेम सदैव हमारे हृदयों को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।'' उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'काकोरी ट्रेन एक्शन' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में साहस, बलिदान व अटूट देशभक्ति का अमर प्रतीक है। 9 अगस्त 1925 को काकोरी में भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश राज के विरुद्ध क्रांति के लिए हथियार खरीदने के मकसद से ब्रिटिश सरकार का खजाना लूट लिया था। इस मामले में 1927 में, राम प्रसाद 'बिस्मिल', अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को ब्रिटिश सरकार ने फांसी दे दी थी।

विभाजन की त्रासदी को जानेंगे युवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के सभी जिलों में होगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन
- विस्थापित परिवारों के सदस्यों को किया जाएगा आमंत्रित
- स्कूलों व कॉलेजों में फिल्मों व डॉक्यूमेंट्री का होगा प्रदर्शन

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की ओर से इस वर्ष भी 14 अगस्त को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन होगा। प्रदेश के युवा एक तरफ जहां विभाजन की त्रासदी को जानेंगे, वहीं विस्थापित परिवार के लोग भी अपना दर्द बयां करेंगे। इस दौरान अनेक आयोजन भी होंगे। संस्कृति विभाग की देखरेख में होने वाले आयोजनों में अनेक सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों का भी सहयोग लिया जाएगा।

इन कार्यक्रमों में विभाजन विभीषिका के दौरान विस्थापित परिवारों के सदस्यों को आमंत्रित करने के साथ ही त्रासदी के दौरान प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। सरकार ने संस्कृति विभाग को निर्देश दिया है कि इसमें सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश सिंधी सभा, उत्तर प्रदेश सिंधी एकेडमी, सनातनी पंजाबी महासभा समेत अनेक सामाजिक व गैर सरकारी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए।

जिलों में प्रशासन द्वारा चयनित स्थलों पर विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख प्रदर्शनी लगाई जाएगी। संस्कृति विभाग के निर्देशन में प्रदेश के सभी जनपदों में भारत-पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ीं फिल्में/डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शनी स्थलों के साथ ही विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में भी दिखाई जाएंगी।

भाजपा सरकार को देश के उद्योगपतियों पर भरोसा नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने सैफई में मनाया रक्षा बंधन का पर्व

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने अमेरिका के टैरिफ प्रकरण का संज्ञान लेते हुए कहा है कि भारतीयों को मौका मिला है कि अपना उद्योग एवं कारोबार अपने हाथ में ले लें। जिस समय देश का उद्योग और कारोबार अपने आप बढ़ेगा तो अमेरिका या कोई अन्य देश धमकी नहीं दे सकेगा।

पत्रकारों से बात करते हुए शनिवार को अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को देश के उद्योगपतियों पर भरोसा नहीं रहा। अमेरिका धमकी दे रहा है, हमारे ऊपर प्रतिबंध लगा रहा है। चीन पड़ोसी देश है, उनसे सम्बन्ध खराब चल रहे हैं। उसने हमारी जमीन और व्यापार दोनों छीने हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने 10 साल के शासन में किसानों, नौजवानों, कारोबारियों पर भरोसा किया होता तो आज तस्वीर कुछ और होती। इससे पहले अखिलेश यादव ने सैफई में बड़ी संख्या में आई तमाम बहनों की राखियां स्वीकार कर उन्हें बधाई दी।

रणनीति | माता-पिता को जागरूक कर रही योगी सरकार

बच्चों में नाटेपन के लिए कारगर है पोषण पाठशाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी जिलों में 9.80 लाख से अधिक माप, स्टंटिंग उन्मूलन की दिशा में बड़ी शुरुआत

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने यूपी में बच्चों में स्टंटिंग (नाटापन) अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक कम करने का लक्ष्य साधा है। इसके लिए ठोस नीतियां बनाई जा रही हैं। पोषण पाठशाला के माध्यम से योगी सरकार माता-पिता और अन्य अभिभावकों को जागरुक कर रही है।

बच्चों के जीवन के पहले 1000 दिनों में अपर्याप्त पोषण के कारण स्टंटिंग की समस्या होती है। इसे कम करने के लिए सरकार ने छह माह-सात बार रणनीति अपनाई है। इसके तहत छह माह से कम आयु के शिशुओं की नियमित निगरानी, बीमारी प्रबंधन, और माताओं को स्तनपान सहायता प्रदान की जा रही है। पहले छह माह में केवल स्तनपान और बाद में संतुलित आहार बच्चों के विकास को मजबूत करता है। इस दिशा में, 75 जिलों के 7,500 आंगनबाड़ी केंद्रों में 0-5 वर्ष की आयु के अविकसित बच्चों की माप के लिए कुल 9.80 लाख से अधिक कार्य किए गए हैं।

100 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति

हर जिले में ब्लॉक और जनपद स्तर के 100 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो आंगनबाड़ी केंद्रों की सघन निगरानी कर रहे हैं। जिलाधिकारी मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित कर रहे हैं, जिसमें स्टंटिंग की स्थिति का आकलन किया जाता है।

इन केंद्रों में अविकसित बच्चों की निगरानी के लिए 7,500 नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं, जो सघन ग्रोथ मॉनिटरिंग और न्यूट्रिशन ट्रैकिंग सुनिश्चित कर रहे हैं। बीते 14-15 जुलाई को पूरे प्रदेश में पहली बार एक साथ स्टंटिंग मापन अभियान चलाया गया, जिसमें नोडल अधिकारियों ने बच्चों के एंथ्रोपोमेट्रिक माप (लंबाई, वजन) का सत्यापन किया। स्टंटिंग की वास्तविक स्थिति को समझने और डेटा की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए राज्यव्यापी स्टंटिंग वैलिडेशन अभियान शुरू किया गया। इस अभियान में सभी विभागों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और बाल विकास सेवा के संयुक्त प्रयासों से चयनित गांवों में बच्चों की निगरानी की गई हैं। बीते वर्षों में स्टंटिंग के आंकड़ों में सुधार दर्ज हुआ है।

खजाना लूटने के बाद खड़ी हो गई थी मुसीबत

एजेंसी, लखनऊ

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ

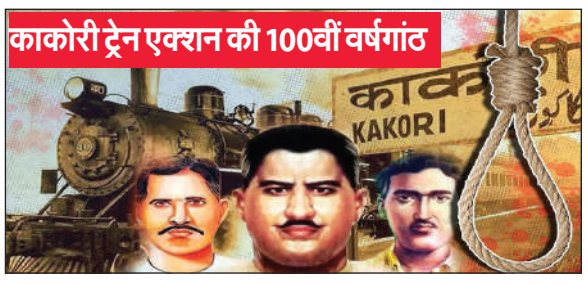

अमृत विचार : 9 अगस्त, 1925 की शाम थी। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम के लिए धन जुटाने के मकसद से युवा क्रांतिकारियों के एक समूह ने लखनऊ के निकट काकोरी में एक ट्रेन से सरकारी खजाना लूटने की साहसिक योजना बनाई। उन्हें इस योजना को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हालांकि काकोरी ट्रेन एक्शन के बारे में कुछ ऐसी चीजें भी रहीं, जिनके बारे में बहुत कम जानकारी सामने आई है। इस वर्ष इस घटना की 100वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण घटना थी।

इस अवसर पर उन क्रांतिकारियों के परिजनों ने एजेंसी को काकोरी ट्रेन एक्शन के बारे में कुछ रोचक जानकारी दी। स्वतंत्रता सेनानी अशफाक उल्लाह खान के परपोते अशफाक उल्लाह खान ने ऐसे ही एक दिलचस्प वाकये के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब क्रांतिकारियों को लगा कि ट्रेन डकैती को पूरी तरह से अंजाम दे दिया गया है, तो उन्हें एक अप्रत्याशित समस्या का सामना करना पड़ा। अशफाक ने कहा कि वह समस्या यह थी कि 4,600 रुपये रखे, जिस संदूक को उन्होंने लूटा था, वह उनकी कल्पना से कहीं अधिक मजबूत था, जिससे अशफाकउल्ला खान समेत योजना में शामिल लोगों की जान जोखिम में पड़ गई। उन्होंने कहा, इसके बाद मेरे परदादा (अशफाक उल्लाह खान) ने एक हथौड़ा उठाया और दो जोरदार वार से संदूक को चीर दिया।" अशफाक ने मुस्कुरते हुए बताया कि ताला तोड़ने के बाद अशफाक उल्लाह खान ने हल्के-फुल्के अंदाज में अपने साथी शाकाहारी क्रांतिकारियों से कहा कि "यह ताला तोड़ना पूरी सब्जी खाने वालों के लिए संभव नहीं था।" अशफाकउल्ला खान रामप्रसाद बिस्मिल और दूसरे क्रांतिकारियों के साथ काकोरी ट्रेन एक्शन में प्रमुख रूप से शामिल थे। अशफाक (59) ने कहा, "मैंने भी उन लोहे के संदूकों को पहली बार तब देखा था जब मैं मात्र 15 वर्ष का था।" आज 4,600 रुपये की राशि का कोई खास मूल्य नहीं है, लेकिन उस समय यह राशि बहुत बड़ी थी।

न्यूज ब्रीफ

रुद्राभिषेक संग शिवलिंग का श्रृंगार।

आनंदेश्वर शिव मंदिर में हुआ रुद्राभिषेक

शिवली। मैथा कस्बा के आनंदेश्वर शिव धाम में शनिवार को रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। भगवान शिव का विभिन्न मंत्रों के माध्यम से पूजन, अभिषेक व श्रृंगार किया गया। साथ ही देश समाज में खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। इस मौके पर आशीष तिवारी, अशोक तिवारी, शेखर तिवारी, निखिल दीक्षित, राजू मिश्रा, पप्पू शुक्ला, खिलाड़ी दीक्षित, पप्पू मिश्रा आदि मौजूद रहे।

पत्नी गायब, पति को धर्मांतरण का शक

शिवली। एक विवाहिता महिला को बरगलाकर ले जाने की रिपोर्ट उसके पति ने दर्ज कराई है। साथ ही लव जिहाद के माध्यम से धर्मांतरण कराने की आशंका भी जताई है। फत्तेपुर गांव ज्ञानेंद्र ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी रानी को कैलई गांव का ताहिर खान, भाई रिशू व साहिल के सहयोग से बरगलाकर ले गया है और इस समय दिल्ली में रहता है। पति ने आशंका जताई है कि पत्नी को लव जिहाद के माध्यम से धर्मांतरण के उद्देश्य से ले जाया गया है। इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार ने बताया कि विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

शिवली बस अड्डे पर जाम में फंसे यात्री

शिवली। कस्बे के मुख्य बस अड्डे पर दो दिन से जाम के हालात बने रहे। काफी देर तक लोग जाम का झाम झेलने पर मजबूर रहे। बाजार का दिन होने से हालात बिगड़ गए। शनिवार को रक्षाबंधन के चलते पूरे दिन जाम रहा। कस्बे के मुख्य अड्डे पर ताराचंद्र से लेकर कल्याणपुर रोड तक दुकानें सड़क तक लगी रहीं। ई-रिक्शा व आटो भी बेतरतीब ढंग से खड़े रहे। इससे पूरे दिन जाम लगता रहा और लोग व्यवस्थाओं को कोसते रहे। त्योहार पर बड़ी संख्या में शिवली होकर कानपुर, कल्याणपुर, रसूलाबाद, रूरा, विधूना, दिल्ली तक लोगों का आना-जाना रहता है।

भाइयों की कलाई पर सजा बहना का प्यार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार: रक्षाबंधन का त्योहार शनिवार को जिले में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उन्हें अपनी रक्षा का संकल्प दिलाया। नगर से लेकर गांव तक रक्षाबंधन का उत्साह दिखा। बाजारों में मिठाई व राखियों की दुकान पर दिन भर चहल-पहल रही।

शनिवार को सुबह से ही भाई-बहनों में रक्षाबंधन पर्व की उत्सुकता दिखी। दूरदराज से भाई व बहन घर जाने के लिए निकल पड़े। सड़कों पर बहनें सजी-धजी भाइयों के घर जाते नजर आईं। भाइयों ने सुबह से स्नान आदि के बाद तैयार होकर बहनों से कलाई पर राखी बंधवाई। राखी बांधने से पहले बहनों ने भाइयों का मुंह मीठा किया और तिलक लगाया। भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। बहनों के लिए उनकी मन पसंद का उपहार दिया। नगर से लेकर देहात तक मिठाई की दुकानें सज गईं थीं।

बहनों ने मिठाई और राखी की दुकान पर जमकर खरीदारी की। सुबह बाइक से बहनें भाई के घर गईं। कहीं-कहीं भाइयों ने बहनों के घर जाकर राखी बंधवाई। पूरे दिन रक्षा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बच्चों में भी रक्षाबंधन का उल्लास देखने को मिला। भाइयों ने बहनों की लंबी उम्र के लिए दुआ मांगी। राखी के पवित्र त्योहार को श्रद्धा और प्यार से मनाया गया। बहन से राखी बंधवाने के बाद लोगों ने खीर, पूड़ी सहित विभिन्न पकवानों का लुत्फ उठाया।

रक्षाबंधन पर भाई को तिलक लगाती बहन। अमृत विचार

सवारी वाहनों के लिए भटकती रहीं बहनें

रक्षाबंधन पर प्रदेश सरकार ने तीन दिन तक बहनों के लिए नि:शुल्क यात्रा की सुविधा दी है। शनिवार को सुबह से ही बहनें राखी बांधने के लिए निकली, लेकिन रोडवेज बसें कम पड़ गईं। बहनों को घंटों सवारी वाहनों के लिए इंतजार करना पड़ा। शिवली कस्बे में बेला रोड किनारे राखी की दुकानें व वाहनों के आड़े-तिरछे खड़े होने से पूरा दिन जाम रहा। दोनों तरफ वाहनों की कतार लगी रही। दोपहर बाद पुलिस के सक्रिय होने पर जाम खुला।

राखियां खरीदने के लिए लगी रही भीड़

नगरीय क्षेत्रों में सजे स्टालों पर पहुंची बहनों ने मनपसंद राखियां खरीदीं। युवतियों ने स्टोन, मोती व जरी की डिजाइनर राखियों की खरीद पर जोर दिया। बच्चे गणेश, हनुमान, स्पाइडरमैन, घड़ी के स्टीकर और म्यूजिकल के साथ लाइटिंग वाली राखियां पसंद कर खरीदते रहे। बीस रुपये से लेकर करीब तीन सौ रुपये कीमत तक की राखियों की जमकर बिक्री हुई। वहीं लोगों ने पूजन के लिए सूत व रेशम के धागे भी खरीदे।

बेअसर रही महंगाई, जमकर बिकी मिठाई

- रक्षाबंधन त्योहार पर अकबरपुर समेत शिवली, राजपुर, रनियां, पुखरायां, रूरा, कहिंजरी, सिखंदरा आदि जगहों पर सजी मिठाई की दुकानों पर बड़ी संख्या में महिलाओं व युवतियों ने खरीदारी की। दोपहर तक दुकानों में मिठाई का का स्टाक लगभग खत्म हो गया। अकबरपुर के मिठाई विक्रेता अमित चौरसिया, रूरा के पप्पू गुप्ता, झींझक के प्रद्युम्न गुप्ता, शिवली केअखिलेश तिवारी आदि ने बताया कि त्योहार पर अपेक्षा से अधिक मिठाई की बिक्री हुई है। इस बार तीन सौ रुपये से लेकर 600 रुपये किलो तक मिठाई बिकी है।

राखी बांधने के बाद पुलिसकर्मियों के साथ ब्रह्मकुमारी बहनें। अमृत विचार

ब्रह्मकुमारी बहनों ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

रनियां। रक्षाबंधन पर नगर पंचायत में ब्रह्म कुमारी आश्रम की बहनों ने रनियां थाना पहुंच कर पुलिस कर्मियों को राखी बांधी। थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह ने बहनों को सुरक्षा का भरोसा दिलामा। ब्रह्माकुमारी आश्रम की बहन सरोज दीदी, संगीता पांडेय आदि ने पारंपरिक रीति रिवाज के अनुसार माथे पर तिलक लगाया और रक्षा सूत्र बांध कर पुलिस कर्मियों के दीर्घायु और सफल जीवन की कामना की। सरोज दीदी ने कहा कि सुरक्षा कर्मी सही मायने में निरंतर रात-दिन एक भाई की तरीके से हम लोगों की सुरक्षा में 24 घंटे खड़े रहते हैं। लोगों का फर्ज है कि किसी भाई की कलाई सूनी ना रहे। थाना प्रभारी ने कहा कि रक्षाबंधन पर समाज में इस तरह का स्नेह मिलना पुलिस बल के मनोबल को बढ़ाता है। इस मौके पर हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह, संजय भदोरिया, देवेंद्र पाल, शैलेंद्र सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित रहे

पक्के मकान का छज्जा गिरा, तीन लोग घायल

रनियां थाना क्षेत्र के करचल गांव में त्योहार के मौके पर हादसा

संवाददाता, रनियां

- तीनों घायलों को अकबरपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया
- रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के बाद दरवाजे पर बैठे थे दोनों

अमृत विचार: रनियां थाना क्षेत्र में करचल गांव में कई दिनों से बारिश की वजह से पक्के मकान का छज्जा गिर गया, जिससे चचेरे भाई-बहन के साथ एक मासूम मलबा की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। त्योहार पर हादसे के बाद मोहल्ले में हड़कंप मच गया। तीनों घायलों को पुलिस ने अकबरपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है।

करचल गांव निवासी राजेश सविता का पक्का मकान है। शनिवार को रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के बाद शाम को राजेश का 20 वर्षीय पुत्र प्रांशु सविता अपनी चचेरी बहन तनवी (15) के साथ घर के बाहर छज्जे के नीचे बैठा था। दोनों लोग आपस में बात कर रहे थे। इसी बीच अचानक पक्का छज्जा भरभराकर नीचे गिर गया। छज्जा का मलबा गिरने से प्रांशु, उसकी चचेरी बहन तनवी और नफीस का 2 वर्षीय पुत्र अरशद चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। छज्जा गिरने और चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े और मलबा हटाकर तीनों लोगों को निकाला। ग्रामीणों ने मामले की सूचना लेखपाल सुधीर दुबे और पुलिस को दी।

रनियां इंस्पेक्टर एसएन सिंह ने बताया कि 112 नंबर की सूचना पर मामले की छानबीन की गई है। हादसे में प्रांशु, तनवी और अरशद घायल हुए हैं, जिन्हें एंबुलेंस से अकबरपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। तीनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। इस हादसे के बाद राजेश के परिवार में हड़कंप मचा रहा।

करचल गांव में हादसे के बाद लगा मजमा। अमृत विचार

सांप के डसने से छात्रा की गई जान

कानपुर देहात। चितारिया में कक्षा तीन की छात्रा की सर्प दंश से हालत बिगड़ने पर परिजन मेडिकल कालेज ले गए। जहां से उसे हैलत रेफर किया गया। हैलट में डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गजनेर थाना क्षेत्र के चितरिया गांव निवासी मनीषा देवी ने बताया की उनकी सात वर्षीय बेटी दिव्यांशी गांव स्थित प्राइमरी स्कूल में कक्षा तीन की छात्रा थी।शुक्रवार को वह स्कूल जाने की तैयारी कर रही थी। इसी बीच वह कपड़े लेने के लिए घर के अंदर वाले कमरे में गई। तभी सांप ने उसे डस लिया। उसके चिल्लाने की आवाज पर मां मनीषा दौड़कर अंदर गई, लेकिन उन्हें सांप नहीं दिखाई दिया।

बेटी ने बताया कि उसे सांप ने डसा है और उसके पैर के अंगूठे के पास डसने के निशान भी थे। इस पर परिजन फौरन उसे मेडिकल कालेज अकबरपुर ले गए, जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। हैलट में डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार की सुबह पिता विनोद कुमार ने गजनेर थाने में सूचना दी। थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

जलभराव की समस्या से जूझ रहे जल्लापुर के 15 परिवार

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार: लगातार दो दिनों से हो रही बारिश से ब्लॉक क्षेत्र के जल्लापुर गांव में सड़क किनारे भीषण जलभराव हो गया है। जलनिकासी का प्रबंध न होने से ग्रामीणों के घरों के बाहर बरसात का गंदा पानी भरा होने से ग्रामीण परेशान है। बरसात में प्रत्येक वर्ष जलभराव की समस्या से ग्रामीणों को जूझना पड़ता है।

विकासखंड क्षेत्र के जल्लापुर-सिकंदरा गांव में बरसात के चलते भीषण जलभराव हो गया है। करीब 15 ग्रामीणों के घरों के बाहर बारिश का गंदा पानी भरा है। ऐसे में लोगों को जलभराव से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूरे गांव में जलनिकासी के लिए नालियों का निर्माण नहीं कराया गया है। पहले से बनी नालियों की सफाई न होने से बारिश में नालियां चोक हो गई हैं। ऐसे में बारिश में जलभराव की समस्या हो गई है। कई लोगों के घरों के बाहर भीषण जलभराव है और आवागमन पूरी तरह बंद हैं। गंदे पानी के बीचोंबीच से लोगों को निकलना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान शिल्पा देवी से लेकर ब्लॉक अधिकारियों से कई बार समस्या की शिकायत की गई, लेकिन निस्तारण नहीं कराया गया है। ऐसे में ग्रामीणों को बारिश में मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। इस बारे में बीडीओ हरगोविंद गुप्ता का कहना है कि रोस्टर के हिसाब से पूरे गांव में चोक नालियों की सफाई कराई जाएगी।

जल्लापुर गांव में घरों के बाहर सड़क पर भरा बारिश का पानी। अमृत विचार

स्ट्रीट लाइट के खंभे में चिपकी बकरी, गई जान

रनियां। कटका रोड पर स्ट्रीट लाइट के पोल में एक बकरी चिपक गई। बकरी को बचाने में अयान (14) झुलस गया। कुछ दिन पहले स्ट्रीट लाइट के करंट से एक मासूम बच्चे की मौत हो गई थी। अधिकांश खंभों में तार खुले होने के कारण बरसात में करंट से हादसे हो रहे हैं, लेकिन बिजली विभाग व नगर पंचायत प्रशासन का कोई ध्यान नहीं दे रहा है। बताते हैं कि खंभे में बकरी को चिपका देख बालक ने उसे बचाने का प्रयास किया। वह बकरी को खींचता रहा, लेकिन बकरी को बचा नहीं सका। परिजन बच्चे को निजी अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज कराया। इंस्पेक्टर ने बताया कि इसकी जानकारी नहीं है।

शनिवार को बैठक करते जमीयत उलमा-ए-हिंद के पदाधिकारी। अमृत विचार

जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष बने मोहम्मद फैज, हसीब मदनी महासचिव

राजपुर। मदरसा फ़ैजाने मुहम्मद भोगनीपुर में जमीयत उलमाए हिंद की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें भोगनीपुर तहसील की कमेटी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से मौलाना मोहम्मद फैज़ को अध्यक्ष और हाफ़िज़ मोहम्मद हसीब मदनी को महासचिव नियुक्त किया गया

उपाध्यक्ष पद पर हाफ़िज़ मोहम्मद रईस, मोहम्मद राशिद, अब्दुल रऊफ, हाफ़िज़ मोहम्मद शफीक की नियुक्ति की गई। सचिव पद के लिए हाजी बदरे आलम, क़ारी इबाद, हाफ़िज़ शानू का चयन हुआ। कोषाध्यक्ष हाफ़िज़ अकरम बनाए गए। मो. अमीन संरक्षक बनाए गए। अध्यक्षता हाजी अकील ने की और संचालन मुफ्ती मुजीबुर्रहमान ने किया। इस मौके पर हाजी लुकमान मौलाना ज़ैद, उमर सैफ, मुहम्मद अहमद मोहम्मद उवैस आदि रहे।

भाजपा कल निकालेगी तिरंगा यात्रा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार: रसूलाबाद क्षेत्र के तिश्ती स्थित एक गेस्ट हाउस में शनिवार को भाजपा की मंडल बैठक का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य आगामी 11 अगस्त को निकलने वाली तिरंगा यात्रा की तैयारी को लेकर चर्चा करना था।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं रसूलाबाद की पूर्व विधायक निर्मला संखवार ने कहा कि सभी पार्टी कार्यकर्ता अपने-अपने घर, दुकानों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा फहराएं। उन्होंने स्मारकों की साफ-सफाई करने का भी आवाहन किया। पूर्व जिला उपाध्यक्ष ब्रजेश त्रिपाठी ने कहा कि शहीदों के परिवारजनों को सम्मानित भी किया जाएगा। तिरंगा यात्रा में मंडल स्तर से लेकर बूथ स्तर तक के सभी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। तिश्ती मंडल अध्यक्ष रंजना द्विवेदी ने 11 अगस्त को निकलने वाली तिरंगा यात्रा में शामिल होकर देशभक्ति की भावना से सफल बनाने का आग्रह किया। इस मौके पर शिवपाल सिंह, पंकज दुबे, सुबोध अवस्थी, सोनू भदौरिया, अजीत कुशवाहा, रानी पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व विधायक निर्मला संखवार। अमृत विचार

- यात्रा में मंडल स्तर से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ता शामिल होंगे
- भाजपा मंडल की बैठक में यात्रा को लेकर किया गया मंथन

सिपाही को पीट मोबाइल छीना

रूरा। क्षेत्र के जिनई चौराहे के पास एक सिपाही से बाइक सवारों ने मारपीट कर मोबाइल फोन छीन लिया और भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तलाश शुरू की है।

झींझक के रहने वाले सतेंद्र कुमार जनपद फर्रुखाबाद में सिपाही पद पर तैनात हैं। शनिवार को वह अपने घर झींझक जा रहे थे। जैसे ही वह जिनई चौराहे के पास पहुंचे, तभी कुछ बाइक सवार आए और बेवजह सिपाही के साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट करने लगे। सिपाही जब उनका वीडियो बनाने लगा तो बाइक सवार युवक सिपाही का मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। मारपीट के दौरान सिपाही के कपड़े और सिर फट गया। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

फूलों की सजावट के बाद जगमगाता जागेश्वर धाम। अमृत विचार

जागेश्वर का भव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं ने छका प्रसाद

संवाददाता, शिवली

अमृत विचार: कस्बे के विख्यात जागेश्वर मंदिर में प्रति वर्ष की तरह रक्षाबंधन को मंदिर में भव्य सजावट की गई। साथ ही भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

भक्ति संगीत संध्या में शनिवार को सन्नी सरताज व रुचि किंकर के भजनों पर भक्त देर रात तक झूमते रहे। मां वैष्णो देवी की गुफा भी बनाई गई और भगवान भोलेनाथ का विहंगम श्रृंगार किया गया। ओम नमः शिवाय कमेटी के पदाधिकारीनीलू त्रिवेदी ने बताया कि प्रति वर्ष जागेश्वर मंदिर पर इस तरह का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर ओमी बाजपेई, मनोज सविता, सनोज, रामचंद्र, सुभाष, विष्णु, उदय प्रताप सिंह, शिव त्रिवेदी, शिवम सविता, रुद्र पांडेय, निशांत यादव, कीर्ति तिवारी आदि शिवभक्त मौजूद रहे।

भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

दंगल में दिखेंगे दांव | कजरी पूजन के बाद महिलाएं निकालेंगी जुलूस, कजरिया तालाब में होगा विसर्जन

सज गया कजरी मेला, आज निकलेगा जुलूस

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार: रक्षाबंधन पर्व शाहजहांपुर कस्बे में प्रति वर्ष आयोजित होने वाले दो दिवसीय कजरी मेला व दंगल का आज शुभारंभ होगा। इसकी तैयारी पूरी हो गई है। पिछले दो दिनों से मेले में विभिन्न प्रकार के स्टाल व दुकानें सजने लगी हैं। मेले की सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात रहेगी।

शाहजहांपुर कस्बे के गौरीकरन मार्ग पर सैकड़ों वर्ष पुरानी परंपरा के अनुसार रक्षाबंधन पर्व पर कजरी मेला और विशाल दंगल का आयोजन होता है। इस मेले में क्षेत्र के तमाम गांवों के लोग पहुंचते हैं। खासकर महिलाओं की भीड़ होती है। कजरी मेला मैदान पर बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले लगने शुरू हो गए हैं। घरेलू सामान की दुकानें भी सजी हैं। मेला कमेटी के अध्यक्ष गिरजा शंकर यादव ने बताया कि कजरी मेला रक्षाबंधन के ठीक दूसरे दिन यहां मेला ग्राउंड में कजरी जुलूस का शुभारंभ कराया जाता है। मेला स्थल पर कजरी का पूजन कराया जाता है। पूजन के बाद भारी संख्या में महिलाएं कजरी जुलूस निकालती हैं। जुलूस समापन पर कजरिया तालाब में कजरी विसर्जन किया जाता है। उन्होंने बताया कि मेले का शुभारंभ सिकंदरा चैयरमैन सीमा पाल फीता काट कर करेंगी।

शाहजहांपुर के कजरी मेले में दुकानें लग गई हैं। अमृत विचार

मेले में झूले भी लगे हैं। अमृत विचार

हत्याकांड में नामजद चौथा आरोपी धरा गया

संवाददाता, रूरा

- उलरापुर गांव में बोरिंग मजदूर को रॉड से पीटकर मारा था

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के उलरापुर गांव में काम के एडवांस रुपये मांगने पर लोहे की रॉड से पीटकर बोरिंग मजदूर की हत्या के मामले में आठ लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

उलरापुर की रामा देवी ने पुलिस को बताया था कि उसके भाई सुभाष को गांव के ही लोथा उर्फ तेज सिंह अपनी बोरिंग कराने की बात कह कर घर से ले गए थे। उसके भाई ने एडवांस पैसा मांगा और न मिलने पर बोरिंग करने से मना कर दिया। इसी बात से नाराज होकर लोथा, करन सिंह, शिव सिंह, अमित कुमार उर्फ छऊवा, बऊवा, हिमांशु, ओम जी, बबिता ने मिलकर पीट-पीट कर सुभाष की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने तीन नामजद अभियुक्त बबीता, राधा कृष्ण उर्फ बऊवा व लोथा उर्फ तेज सिंह को गिरफ्तार जेल भेज था। शनिवार को पुलिस ने हत्या में फरार चल रहे आरोपी करन सिंह को उलरापुर नहर पटरी के पास से गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

करन सिंह।

अमृत विचार कानपुर,रविवार,10 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

ढाबे में रोटी में निकली मरी हुई छिपकली

चौबेपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे एक ढाबे में तंदूरी रोटी में मरी व जली हुई छिपकली निकलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि अमृत विचार अखबरा इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। हालांकि अभी यह जानाकरी नहीं मिल पाई है कि मामला किस ढाबे का है और खाना कौन खा रहा है। वहीं चौबेपुर थाना प्रभारी राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि अभी किसी के द्वारा कोई शिकायत नहीं आई है। अगर कोई इस मामले की तहरीर देता है तो आगे विधिक कार्रवाई की जायेगी।

शिवली में बिकरू के टेलर की बाइक चोरी

शिवली। कस्बा शिवली में सक्रिय चोरों ने टेलर की बाइक पार कर दी। कानपुर नगर के थाना चौबेपुर के बिकरू गांव के रहने वाले सज्जन ने पुलिस को बताया कि वह शिवली कस्बे में सिलाई का काम करता है। उसकी दुकान बाजार गेट के सामने है। बीती 15 जून को गली में खडी उसकी बाइक चोरी हो गई। इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार ने बताया कि दरोगा रमाशंकर को जांच सौंपी गई है। मालूम हो कि कुछ दिन पहले चोर जागेश्वर मंदिर के बाहर से भी एक भक्त की बाइक चोरी कर ले गए थे।

वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

हमीरपुर। क्षेत्र के लोदीपुर गांव के एक वारंटी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। एसआई राजेश कुमार ने बताया कि लोदीपुर निवासी रामप्रसाद वर्मा मुकदमा के सिलसिले में अदालत में हाजिर नहीं हो रहा था। अदालत में उसके खिलाफ वारंट जारी किया था। उसे गिरफ्तार किया है।

स्टार्टर खराब होने से 3 दिन से आपूर्ति ठप

हमीरपुर। कुरारा क्षेत्र के भैंसापाली गांव में जल संस्थान की पानी की टंकी का मोटर का स्टार्टर खराब होने से तीन दिन से ग्रामीणों को हैंडपंपों का सहारा लेना पड़ रहा है। गांव के उपेंद्र कुशवाहा, अरविन्द कुशवाहा, विद्यासागर शुक्ला आदि ने बताया की तीन दिन से टंकी से पानी की आपूर्ति न होने से ग्रामीण परेशान हैं। मजबूरी में हैंडपंपों से पानी भरने को विवश है। बारिश के चलते हैंडपंपों से गंदा पानी आने लगा है। रक्षाबंधन का पर्व पर भी जल संस्थान पानी की आपूर्ति शुरू नहीं करा सका।

पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगायी डुबकी

गंगा में स्नान करने के बाद सभी ने मां गंगा की पूजा अर्चना की और पंडों को दान देकर पुण्य कमाया

संवाददाता बिल्हौर

- सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे थे गंगा स्नान के लिये
- सावन के अंतिम दिन गंगा के तट पर रही जबरदस्त रौनक

अमृत विचार। सावन के अंतिम दिन भी गंगा में स्नान करने वालों की भारी भीड़ मौजूद रही। वहीं बिल्हौर तहसील के नानामऊ ,आंकिन ,अकबरपुर सेंग ,खेरेश्वर गंगा घाट पर भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और आस्था के साथ डुबकी लगाई। गंगा में स्नान करने के बाद सभी ने मां गंगा की पूजा अर्चना की और वहां पर मौजूद पंडों को दान देकर पुण्य कमाया।

सावन के महीने के अंतिम दिन का विशेष महत्व होता है। पूर्णिमा, जो सावन के अंतिम दिन पड़ती है, इस धार्मिक उत्साह को और बढ़ा देती है। इस दिन भारी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे सभी लोग गंगा स्नान करने के लिये घाटों पर पहुंचे। गंगा स्नान करने के बाद सभी ने गंगा की पूजा करने के बाद पंडों को दान दक्षिणा दी। इसके चलते घाटों पर जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। हालाकिं नानामऊ गंगा घाट पर भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के ज्यादा इंतजाम नहीं किये गये थे, जो कि चिंता का विषय है।

यहां पर प्रशासन को ऐसे महत्वपूर्ण धार्मिक अवसरों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि भक्तों की सुरक्षा और सुविधा बनी रहे।

सुबह से ही गंगा नदी में स्नान करने के लिए भक्त आने लगे थे। सावन के आंतिम दिन पूर्णिमा पर गंगा स्नान का खास महत्ल बताया गया है। बच्चे , युवा से लेकर बुजुर्गों ने गंगाल में स्नान कर पुण्य कमाया। रक्षा बंधन के दिन इस प्रकार से गंगा स्नान करने और अधिक महत्व हो जाता है।

गंगा में स्नान करते श्रद्धालु। अमृत विचार

धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

संवाददाता शिवराजपुर

अमृत विचार। भाई बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार पूरे क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। रक्षाबंधन त्योहार के चलते बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर भाइयों का मुंह मीठा कराया। वहीं भाइयों ने बहनों की रक्षा करने का संकल्प लिया ।

शनिवार को रक्षाबंधन के त्योहार पर सड़कों पर जबरदस्त चहल पहल देखी गई। त्योहार के चलते बाजारों में तरह-तरह की राखी की दुकानों से महिलाये व युवतियां राखियां खरीदती रहीं। वहीं सबसे ज्यादा भीड़ मिठाई की दुकानों में दिखाई दी। मिठाई की दुकानों से महिलाओं ने जमकर मिठाई की खरीदारी की। वहीं महिलाओं ने मंहगी राखी खरीदने में भी खूब रुचि दिखाई। वहीं कुछ महिलाएं सोने चांदी की दुकान से भी चांदी की राखियां भी खरीदती दिखाई पड़ीं । वहीं सरकार द्वारा चलाई जा रही फ्री बस सेवा का महिलाओं ने जमकर लाभ उठाया। सभी बसें खचाखच भरी हुई चल रही थीं। वहीं ई-रिक्शा एवं ऑटो वालों ने भी जमकर चांदी काटी और सवारियों से मनचाहा किराया वसूला। वहीं अत्यधिक भीड़ होने के चलते कस्बे में दिनभर जाम की स्थिति बनी रही।

भाई को राखी बांधती बहन।

रील बनाने में युवक बस की चपेट में आया, मौत

संवाददाता, चौबेपुर

- हाईवे पर बना रहा था रील तभी हुआ हादसा
- परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

अमृत विचार। रामा विश्वविद्यालय के सामने नेशनल हाईवे स्थित ब्रिज पर शनिवार शाम रील बनाने के दौरान अज्ञात बस ने युवक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद घबराए उसके साथी उसे घायल अवस्था में बाइक द्वारा उसके घर ले जा रहे थे, तभी रास्ते में बाइक फिसल गई और सभी लोग गिर गये। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने साथ रह युवकों से पूछताछ की।

क्षेत्र के गंभीरपुर गांव निवासी विशाल उर्फ बल्लू कटियार (25) गांव के ही अपने दो साथियों राज कमल व शिवा उर्फ छोटू के साथ बाइक द्वारा शनिवार शाम रामा यूनिवर्सिटी के सामने हाईवे स्थित ब्रिज पर घूमने गए थे। इस दौरान वह रील बनाने लगा तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात बस ने विशाल को टक्कर मार दी। दुर्घटना से घबराए उसके साथी गंभीर रूप से घायल विशाल को बाइक द्वारा उसके घर ले जा रहे थे। तभी पचोर पुलिया के निकट बाइक फिसल जाने से बाइक सवार गिर गए। इस दौरान ग्रामीणों ने युवक को खून से लथपथ देख मामले की सूचना थाना पुलिस को दी। पुलिस जब तक मौके पर पहुंची तबतक युवक की मौत हो चुकी थी। इस बीच जानकारी पाकर मृतक के पारिवार की कुछ महिलाएं भी मौके पर पहुंच गईं और पुलिस के समक्ष युवक की हत्या किए जाने का आरोप लगाया। पुलिस ने साथ रहे दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि रील बनाने के दौरान हादसे में युवक की मौत हुई है।

विशाल कटियार।

सुपरवाइजर से लूट में दो लुटेरे पुलिस के हत्थे चढ़े

संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार: उद्योग नगरी की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के सुपरवाइजर के साथ हुई लूट का पुलिस ने 48 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार करके लूटा हुआ मोबाइल नगदी के साथ लूट में प्रयुक्त बाइक बरामद की है।

थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि कस्बे के गुरगुज थोक का निवासी संजय कुमार फैक्ट्री एरिया में संचालित हिंदुस्तान युनिलीवर में बतौर सुपरवाइजर कार्यरत हैं। वह 7 अगस्त को रात करीब 8 बजे ड्यूटी कर बाइक से लौट रहा था। फैक्ट्री एरिया में बीम गोडाउन के पास दो बाइक सवार लुटेरों ने बाइक से गिराकर मोबाइल और 2900 रुपये लूटकर फरार हो गए थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि शनिवार की सुबह चंद्रपुरवा मोड़ के पास से मौदहा निवासी अरमान, अभिषेक को बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूटा गया मोबाइल और नकदी मिली है। अरमान 17 जुलाई को जेल से छूटकर आया है। इसको मौदहा पुलिस ने लूट की घटना में शामिल होने पर एनकाउंटर करके गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेजा है।

मवई गांव में चोरी का खुलासा, 3 गिरफ्तार

राठ। कोतवाल रामआसरे सरोज ने बताया कि मवई निवासी लालदास के घर से मंगलवार रात 11 बोरी गेहूं, एक बोरी चावल चोरी हुआ था। चेकिंग के दौरान बीएनवी कॉलेज के पास से तीन चोरों को नौ बोरी गेहूं, एक बोरी चावल, दो पैकेट गुटखा के साथ मवई के राजेन्द्र उर्फ रज्जू ढीमर, सुरेन्द्र राजपूत, नीरज नाई को पकड़ा गया।

जीटी रोड पर नहीं रुकी बसें ,महिलाएं हुई परेशान

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर कस्बे के बाहर से रोडवेज बसें गुजरने के कारण यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, विशेषकर महिलाओं को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रक्षाबंधन के मौके पर सरकार द्वारा महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की गई थी, लेकिन बिल्हौर में बस अड्डे की कमी के कारण यह सुविधा यहां की महिलाओं के लिए बेअसर साबित हुई।

ज्यादातर सरकारी बसें बिल्हौर कस्बे से बाहर ही हाईवे से गुजर गईं, जो कुछ कस्बे के अंदर आई तो उनके खड़े होने के लिए भी कोई पर्याप्त स्थान नहीं मिला। इसके चलते महिलाएं दौड़ दौड़ कर बस पकड़ती रहीं, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पिछले काफी समय से तहसील मुख्यालय पर बस अड्डे के लिए स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं लेकिन परिवहन विभाग की उदासीनता के चलते आज तक यह मांग, मांग ही बनी रही।

कानपुर महानगर में एक ओर करोड़ों रुपये ट्रांसपोर्ट के नाम पर मेट्रो और इलेक्ट्रिक बसों के लिए खर्च किए गए लेकिन ग्रामीण इलाकों के नाम अधिकारियों ने कोई कदम नहीं उठाए ।

बस अड्डे की कमी से लोगों को हो रही परेशानी: बिल्हौर में बस अड्डा न होने के कारण, यात्रियों को कस्बे से बाहर, मुख्य सड़क पर जाकर बसों का इंतजार करना पड़ता है।

यह सड़क काफी व्यस्त रहती है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। यात्रियों को बसें पकड़ने के लिए घंटों तक धूप या बारिश में खड़े रहना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को होती है, जिन्हें सुरक्षित स्थान न होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

रक्षाबंधन पर मुफ्त यात्रा का लाभ नहीं मिल सका: रक्षाबंधन के त्योहार पर सरकार ने महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी थी, ताकि वे आसानी से अपने भाइयों के घर जा सकें। लेकिन बिल्हौर में बस अड्डा न होने की वजह से कई महिलाएं इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पाईं। उन्हें लंबे इंतजार के बाद जो बसें मिलीं, उनमें अक्सर भीड़-भाड़ होती थी, जिससे यात्रा आरामदायक नहीं रही।

हाईवे पर खड़ी बसें और मौजूद सवारियां। अमृत विचार

> मामले की जानकारी हुई है विषय गंभीर है जन समस्या को प्राथमिकता पर रखते हुए जल्द ही विभाग को पत्र लिखा जाएगा ताकि लोगों को सहूलियत मिल सके ।
>
> संजीव दीक्षित (एसडीएम बिल्हौर)

स्थानीय लोगों की लंबे समय से मांग

- स्थानीय लोग लंबे समय से बिल्हौर में एक बस अड्डे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि बस अड्डा बन जाने से यात्रियों को न केवल सुरक्षित स्थान मिलेगा, बल्कि बसों का आवागमन भी व्यवस्थित हो जाएगा। इससे लोगों को घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा और सरकारी योजनाओं का लाभ भी सही ढंग से मिल पाएगा। प्रशासन को इस समस्या पर ध्यान देने और जल्द से जल्द इसका समाधान निकालने की जरूरत है।

गौआश्रय स्थल में गोवंश की मौत कई बीमार, वीडीओ निलंबित

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। शनिवार को विकासखंड शिवराजपुर अंतर्गत वृहद गौ आश्रय स्थल, कमालपुर (खोदन) में एक गोवंश की मौत हो गई । बीडीओ बलराम सिंह एवं पशु चिकित्सा अधिकारी अजय निरंजनको गौशाला की व्यवस्था संतोष जनक नहीं मिली। लापरवाही पर ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है।

शनिवार को गौ आश्रय स्थल में 361 गोवंश संरक्षित पाए गए जिनमें चार बीमार गोवंश का उपचार होते मिला। एक गोवंश की मौत हो गई जिसका नियमानुसार शव निस्तारण कराया गया। गौशाला के अपर्याप्त प्रबंधन एवं शासकीय दायित्वों में लापरवाही के लिए ग्राम विकास अधिकारी राकेश झा को निलंबित कर विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। परिसर में हाल की वर्षा से कीचड़ की स्थिति बनी हुई थी तथा साफ-सफाई असंतोषजनक पाई गई जिसपर खंड विकास अधिकारी ने मौके पर ही सफाई कार्य कराने के साथ ही सभी गोवंशों का टीकाकरण सुनिश्चित कराया।

गौशाला का निरीक्षण करते अधिकारी। अमृत विचार

पूर्व सीएम ने काफिले की एंबुलेंस से घायलों को भेजा

संवाददाता सैफई इटावा

अमृत विचार। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सड़क पर खून से लथपथ पड़े पति पत्नी व उनकी बेटी को देखा तो काफिले की एंबुलेंस से उनको अस्पताल भिजवाया। ये वाक्या शनिवार की दोपहर बाद अखिलेश के सैफई से इटावा जाते समय छिमारा में हुआ।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार की दोपहर बाद 2 बजे सैफई से इटावा में अपने चाचा राजपाल यादव के घर के लिये निकले थे। उनका काफिला इटावा. मैनपुरी हाईवे के छिमारा के पास पहुंचा था कि तभी उन्होंने सड़क के किनारे तीन लोगों पति पत्नी व उनकी बेटी को घायलावस्था में देखा। उन्होंने तत्काल काफिला रुकवाया और उनको खून से लथपथ देखकर अपने काफिले की एंबुलेंस से सैफई मेडिकल कालेज भेजा। तीनों मोपेड पर सवार होकर इटावा की ओर आ रहे थे, तभी पीछे से आई एक कार ने मोपेड में टक्कर मार दी। पुलिस ने कार व ड्राइवर को पकड़ लिया है। हादसे में घायल हुये दीपचंद अपनी पत्नी सुनीता व 16 साल की बेटी शिवानी के साथ अपने घर भरथना मंडी मोहल्ला से ससुराल जसवंतनगर के भैसान जा रहे थे। हादसे में शिकार होने के बाद तीनों का सैफई में इलाज किया जा रहा है।

बोलेरो की टक्कर से एक की मौत

संवाददाता, बिवांर/मुस्करा

अमृत विचार: रक्षाबंधन त्योहार का सामान खरीदने जा रहे तीन बाइक सवारों को बोलेरो ने टक्कर मार दी, जिसमें तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

थाना क्षेत्र के न्यूरिया गांव निवासी मंगल ने बताया कि उसका भाई कमल (22) पुत्र हरि सिंह अपने दोस्त कृष्ण (19) पुत्र बृजेंद्र प्रजापति और प्रदीप (25) पुत्र गोरेलाल के साथ बाइक से रक्षाबंधन के चलते इमिलिया गांव सामान खरीदने जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार बोलेरो ने उनको जोरदार टक्कर मार दी, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने कृष्ण को मृत घोषित कर दिया, जबकि कमल व प्रदीप की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए थे। वहीं इमरजेंसी ड्यूटी कर रहे डा.शिवजी गुप्ता ने बताया कि कृष्ण की मौत सीएचसी आने के पहले हो चुकी थी। कमल एवं प्रदीप की हालत नाजुक होने पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

बिवांर सीएचसी में भर्ती घायल और परिवार के लोग। अमृत विचार

पहल यहां पर भोजपुरी गानों की शूटिंग हो चुकी है, चार सेल्फी प्वाइंट्स बनाये गये हैं

मॉडल अमृत सरोवर बना प्रमुख पर्यटन स्थल

संवाददाता बिधनू

अमृत विचार। कानपुर जिले के विकास खंड बिधनू के मझावन गांव में स्थित मॉडल अमृत सरोवर अब एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनता जा रहा है। उत्तर प्रदेश के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में शामिल इस सरोवर में मौजूद सुविधाएं और प्राकृतिक सौंदर्य दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। लोग यहां घूमने टहलने और पिकनिक मनाने पहुंच रहे हैं।

विकास खंड बिधनू के मझावन गांव में स्थित मॉडल अमृत सरोवर में खुली हवा, शांत वातावरण और उच्च गुणवत्तायुक्त प्रकाश की व्यवस्था की गई है। यहां पर टहलने के लिए पाथवे, स्विमिंग पूल, बच्चों के लिए झूला, और चार सेल्फी प्वाइंट्स बनाये गये हैं। यहां पर तमाम बेंच की व्यवस्था भी की गई है ताकि लोग आराम से बैठ सकें और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकें। शाम के समय, सरोवर का नजारा एक शहर के पार्क जैसा प्रतीत होता है। ग्राम प्रधान उषा देवी ने बताया ब्लॉक परिसर में यह एक ऐसा तालाब है, जिसमें लोग शाम के समय घूमने आते हैं। सचिव अनिल शर्मा ने बतायाअमृत सरोवर पर आने वाले पर्यटक रील बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि यहां पर दो बार भोजपुरी गानों की शूटिंग भी यहां की जा चुकी है।

पर्यटन के रूप में विकसित हुआ सरोवर। अमृत विचार

बेटे की तेरहवीं के लिए पूर्व सांसद अशोक चंदेल को 4 दिन की पैरोल

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- 10 से 13 अगस्त तक परिवार के साथ रहेंगे पूर्व सांसद चंदेल
- कानपुर में 11 अगस्त को तेरहवीं संस्कार, हाईकोर्ट से पैरोल

अमृत विचार: सामूहिक हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व सांसद अशोक सिंह चंदेल को बड़े पुत्र अजय राज सिंह चंदेल की तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने के लिए न्यायालय से फिर चार दिन की पैरोल की मंजूरी मिली है। पूर्व सांसद रविवार से 13 अगस्त तक घर में परिवार के साथ रहेंगे और बड़े बेटे की तेरहवीं संस्कार में शामिल होकर शोक व्यक्त करेंगे।

सजायाफ्ता अशोक सिंह चंदेल एक बार के सांसद और चार बार के विधायक रहे हैं। 26 जनवरी 1997 को जिला मुख्यालय में हुए सनसनीखेज सामूहिक हत्याकांड में वह निचली अदालत से बरी हो गए थे, लेकिन बाद में मामला इलाहाबाद उच्च न्यायालय पहुंचने पर वर्ष 2019 में उन्हें हाईकोर्ट से आजीवन कारावास की सजा हुई थी। तब से अशोक सिंह चंदेल आगरा की सेंट्रल जेल में निरुद्ध हैं। अशोक चंदेल के दो पुत्रों में बड़े पुत्र अजयराज सिंह चंदेल (40) किडनी की बीमारी से ग्रसित थे, जिनका इलाज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में चल रहा था। 28 जुलाई की रात अजयराज की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई थी। जिलाधिकारी घनश्याम मीना की ओर से 72 घंटे की पैरोल की मंजूरी देने के बाद पर पूर्व सांसद अशोक सिंह चंदेल अपने बड़े पुत्र अजयराज के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे।

पूर्व सांसद के परिजनों ने तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उच्च न्यायालय में पैरोल की अपील की थी। शनिवार को उच्च न्यायालय ने अपील स्वीकार कर पूर्व सांसद अशोक सिंह चंदेल को 10 से 13 अगस्त तक चार दिन की पैरोल की मंजूरी दे दी है। रविवार को पूर्व सांसद अपने घर पहुंच जाएंगे।

अशोक सिंह चंदेल। (फाइल फोटो)

25 हजार का इनामी बदमाश हुआ गिरफ्तार

हमीरपुर। तीन जुलाई को टेढ़ा गांव में युवक को गोली मारने वाले 25 हजार के ईनामी आरोपी को पुलिस ने तमंचे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि 3 जुलाई को टेढ़ा गांव रिश्तेदारी में आए बांदा के कटरा निवासी आनंद सिंह ने महोबा के कबरई थाना क्षेत्र के गुगौरा निवासी अनिरुद्ध सिंह को तमंचे से गोली मार दी थी और फरार हो गया था। एसपी ने इसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार का ईनाम घोषित किया था। शनिवार को एसआई भानु प्रताप ने बांदा रोड पर टेढ़ा गांव के बरगदिया मोड़ के पास से गिरफ्तार करजेल भेजा है। घायल अनिरुद्ध सिंह के दादा रज्जन सिंह ने इसके खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया था।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, रविवार, 10 अगस्त 2025

सुविचार

केवल भूमि के किसी टुकड़े को तो राष्ट्र नहीं कहते। एक विचार, एक आचार, एक सभ्यता एवं एक परंपरा से जो लोग पुरातन काल से चले आ रहे हैं, उन्हीं लोगों से राष्ट्र बनता है।

- डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार

कानपुर के प्रमुख समाचार

- सड़कों पर टूट रही कमर. अफसरों-नेताओं पर नहीं असर- II
- तीन दिन बिजली ने रुलाया, सड़कों पर लोग- III
- भाई की कलाई पर राखी बांध लिया रक्षा का संकल्प- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

नौबस्ता बाईपास से गौशाला की ओर लगा जाम। अमृत विचार

हर 10 कदम पर जाम, त्योहार का मजा किरकिरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। टूटी सड़कों, पानी से भरे गड्ढे, जगह-जगह खुदाई से बाधा ने रक्षाबंधन का त्योहार फीका कर दिया। दोपहिया वाहनों से भाइयों के घर जाने के लिए निकलीं बहनें टूटी सड़कों पर झटके खा-खाकर बेहाल हो गईं। हर दो कदम पर गड्ढे और हर 10 कदम पर जाम मिला। जो सुबह जल्दी घरों से निकल गया वो राहत में रहा। बाकी जो लोग दोपहर 11 बजे के बाद निकले, वे जाम में जूझते रहे। दोपहर बाद से जाम का शुरू हुआ सिलसिला देर रात तक जारी रहा। हालात यह हुए कि उत्तर और दक्षिण इलाकों से आने-आने के लिए वाहन सवारों के पसीने छूट गए। गोविंदनगर, टाटमिल, बारादेवी, नौबस्ता, सचान चौराहा व बर्रा बाईपास में हजारों वाहन सवार फंसे रहे।

शहर में दोपहर बाद लगे जाम से परिवार संग सफर करने वालों का उत्साह ठंडा पड़ गया। शहर के दक्षिण इलाके खासतौर पर कर्रही रोड, नंदलाल चौराहा, चावला मार्केट, सीटीआई सहित अन्य इलाकों में जाम से वाहन सवार परेशान रहे।

इसी तरह मरियमपुर चौराहा, कोकाकोला चौराहा, गुमटी चौराहा, कल्याणपुर चौराहा पर वाहन जाम की वजह से रेंगते रहे। हालात यह हुए जाम से परेशान वाहन सवार खुद गाड़ी से उतर कर जाम को हटवाते नजर आए। इसी तरह आर्य नगर, स्वरूप नगर, वीआईपी रोड में भी जाम जैसी स्थिति बनी रही। देर रात तक शहर में जाम से छुटकारा मिल सका।

नौबस्ता से हमीरपुर रोड जाने वाली सड़क पर भी हजारो वाहन फंसे रहे। अमृत विचार

- टूटी सड़कों और जाम में फंसे लोग अफसरों को कोसते रहे
- दोपहर बाद से जाम का शुरू हुआ सिलसिला रात तक रहा

संसाधनों के अभाव में सैकड़ों लोग परेशान

- रक्षा बंधन में योगी सरकार ने भले ही बहनों के लिए बस सेवा फ्री कर रखी थी लेकिन सच्चाई ये है कि जितनी संख्या में सिटी बसों को बहनों की सुविधा के लिए निकलना था, उतनी बसें नहीं निकलीं। जिससे सैकड़ों लोग संसाधनों के अभाव में परेशान रहे जिसका पूरा लाभ ई रिक्शा, ऑटो, टेंपो ने उठाया और मनमाना किराया वसूला। शहर के लगभग हर इलाके में सवारी न मिलने की शिकायत रही। सड़कों के किनारे सैकड़ों लोग सवारी के लिए खड़े रहे।

सिटी ब्रीफ

छात्रों को वाईफाई सुविधा मिलेगी

कानपुर। आईटीआई पांडु नगर में प्रशिक्षण ले रहे छात्रों को जल्द ही फ्री वाईफाई सुविधा मिलने जा रही है। सुविधा के लिए संस्थान की ओर से प्रस्ताव निदेशालय भेज दिया गया है। संस्थान की ओर से बताया गया कि वाईफाई सुविधा मिलने के बाद संस्थान के युवा प्रशिक्षण संबंधी जानकारी अपने मोबाइल फोन पर ही हासिल कर सकेंगे।

बलराम पूर्णिमा उत्सव मनाया गया

कानपुर। इस्कॉन की ओर से शनिवार को बलराम का आविर्भाव दिवस बलराम पूर्णिमा का उत्सव मनाया गया। इस दौरान मंदिर में विशेष आयोजन हुए। मंगला आरती एवं दर्शन आरती में भक्तों द्वारा प्रभु बलराम का आह्वान किया गया। धार्मिक आयोजन में मंदिर को फूलों और लाइट से सजाया गया।

शहर में कहीं हुई बारिश तो कहीं सूखा

कानपुर। शहर में शनिवार को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार इस बारिश को पैची रेन बताया गया। सीएसए विवि के मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि शहर में स्वरूप नगर, तिलक नगर, कंपनी बाग, पांडु नगर सहित अन्य इलाकों में हल्की बारिश हुई। अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

आज होगा सम्मान

कानपुर। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की ओर से रविवार को व्यापारी सम्मान समारोह आयोजित होगा। रंगोली गेस्ट हाउस लाजपत नगर में होने वाले इस समारोह में शहर के सभी व्यापारी संगठन से जुड़े व्यापारियों को आमंत्रित किया गया है। इस सम्मेलन में 31 व्यापारियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा व्यापार संबंधी समस्याओं पर भी मंथन किया जाएगा।

सीसीटीवी में कैद फरार कैदी की हरकत, टिनशेड पर चढ़कर गंगा की तरफ से भागा

जेल से कैदी भागने में जेलर, डिप्टी जेलर सहित चार सस्पेंड किए गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दोस्त की हत्या के आरोप में जेल में बंद कैदी असरुद्दीन शुक्रवार रात त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा ध्वस्त कर फरार हो गया। गिनती के दौरान कैदी के फरार होने की खबर पर जेल अधिकारियों में हड़कंप मचा। सर्च अभियान चलाकर सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए तो वह टिन शेड पर चढ़ते नजर आया। डीजी जेल पीसी मीणा ने जेलर मनीष कुमार, डिप्टी जेलर रंजीत यादव, हेडवार्डन नवीन मिश्रा और वार्डन दिलशाद खान को सस्पेंड कर दिया है। डीजी जेल ने डीआईजी जेल प्रदीप गुप्ता को मामले की जांच पूरी कर एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है।

पुलिस दस्तावेज के अनुसार जाजमऊ के ताड़ बगिया के असरुद्दीन ने आठ जनवरी 2024 को अपनी पत्नी के अफेयर के शक में करीबी दोस्त इस्माइल की हत्या की थी। छह दिन बाद 14 जनवरी को पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी कर जेल भेजा था। मूलरूप से असम प्रदेश का रहने वाला असरुद्दीन तब से जेल में बंद था।

शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे कैदियों की गिनती के बाद वह मिसिंग मिला। इसकी सूचना पर जेल अधिकारी में हड़कंच मचा और सर्च अभियान चलाया गया। सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए तो वह टिन शेड पर चढ़ते नजर आया। इसके बाद कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। काफी तलाश के बाद जेल प्रशासन ने माना कि वह फरार हो गया है। पुलिस फोर्स जाजमऊ और असम में उसकी तलाश में गई है। जेल अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार रात दो बजे तक सर्च अभियान चला। जिला जेल के सभी सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। तभी मुलाहिजा बैरक के पास राशन गोदाम में बोरियों के पीछे छिपा असरुद्दीन निकलता दिखा। इसके बाद एक डिब्बे के सहारे टिन शेड पर चढ़ा। जांच में पता चला कि गोदाम की छत पर पहुंचने के बाद वह कुछ समय दीवार की आड़ में छिपा। इसके बाद जेलर ऑफिस की छत फांदकर बाहरी दीवार तक पहुंचा। उसके बाद दीवार के सहारे गंगा नदी की ओर कूदकर फरार हो गया।

असरुद्दीन।

- राशन गोदाम की तरफ अंधेरे में छिपा रहा, चाहरदीवारी के तारों के बीच जगह बनाकर कूदा
- डीजी जेल ने की निलंबन की कार्रवाई, डीआईजी जेल को सौंपी गई मामले की जांच

कई दिन से रेकी में जुटा था असरुद्दीन

- त्रिस्तीय सुरक्षा वाली जिला जेल से भागने के लिए हत्यारोपी असरुद्दीन कई दिन से रेकी कर रहा था। जेल सूत्रों के अनुसार बंदी रक्षकों का कहना है कि असरुद्दीन पांच-छह दिन से मुलाहिजा बैरक, मिलाई वाले स्थान और गोदाम के आसपास टहलता रहता था। अंदेशा जताया जा रहा है कि कई दिन पहले वह भागने की योजना बना चुका था, इसलिए टहलकर रेकी कर रहा था। फरार कैदी को दबोचने के लिए बस अड्डा, रेलवे स्टेशन के साथ ताड़ बगिया में तलाश चालू है। एक टीम को असम उसके पैतृक गांव भेजा गया है।

त्रिस्तरीय सुरक्षा पर सवाल, बंद हैं कुख्यात

- जिला जेल को त्रिस्तरीय सुरक्षा का दर्जा मिला है। यह इसलिए भी क्योंकि जेल में अनेक कुख्यात बंद हैं। मौजूदा समय में चर्चित अधिवक्ता अखिलेश दुबे के साथ अपराधी शाहिद पिच्चा, यूसुफ चटनी, सनी मौरंग, जीशान मौरंग आदि कुख्यात जेल में बंद हैं। इन पर निगरानी के लिए जेल अधीक्षक के साथ दो जेलर, दर्जनों बंदी रक्षक व भारी फोर्स रहता है। फिर भी हत्यारोपी असरुद्दीन जेल सुरक्षा के बीच भागने में कामयाब रहा।

कई जगह चूक

- कैदियों की गिनती करीब साढ़े सात बजे हुई। इसी के बाद सर्च अभियान चला। इस बीच असरुद्दीन बैरक में जाने के बजाय राशन गोदाम के टिन शेड के नीचे बोरियों के बीच छिपा रहा। फिर टिन-शेड के पास बीस लीटर का डिब्बा लगाकर चढ़ा और जेलर ऑफिस की छत पर दीवार की आड़ में छिपा। सवाल यह है कि कैदी के फरार होने पर मुलाहिजा बैरक की तरफ क्यों नजर नहीं गई। अंधेरों में क्यों नहीं देखा गया। सीसीटीवी पर निगरानी करने वाली टीम ने क्या देखा।

पनकी में छात्र का अपहरण कर मांगे पांच लाख, छह गिरफ्तार

हिमांशु।

शैलेंद्र।

प्रांजुल।

निर्मल।

कल्याणपुर संवाददाता

अमृत विचार। पनकी में खुद को एसटीएफ कर्मी बताने वाले शातिर युवकों ने विधि छात्र को बोलेरो से अगवा कर पांच लाख रुपयों की मांग की। किसी तरह अपहर्ताओं के चंगुल से छूटे छात्र ने जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने सीसी कैमरों की मदद से छह आरोपितों को धर दबोचा। चार आरोपित अभी फरार हैं। पुलिस के अनुसार विधि छात्र के एक दोस्त के साथी ने यह सारी साजिश रची थी।

पनकी एफ ब्लाक निवासी अधिवक्ता बृजेंद्र सिंह का बेटा अक्षज कानपुर विश्वविधालय से बीए एलएलबी प्रथम वर्ष का छात्र है। अक्षज के मुताबिक गुरुवार शाम वह पार्क से टहलकर अपने साथी निर्मल के साथ घर लौट रहा था। तभी रास्ते में बोलेरो सवार चार युवकों ने निर्मल को धक्का देकर उसे गांड़ी के अंदर खींचकर तमंचा लगाकर बंधक बना लिया। आरोप है कि युवक खुद को एसटीएफ कर्मी बता उससे पांच लाख रुपयों की मांग करने लगे। विरोध करने पर उसे पीटना शुरु कर दिया। किसी तरह छूटकर पनकी थाने पहुंचे अक्षज ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शनिवार को छह युवकों को धर दबोचा। पकड़े गए युवकों ने अपनी पहचान महोबा कबरई निवासी शैलेन्द्र सिंह उर्फ शीलू, गंगागंज गांव के सागर दिवाकर, सुन्दर नगर निवासी निर्मल बाथम, डूडा कालोनी गंगागंज निवासी हर्षित सिंह, हिमांशू व एफ ब्लाक निवासी प्रान्जुल गौतम बताई है।

हर्षित।

- बुलेरो सवार युवकों ने खुद को एसटीएफ बताकर की वारदात
- चार आरोपी अभी फरार

दोस्त निर्मल के साथी ने बनाई थी योजना

अक्षज की पड़ोस में रहने वाले निर्मल से दोस्ती थी। अक्षज रोज निर्मल के साथ घर के पास स्थित पार्क में टहलने जाता था। हाल ही में अक्षज के पिता ने पढ़ाई व खर्चे के लिए उसके खाते में पांच लाख रुपए भेजे थे। जिसकी जानकारी निर्मल को हो गई थी। निर्मल ने जब इसे अपने साथी महोबा निवासी भानू चौहान से साझा किया तो भानू ने शैलेन्द्र, सागर, हर्षित, हिमांशु व प्रांजुल समेत दस लोगों के साथ मिलकर घटना की योजना बनाई थी। घटना का मास्टरमांइड भानू, सागर दिवाकर व हिमांशू सुंदर नगर में एक किशोर से उसी के घर में लाखों की चोरी कराने के मामले में पहले भी जेल जा चुके हैं। उनके फरार साथियों की तलाश की जा रही है।

ट्रक ने हमीरपुर हाईवे पर मवेशियों के चक्कर में युवक की जान ले ली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नौबस्ता हमीरपुर हाईवे पर मवेशियों को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। सामने से जोरदार टक्कर लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत की खबर पर परिजनों में कोहराम मच गया। नवंबर में महोबा की रहने वाली युवती से उसकी शादी होनी थी। घर में विवाह की तैयारियां शुरू थीं।

अमित।

बिधनू के अटवा मिर्जापुर निवासी 30 वर्षीय अमित कुमार पतारा में पीडब्ल्यूडी में ठेकेदार भाई राज के साथ रहता था। अमिता का मंझला भाई सुधीर हरियाणा के हांसी में प्राइवेट नौकरी करता है, जबकि उसकी मां मीरा देवी और पिता कैलाश गांव में रहते हैं। राज के अनुसार शुक्रवार दोपहर तीन बजे अमित माता-पिता और दोस्तों से मिलने गांव गया था। देर रात 11 बजे तब जब वह नहीं लौटा तो उसे फोन किया। इस पर उसने बताया कि कुछ देर में आ रहा हूं। इसके बाद वह इंतजार करने लगे। एक घंटे बाद रात 12 बजे बिधनू पुलिस ने उसे फोन कर हादसे की सूचना दी। बताया कि अमित की हादसे में मौत हो गई है। घटना की जानकारी होने पर रोते-बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार हाईवे पर स्थित हड़हा पेट्रोल पंप के पास मवेशी लड़ रह थे। इसी बीच घाटमपुर की ओर से तेज रफ्तार ट्रक आया। मवेशियों को बचाने के चक्कर में चालक ने ट्रक लहराकर निकाला, इसी बीच सामने आ रहे बाइक सवार अमित को सीधी टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर लगने से बाइक सवार वाहन समेत डिवाइडर से जा टकराया। गंभीर चोट आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भाई राज के अनुसार अमित की ढाई साल पहले नैनीताल में फायर ब्रिगेड में तैनाती हुई थी। लेकिन घर से काफी दूर होने के कारण अमित ने नौकरी नहीं ज्वाइन किया था। माता-पिता यह कहकर फफक पड़े अगर बेटा चला जाता तो इस हादसे से बच जाता।

हाईवे पर घूमते रहते हैं छुट्टा जानवर।

- नौबस्ता-हमीरपुर हाईवे पर शुक्रवार देर रात हुआ हादसा घाटमपुर से आ रहा था ट्रक
- नवंबर माह में होनी थी युवक की शादी, तैयारियों के बीच परिजनों में मची चीख-पुकार

हाईवे पर लगता मवेशियों का जमावड़ा

- हड़हा पेट्रोल पंप के आसपास के ग्रामीणों के अनुसार हाईवे पर मवेशियों का रातभर जमावड़ा रहता है। इस दिनों बारिश का मौसम होने के कारण मवेशियों की संख्या बढ़कर दोगुनी हो गई है। कारण बारिश बंद होते ही सड़क सूख जाती है और मवेशी पूरी रात हाईवे पर पड़े रहते हैं। अचानक मवेशी सामने आ जाने से बाइक सवार गिरकर जख्मी हो जाते हैं। कई बार भारी वाहनों से मवेशी भी घायल होते हैं। इसके बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

40 फुट ऊंची मौत की छलांग

स्थान	गुप्तार घाट गंगा नदी
समय	सुबह 10 बजे
दो किशोर (10 वर्षीय)	शिवराज और राजवीर

गंगा नदी से 40 फुट ऊंचाई पर 10 वर्षीय किशोर कर रहे खतरनाक मौत का खेल। शनिवार को गुप्तार घाट पर बने गुम्बद के शिखर पर चढ़ कर शिवराज और राजवीर 40 फुट की ऊंचाई से गंगा नदी में छलांग लगाकर स्टंट कर रहे थे। इस समय गंगा उफनाई हुई है। घाट पर सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे लेकिन खतरनाक मौत की छलांग लगा रहे इन किशोरों को किसी ने नही रोका जबकि गंगा नदी में नाव चला रहे नाविक भी दिखाई दे रहे हैं।

● मनोज तिवारी

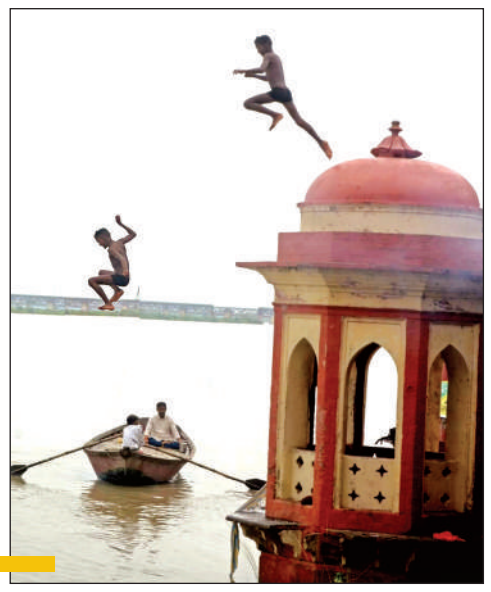

विकास की राह

15 अगस्त के बाद टेंडर फाइनल होने की उम्मीद

शुक्लागंज नए पुल निर्माण के लिए मिले 83.33 करोड़

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शुक्लागंज पुराने पुल के समानांतर नए पुल के निर्माण के लिए शासन ने पहली किस्त में 83.33 करोड़ रुपये जारी किए हैं। टेक्नीकल बिड में सात फर्मों ने टेंडर डाले हैं। इन सभी सात कंपनियों के प्रपत्रों को जांच के बाद मुख्यालय भेजा गया है। 15 अगस्त के बाद टेंडर फाइनल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

कानपुर को शुक्लागंज व उन्नाव से जोड़ने वाला 150 साल पुराना शुक्लागंज पुल का एक स्पैन 26 नवंबर को गिरने के बाद गंगा नदी में समा गया था। उसे अभी गंगा से निकाला नहीं जा सका है। यह पुल बंद होने के बाद लोग गोलाघाट स्थित नए शुक्लागंज पुल से आवागमन करने को मजबूर हैं, जिसकी वजह से प्रतिदिन हजारों लोग इस पुल पर जाम में फंसते हैं। इसलिए पुराने शुक्लागंज पुल के पास एक नए पुल का निर्माण होना है। शासन ने नए पुल के लिए निर्माण के संबंध में सेतु निगम को पहली किस्त के रूप में 83.33 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं।

सेतु निगम के एक अधिकारी के मुताबिक पुल के निर्माण के संबंध में टेक्नीकल बिड के लिए सात फर्मों ने टेंडर डाले हैं। फर्मों के प्रपत्रों की जांच करके मुख्यालय भेज दिया गया है। उम्मीद है कि 15 अगस्त के बाद टेंडर फाइनल हो सकेगा। उन्होंने बताया कि वित्तीय बिड की प्रक्रिया सितंबर माह में पूरी की जाएगी।

शुक्लागंज पुराने पुल का एक हिस्सा गंगा में गिर चुका है। अमृत विचार

235 करोड़ रुपये से बनेगा फोरलेन पुल

- शुक्लागंज पुराने पुल से 50 मीटर की दूरी पर नए पुल का निर्माण किया जाएगा, जो चार लेन का होगा। इसकी कुल लागत 235 करोड़ रुपये है। पुल निर्माण के लिए सेतु निगम के अधिकारियों ने सर्वे कर लिया है। पुल बनने से करीब एक लाख लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

सिटी ब्रीफ

लोहिया सभागार का उद्घाटन आज

कानपुर। परेड स्थित आईएमए में रविवार को नवनिर्मित जितेंद्र कुमार लोहिया सभागार उद्घाटन कार्यक्रम होगा। आईएमए अध्यक्ष डॉ. नंदिनी रस्तोगी ने बताया कि यह सभागार आईएमए कानपुर की वर्षों पुरानी आवश्यकता की पूर्ति है। बिल्डिंग कमेटी के कन्वेनर डॉ.एसके मिश्रा, चेयरमैन डॉ. वीसी रस्तोगी ने बताया कि उद्घाटन समारोह में आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिलीप भानुशाली मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार व लोहिया कॉर्प लिमिटेड के चेयरमैन व एमडी राज कुमार लोहिया होंगे।

विजिलेंस टीम ने पकड़ी बिजली चोरी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने बिजली चोरी रोको अभियान के तहत चीनापार्क सबस्टेशन के अंतर्गत चेंकिग की। टीम के मुताबिक छह परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी गई है। इनमे सोहन लाल का हाता के फखरे आलम, अजमत अली, दलेल पुरवा में अली अहमद, हालसी रोड बैंक ऑफ बडौदा के पास विशाल शर्मा, नौबस्ता के कमल किशोर और फहीमाबाद के सगीर अहमद बिजली चोरी करते पकड़े गए। टीम ने इन छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। वहीं, क्षेत्र में विद्युत चोरी नहीं करने के लिए लोगों को जागरूक भी किया।

चोरी की बाइक समेत आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। जाजमऊ पुलिस ने चोरी की बाइक समेत आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि बीती गुरुवार की रात को केडीए कॉलोनी निवासी असलम परवेज की बाइक गज्जूपुरवा स्थित उनके कारखाने के बाहर से चोरी हो गई थी। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपी को अकील कंपाउंड के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम छबीलेपुरवा निवासी दीपक कुमार बताया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की बाइक बरामद की है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को जेल भेजा गया है।

नौकरानी पर जेवर चोरी की रिपोर्ट

कानपुर। अधिवक्ता के पिता ने नौकरानी पर जेवर चोरी का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुजैनी पुलिस मामले की जांच कर रही है। बर्रा आठ के डी-ब्लाक निवासी सर्वेश तिवारी ने बताया कि परिवार में उनका अधिवक्ता बेटा वैभव और पत्नी हैं। 27 जुलाई की सुबह वह और बेटा काम पर गए थे। घर में पत्नी और जरौली फेस-टू की नौकरानी विनीता थी। जो कानपुर देहात के बरौर की रहने वाली है। कुछ देर बाद पत्नी पूजा करने चली गईं। इसी बीच खाली घर पाकर नौकरानी ने अलमारी का लॉकर खोलकर सोने के हार, झुमके, चैन, लाकेट, अंगुठी, सूई धागा और टाप्स पार कर लिया। अलमारी बंद कर दी। अगले दिन रुद्राभिषेक के लिए पत्नी ने जेवर निकालने के लिए लॉकर खोला तो उसमें खाली डिब्बे मिले। उन्होंने नौकरानी पर शक जताते हुए पुलिस से शिकायत की। गुजैनी थाना प्रभारी अमरनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि नौकरानी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सड़कों पर टूट रही जनता की कमर, अफसर-नेताओं पर नहीं कोई असर

कानपुर। कानपुर स्मार्ट सिटी की सड़कों का ये हाल है कि लोगों को कमर दर्द हो रहा है। हर दो कदम पर गड्ढे हैं जिनसे निकलते वक्त इतनी जोर का धचका लगता है कि कमर टेढ़ी हो जा रही है। सड़कों पर न सिर्फ बड़े और गहरे गड्ढे हैं, इनके साथ ही सड़क पर काफी मात्रा में बजरी तक फैली हुई है। न नगर निगम इस ओर ध्यान दे रहा है और न ही लोक निर्माण विभाग। प्रतिदिन लाखों वाहन सवार लोगों को गड्ढे युक्त सड़कों से तकलीफों से गुजरना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधि भी सड़कों की मरम्मत के लिए कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बर्रा बाईपास के पास खराब सड़क पर चौपहिया वाहन भी फंस जाते हैं। अमृत विचार

कर्रही रोड भारत गैस एजेंसी के पास सड़क खेत जैसी हो गई। अमृत विचार

बर्रा बाईपास हो गया नर्क का द्वार

- बर्रा बाईपास के नीचे सड़क की काफी दुर्दशा है, इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन सवार लोगों को पहले नाले के पानी से होकर गुजरना पड़ता है। इसके बाद गड्ढे और बजरी युक्त सड़क को हिचकोले खाते हुए पार करना पड़ रहा है। यह सड़क दोनों साइड काफी खराब है, जिसकी वजह से कई बार ई-रिक्शा व ऑटो सवार गिरने से बचते हैं। बाइक व स्कूटी गड्ढे में डूब सी जाती हैं। वहीं, पास में एक मेनहोल भी खुला है। बचाव के लिए आसपास के लोगों ने उसमे डंडा लगा दिया है, ताकि कोई हादसा न हो सके।

भारत गैस एजेंसी के पास पलटने से बचते वाहन

- कर्रही रोड स्थित भारत गैस एजेंसी के पास सड़क काफी दूर तक गायब है, यहां सिर्फ गड्ढे मिट्टी और गिट्टी ही गिट्टी दिखती है। ऐसे में यहां से गुजरने वाले दोपहिया वाहनों के अलावा ई-रिक्शा और ऑटो सवार कई बार पलटने से बचते हैं। कई राहगीर चुटहिल हो चुके हैं। इस मार्ग में सब्जी मंडी भी लगती है और कपड़ों आदि की मार्केट भी है। ऐसे में लोगों को और अधिक आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार तो बाइक व स्कूटी सवार गड्ढे व गिट्टी युक्त मार्ग में फंसने के बाद गिरकर चुटहिल तक हो जाते हैं।

जूही डिपो वाली सड़क पर गड्ढा और फैली बजरी। अमृत विचार

जूही डिपो वाली सड़क भी है दुर्दशा का शिकार

- जूही डिपो वाली सड़क भी वर्तमान में दुर्दशा का शिकार है। इस मार्ग पर जगह-जगह गड्ढें है और बजरी भी फैली हुई है। इसके अलावा कुछ जगहों पर कूड़े के ढेर भी लगे रहते हैं। इस वजह से वाहन सवार लोगों को इस मार्ग से गुजरने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बारिश में यह मार्ग पूरी तरह जलमगन होने की वजह से वाहन सवार लोगों को और अधिक तकलीफ होती है।

मार्बल मार्केट में सड़क पर फैली बजरी बन रही हादसे का कारण

मार्बल मार्केट में खतरनाक बजरी

- किदवई नगर मार्बल मार्केट वाली रोड से प्रतिदिन हजारों की तदाद में वाहन गुजरते हैं। इस मार्ग पर जगह-जगह सड़क उखड़ जाने के कारण काफी बजरी फैली है, कुछ जगहों पर गड्ढे भी हो गए हैं। बजरी पर रोज वाहन फिसलकर गिरते हैं। इस मार्ग से न सिर्फ जनप्रतिनिधि और अधिकारी गुजरते हैं, बल्कि महापौर भी इस मार्ग से गुजरती हैं। कोई भी मार्ग मरम्मत कराने की सुध नहीं ले रहा है और न ही फैली बजरी को उठाने की कवायद के बारे में सोच रहा है। बजरी हादसे का कारण बनी है।

अखिलेश दुबे ने मुंह में रिवाल्वर डाल कर मांगी थी 20 लाख की रंगदारी

चार दिन में अखिलेश के खिलाफ चौथी रिपोर्ट दर्ज की गई, एक पत्रकार भी शामिल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रंगदारी मांगने और जान की धमकी देने में गिरफ्तार अधिवक्ता अखिलेश दुबे व उनके सहयोगियों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। चार दिन में अखिलेश दुबे के खिलाफ चौथी रिपोर्ट दर्ज हुई। शनिवार को किदवईनगर थाने में झूठे आरोप में फंसाकर वसूली, बंधक बनाकर मारपीट, रुपये छीनने व जान से मारने की धमकी में रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार इसमें कथित पत्रकार, अधिवक्ता समेत सात के नाम शामिल हैं।

नौबस्ता के आवास विकास हंसपुरम में रहने वाले शैलेंद्र कुमार ने बताया कि वह एक संस्था में महामंत्री हैं। भूमाफिया व अधिकारियों की मिलीभगत से साकेतनगर डब्ल्यू ब्लाक स्थित पार्क में अवैध निर्माण कराकर किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस चलाए जाने की शिकायत उन्होंने 20 अप्रैल 2015 को तत्कालीन नगर आयुक्त से की थी। अफसरों को शिकायती पत्र भी भेजा था। इस पर अखिलेश दुबे उससे रंजिश रखने लगा। आरोप है कि 12 मई को सुबह एक कथित पत्रकार विपिन गुप्ता का उनके पास फोन आया और कहा कि वह साक्षात्कार लेना चाहते हैं। विपिन उन्हें बुलाकर साकेतनगर दीप सिनेमा के सामने स्थित कार्यालय में ले गया, जहां चार-पांच लोग पहले से मौजूद थे। जिसमें अखिलेश दुबे, बर्रा मल्लिकपुरम का अधिवक्ता पंकज दीक्षित, स्वरूपनगर स्थित अपार्टमेंट में रहने वाले अनुज मिश्रा समेत दो-तीन अन्य थे। वहां इन लोगों ने उससे मारपीट की और जमीन पर गिरा दिया। अखिलेश दुबे ने उनके मुंह में रिवाल्वर डाल दी और गाली-गलौज कर कहा कि बहुत शिकायत करता है। तेरी शिकायत में मेरे 20 लाख बर्बाद हो गए हैं। अब 20 लाख दे, नहीं तो जान से जाएगा। मारपीट के दौरान ही पंकज दीक्षित व अखिलेश दुबे ने 10 हजार रुपये छीन लिए। डरा होने के कारण वह माफी मांगकर भाग निकला। उसके बाद अखिलेश ने जून माह से 20 लाख की मांग शुरू की। रुपये न देने पर एक सितंबर को कल्याणपुर थाने में मारपीट कर धमकाने व एससी-एसटी की धाराओं में पहली रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद आठ अक्टूबर को चकेरी में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, सेवन सीएलए समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई। फिर फजलगंज में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने में उनका नाम शामिल हुआ। शैलेंद्र के अनुसार जबकि उनका किसी मामले से दूर-दूर तक नाता नहीं है। चौथा मुकदमा बाबूपुरवा में वसूली और धोखाधड़ी का दर्ज हुआ। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि एसआईटी की जांच के आधार पर अखिलेश दुबे और उसके सहयोगियों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। अखिलेश दुबे जेल में है, अन्य की गिरफ्तारी की जाएगी।

अखिलेश दुबे।

- **अवैध निर्माण कराकर किशोरी वाटिका गेस्ट हाउस चलाए जाने की शिकायत पर धमकाया था**

अखिलेश के परिजनों की तैयार हो रही सूची

- पुलिस टीम अखिलेश दुबे के परिजनों की सूची तैयारी करने में जुटी है। परिवार में कितने सदस्य हैं। बेटा व बेटी कौन हैं। उनकी शादी कहां हुई, पत्नी या पति कौन है। बच्चे कितने हैं, उनके नाम क्या हैं। पुलिस टीम परिजनों से मिलकर अखिलेश से रिश्ता क्या है, सहित सभी के नाम रजिस्टर पर दर्ज कर रही है। यह भी देखा जा रहा है कि किसी पर कोई आरोप या उसके खिलाफ शिकायत तो नहीं है।

कोतवाली में भी हुई एफआईआर

- **कानपुर।** कोतवाली में एक अधिवक्ता ने अखिलेश दुबे के विरुद्ध कोर्ट के आदेश पर रंगदारी का मामला दर्ज कराया है। अखिलेश के साथ पिंटू सेंगर हत्याकांड में शामिल पप्पू स्मार्ट, फिरोज, आमिर, बिच्छू, मनीष यादव, अमिता यादव, हर्षित लाला व अन्य को आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा कल्याणपुर में भी पत्रकारों और वसूलीबाजों पर रिपोर्ट हुई है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

मोहम्मद अली पार्क चमनगंज में क्रांति दिवस मनाया गया। अमृत विचार

चमनगंज में मनाया गया भाईचारा क्रांति दिवस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चमनगंज स्थित मोहम्मद अली पार्क में एमएमए जौहर फैन्स एसोसिएशन के द्वारा भाईचारा क्रांति दिवस मनाया गया और एक शाम वतन के नाम सप्ताह की शुरुआत की गई। जिसमें हिन्दुस्तान जिंदाबाद, नफरत छोड़ो-भारत जोड़ो, इंकलाब जिंदाबाद, एकता का राज चलेगा, हिन्दु मुस्लिम साथ चलेगा, क्रांति वीर अमर रहें आदि नारे लगाए गये। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी, कार्यक्रम संयोजक मोहम्मद ईशान ने बताया कि एक शाम वतन के नाम सप्ताह की शनिवार को शुरुआत की गई जो 15 अगस्त तक मनाया जाएगा। क्रांतिकारियों के विषय में वाद विवाद प्रतियोगिता होगी। फिरोज अंसारी बाबी, इमरान शानू, मोहम्मद तौफीक, आदिल कुरैशी, हबीब उल्लाह , जुम्मू खान , इकबाल, फरहान कुरैशी, जावेद मोहम्मद खान, अफज़ल खान,रईस अंसारी, शहनवाज़ अन्सारी, मोहम्मद मोबीन, मोनिस आदि मौजूद रहे।

प्रेमिका के प्रेमी ने की थी सुमित की हत्या तीन गए जेल

कल्याणपुर। रावतपुर में हुई सुमित की हत्या के मामले में पुलिस ने युवती को उसके प्रेमी व पिता के साथ गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया। प्रेमी ने युवती के अश्लील वीडियो वायरल हो जाने की आशंका के चलते युवती के ही जरिए सुमित को तालाब के पास बुलवा उसके सिर में ईंट मारने के बाद गला दबाकर हत्या कर दी थी।

मसवानपुर फर्रा मस्जिद पुरानी बस्ती निवासी सुमित का शव बुधवार को उसके घर के पास स्थित तालाब के कीचड़ में दबा मिला था। सुमित की हत्या उसकी पूर्व प्रेमिका के प्रेमी आदर्श नगर निवासी शिवा जायसवाल ने उसके ही इशारे पर की थी। पुलिस ने युवती उसके प्रेमी शिवा व पिता को गिरफ्तार कर लिया। युवती ने बताया कि पूर्व प्रेमी सुमित उसकी अश्लील फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल कर रहा था। उसने अपने वर्तमान प्रेमी शिवा के साथ मिलकर सुमित की हत्या की योजना बनाई थी। युवती के पिता ने सुमित के घर पहुंच कर उसके परिजनों के साथ मारपीट करते हुए मोबाइल छीन लिए थे।

अवनीश पर गुंडाएक्ट की कार्रवाई, जिलाबदर होगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नजूल की एक हजार करोड़ की जमीन कब्जाने के प्रयास के बाद पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष अवनीश दीक्षित की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। 21 मुकदमों में जमानत पर जेल से बाहर आए अवनीश को अभी राहत नहीं मिलने वाली। गैंग घोषित व गैंगस्टर की कार्रवाई के बाद किदवईनगर पुलिस ने अब अवनीश पर गुंडाएक्ट की कार्रवाई की है। जल्द ही जिलाबदर की भी कार्रवाई होगी। कोतवाली पुलिस ने इंटररेंज गैंग पंजीकृत कर अवनीश व उसके 26 सहयोगियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की थी।

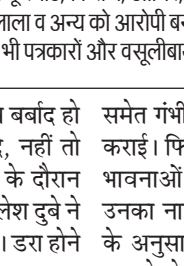

सिविल लाइन स्थित मैरी एंड मैरीमेन स्कूल की एक हजार करोड़ की जमीन पर कब्जे के प्रयास में 28 जुलाई 2024 को बवाल हुआ था। लेखपाल विपिन कुमार ने जमीन कब्जाने के मामले में मुख्य साजिशकर्ता झांसी के हरेंद्र मसीह, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित समेत 13 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में 13 आरोपी जेल गए थे। बाद में तीन नए नाम भी बढ़े। कोतवाली पुलिस ने मास्टर माइंड हरेंद्र मसीह व अवनीश दीक्षित, साथी राहुल वर्मा, मौरिस एरियल, कमला एरियल, अभिषेक एरियल, अर्पण एरियल, जीतेश झा, संदीप शुक्ला, विक्की चार्ल्स, अली अब्बास, जितेंद्र शुक्ला, विवेक पांडेय, मनोज यादव, मो. वसीम, अखलाख अहमद के खिलाफ 3200 पेज की चार्जशीट कोर्ट में पेश की थी। आरोपियों को डकैती व गिरोह बनाकर कब्जा करने सहित अन्य धाराओं में आरोपी बनाया था। जिसमें जितेंद्र शुक्ला, मो. वसीम और अखलाख अहमद को छोड़कर सभी जेल में हैं। गैंगस्टर की भी कार्रवाई हुई। अवनीश और उनके सहयोगियों पर रिपोर्ट दर्ज हुई। सभी मामलों में जमानत मिलने के बाद अवनीश तीन जुलाई को जेल से बाहर आया। किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि अब अवनीश के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

2.9 किलो गांजा समेत आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। जाजमऊ पुलिस ने 2.9 किलो गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी जिले में घूम-घूमकर गांजा बेचता था। जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार देर रात गश्त के दौरान पोखरपुर स्थित बुरादा ग्राउंड के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घूमते दिखा। इस पर रोककर पूछताछ की। आरोपी ने अपना नाम पनकी कलां निवासी रिंकू उर्फ विजय बताया। तलाशी में आरोपी के पास एक झोले से 2.9 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह शहर में घूम-घूमकर गांजा बेचता है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा गया है।

साइबर ठग ने 32 हजार रुपये किए पार

कानपुर। योनो एप के माध्यम से साइबर ठग ने 32 हजार रुपये पार कर लिए। घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने मामले की शिकायत काकादेव पुलिस से की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर मामले की जांच शुरू की है। शास्त्रीनगर निवासी नंद किशोर झा ने बताया कि उनके योनो एप्लीकेशन से 32 हजार रुपये ट्रांसफर हुए हैं। मैसेज के माध्यम से इसकी जानकारी होने पर उन्होंने बैंक से संपर्क किया। जिस पर पता चला कि राजेश सरकार के खाते में रकम भेजी गई है। थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि पीड़ित की शिकायत रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

नशीला पदार्थ खिलाकर ई-रिक्शा लूटा, रिपोर्ट

कानपुर। सवारी बनकर ई-रिक्शा में बैठे शातिर ने चालक को बहाने से नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया और रिक्शा ले गया। रिक्शा मालिक ने चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। चकेरी के दहेली सुजानपुर निवासी महिला रुखसाना ने बताया कि उनकी पहचान का चालक उनका रिक्शा चलाता था। पीड़िता के अनुसार चालक ने बताया कि बीती दो जुलाई की रात हरजिंदरनगर चौराहा पर सवारियों के इंतजार में खड़ा था, तभी एक युवक सवारी बनकर बैठ गया। आरोपी ने बहाने से उसे नशीला पदार्थ मिला लड्डू खिला दिया। बेहोश होने पर उसे हरजिंदरनगर चौराहा के पास सड़क किनारे छोड़कर रिक्शा ले गया। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज चेक कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

मकान से कब्जा छोड़ने पर 50 लाख मांगे, रिपोर्ट

कानपुर। रायपुरवा पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। कारवालोनगर निवासी मोहम्मद नदीम का आरोप है कि मंजू चतुर्वेदी, अंजू शुक्ला, राजेंद्र शुक्ला, राजू यादव, सुंदर लाल, रेखा चतुर्वेदी ने उनके मकान पर कब्जा कर रखा है। आरोपी मकान में अवैध रूप से स्टैंड संचालित करते हैं। चोरी की बिजली जलाते हैं। आरोपियों की मदद से ननका, छुन्ना शुक्ला, बड़कऊ, कैलाश समेत 10-12 लोग प्रार्थी के मकान में रहते हैं। बीती जनवरी माह में वह मकान का कब्जा छोड़ने के लिए बात करने पहुंचे, तो आरोपियों ने 50 लाख रुपये की मांग की। विरोध पर धमकाया और मुकदमें में फंसाने की धमकी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

तीन दिन बिजली ने रुलाया, सड़कों पर लोग

बेकनगंज, कंघी मोहाल, कर्नलगंज समेत दर्जनभर मोहल्लों में हाहाकार, कंघी मोहाल में भीड़ सड़क पर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। घनी आबादी वाले मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में पिछले तीन दिनों से बिजली संकट से लाखों लोग परेशान हो गए। केस्को अधिकारी तीन दिन से लोगों को यही समझा रहे थे कि बारिश की वजह से ट्रांसफार्मर खराब हुए हैं। कंघी मोहाल में शुक्रवार देर रात हजारों लोग सड़कों पर उतर आए जिससे केस्को टीम भाग खड़ी हुई। लोगों ने सड़कों पर रात गुजारी।

बुधवार को तेज बारिश के बाद तलाक महल, बेकनगंज, कंघी मोहाल, कागजी मोहाल, मुन्ना पुरवा, नाला रोड, बजरिया, मीनामन शिवाला समेत दर्जन भर क्षेत्रों की बिजली पटरी से उतर गई। रात में घरों के इनवर्टर भी बोल गए। गुरुवार को लगभग 12 घंटे के बाद थोड़ी देर के लिए बिजली आई और फिर चली गई। इसके बाद बिजली नहीं आई। शुक्रवार को कंघी मोहाल में ट्रांसफार्मर चेक करने पहुंची केस्को टीम ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब हो गया है। इसपर हजारों लोग घरों से बाहर आ गए। केस्को टीम ये कहकर वहां से भाग खड़ी हुई तो अभी ट्रांसफार्मर लेकर आ रहे हैं लेकिन टीम नहीं लौटी। लोग रात भर गर्मी के कारण सड़कों पर टहलते रहे। घरों में बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे परेशान रहे। पूरी रात लोगों ने जागकर काटी। उसके बाद शनिवार दोपहर ट्रांसफार्मर ठीक किया गया और बिजली आपूर्ति सामान्य हुई।

रात में मरम्मत करता केस्को कर्मी। अमृत विचार

बिजली-पानी के लिए जाम लगाने में 100 पर रिपोर्ट

कानपुर। बिजली व पानी की समस्या पर झकरकटी पुल पर जाम लगाने में रायपुरवा पुलिस ने 100 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। राखी मंडी बस्ती में बिजली कनेक्शन न मिलने पर शुक्रवार देर रात क्षेत्रीय लोगों ने झकरकटी पुल पर जाम लगाकर हंगामा किया था। जाम में कई एंबुलेंस भी फंसी थीं। राखी मंडी में बिजली और पानी की समस्या से परेशान लोग शुक्रवार रात कोपरगंज तिराहा पर एकत्र हुए थे और आक्रोशित भीड़ ने हंगामा किया था। जाम लगाया था। भीड़ का आरोप था कि उन्हें बिजली का कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है। बिजली के साथ ही उन्हें पानी भी नहीं मिल पा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया था, लेकिन लोग सब स्टेशन पर जाकर हंगामा करने की बात पर अड़े रहे। किसी तरह पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया था। इस दौरान करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। रायपुरवा थाना प्रभारी संजय गौड़ ने बताया कि मामले में झकरकटी चौकी प्रभारी अमित कुमार की शिकायत पर 100 लोगों पर सरकारी काम में बाधा डालने, सड़क जाम करने, जनमानस को असुविधा समेत अन्य धाराओं पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

कंघी मोहाल कागजी मोहाल, बड़ा मैदान समेत तमाम ऐसे मुस्लिम बहुल क्षेत्र हैं, जहां एक छोटे से कमरे में 10-10 लोग रहते हैं जो रातभर परेशान रहे। तमाम स्थान हैं, जहां लोग सीवर से भरी नालियों पर चारपाई डालकर रहने को मजबूर हैं, बिजली नहीं आने के कारण, बजबजा रही नालियों की वजह से मच्छरों ने अपना काम किया। कई मोहल्लों की हालत गांव से बदतर हो गई।

केस्को का उपहार, बिना बिजली बीता त्योहार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रक्षाबंधन के त्योहार पर केस्को बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने में नाकाम रहा। केशव नगर में ट्रांसफार्मर में खराबी आने के कारण हजारों लोग दो दिन से लोग बिजली संबंधित संकट का सामना कर रहे हैं। गोविंद नगर में भी ट्रांसफार्मर में आई खराबी के कारण हजारों लोगों को त्योहार के समय परेशानी का सामना करना पड़ा।

कर्नलगंज बर्फ खाना में बिजली सुबह गुल हो गई और शाम को भी नहीं आ सकी। आलू मंडी में बिजली समस्या आठ से नौट घंटे तक रही। हनुमंत विहार, अफीम कोठी, दर्शनपुरवा, साकेत नगर, नौबस्ता, आनंद विहार और छबीलेपुरवा में भी बिजली का संकट चार से पांच घंटे रहा।

इसके अलावा डिप्टी पड़ाव में ट्रिपिंग, हर्ष नगर में लो वोल्टेज और ट्रांसपोर्ट में हाई वोल्टेज से दोनों क्षेत्र प्रभावित रहे। इस कारण इन दोनों क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई। कारवालो नगर, जवाहर नगर, दबौली, आर्य नगर व बर्रा में भी बिजली संबंधित व्यवधान रहा।

केस्को के मुताबिक यहां रही दिक्कत

केस्को ने अपने वाट्सएप ग्रुप और एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है कि शनिवार को जीआईसी उपकेंद्र के कर्नलगंज बर्फ खाना फीडर की बिजली नगर निगम द्वारा जेसीबी से खुदाई के दौरान 11केवी भूमिगत केबिल क्षतिग्रस्त हुई, जिसके कारण सिर्फ दोपहर 10 बजकर दोपहर साढ़े 12 बजे तक बिजली नहीं थी। लकड़मंडी फीडर की बिजली भूमिगत केबिल में फॉल्ट होने से सुबह 11 बजकर 13 मिनट से बस एक बजे तक नहीं थी। इस्पात नगर सबस्टेशन के 11केवी जी-29 फीडर की बिजली सुबह पांच बजे से सिर्फ साढ़े सात बजे तक नहीं थी। मरम्मत कार्य चलता रहा।

ग्रीनफील्ड निर्माण में आ रहीं लाइनें होंगी शिफ्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जलकल एमडी ने जलनिगम को डीपीआर बनाने को कहा, बड़ी संख्या में प्रभावित हो रही लाइनें

अमृत विचार। राष्ट्रीय राजमार्ग कानपुर से कबरई 4 लेन ग्रीनफील्ड निर्माण में प्रभावित जल संस्थान लाइनों को हटाया जाएगा। प्रस्तावित कार्य को लेकर जलकल ने जलनिगम से पाइप लाइनों को हटाने के लिए डीपीआर बनाने के लिए पत्र लिखा है। जलकल के अनुसार बड़ी संख्या में में सीवर व पेयजल लाइनों को शिफ्ट करने की जरूरत पड़ेगी। जलकल ने इसके लिए कंसलटेंट भी नियुक्त कर दिया है। जलनिगम नगर व ग्रामीण की टीमें स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण में बाधा बन रही पेयजल लाइनों हटाएंगी।

कानपुर-कबरई ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण के लिए सितंबर माह में हाईवे निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। योजना के लिए करीब 93 गांवों की जमीन का अधिग्रहण होगा। इसमें कानपुर महोबा और हमीरपुर के गांव शामिल हैं। कानपुर के सबसे ज्यादा 49 गांव की जमीन है। इसके निर्माण के लिए शहरी इलाकों में पड़ी पेयजल और सीवर लाइनों को हटाए जाना प्रस्तावित हैं। जलकल जीएम एके त्रिपाठी ने इन लाइनों को हटाने की जरूरत को देखते हुए जलनिगम को पत्र भेज दिया और डीपीआर मांगी है। ताकि, शासन को भेजकर बजट को अलॉट किया जा सके। जलकल के अधीक्षण अभियंता जलनिगम ग्रामीण और नगरीय को पत्र भेजकर जांच करने के साथ ही एस्टीमेट मांगा है। बता दें कि इस मार्ग पर दोनों ओर बड़ी आवासीय योजनाएं हैं।

3700 करोड़ रुपये का बजट

कानपुर-कबरई ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण के लिए केंद्र सरकार लगभग 3700 करोड़ रुपये का बजट खर्च करेगा। लगभग 112 किमी लंबा यह ग्रीन फील्ड हाईवे कानपुर नगर, देहात, हमीरपुर और महोबा सीमा से छतरपुर में इकोनामिक कारीडोर से जोड़ा जाएगा। अभी कानपुर से हमीरपुर टू लेन हाईवे पर नौबस्ता से हमीरपुर के ट्रैफिक लोड ज्यादा होने से जाम लगता है। सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं भी इसी सड़क पर होती हैं।

जल्द होगा प्रकाशन

एनएचएआई के परियोजना निदेशक पंकज यादव ने बताया कि निर्माण के लिए जल्द गजट का प्रकाशन करने के आदेश दिए गए हैं। सितंबर माह से जमीन अधिग्रहण शुरू कर दिया जाएगा। इससे पहले अगस्त माह में गजट प्रकाशन की तिथि के साथ ही 21 दिनों में आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा।

गोष्ठी में नारेबाजी करते कांग्रेस नेता। अमृत विचार

अंग्रेजों भारत छोड़ो की तर्ज पर भाजपा गद्दी छोड़ो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- राहुल गांधी के आह्वान पर वोट चोरी के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे कांग्रेसी
- अगस्त क्रांति दिवस पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि दी

अमृत विचार। अगस्त क्रांति दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों की याद में आयोजित गोष्ठी में कांग्रेस नेताओं ने अंग्रेजों भारत छोड़ो की तर्ज पर भाजपा गद्दी छोड़ो आंदोलन करने की घोषणा की है।

शनिवार को तिलक हाल में कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में गोष्ठी आयोजित की गई। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि 9 अगस्त 1942 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा दिया था। उनका यही नारा आजादी के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इस अवसर पर राहुल गांधी के आह्वान पर वोट चोरी के खिलाफ संघर्ष का संकल्प लिया गया। मुख्य वक्ता पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा ने कहा कि जिस आजादी के लिए सबने त्याग किया उसको केवल कांग्रेस ही सशक्त कर सकती है। संचालन वियन पांडेय ने किया। गोष्ठी में हरप्रकाश अग्निहोत्री, सैमुअल लकी सिंह, शंकर दत्त मिश्रा, अतहर नईम, रितेश यादव, निजामुद्दीन खान, अवनीश सलूजा, आर के जगत, रमाकांत शर्मा, इखलाख अहमद, अब्दुल जब्बार, राकेश साहू, महेश चन्द त्रिपाठी, बैतूल खां मेवाती, आसिफ इकबाल, अजय श्रीवास्तव शीलू आदि थे।

50 फीसदी टैरिफ लगाने से 20 प्रतिशत उत्पादन रुक गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अमेरिकन ऑर्डर होल्ड होने की स्थिति में निर्यात कारोबार प्रभावित हो रहा
- दो महीने के भीतर उत्पादन और घटने की विशेषज्ञों ने जताई है संभावना

अमृत विचार। ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ का असर उत्पादन पर पड़ना शुरू हो गया है। अमेरिकन ऑर्डर होल्ड होने से यूनिटों में 20 फीसदी तक उत्पादन रुक गया है। सबसे पहले उत्पादन रोकने वाली यूनिटों में शहर की लेदर इंडस्ट्री है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि ऑर्डर होल्ड होने से यह स्थिति बन रही है। दो महीने में इसका असर और अधिक बढ़ सकता है। दो महीने के भीतर 35 फीसदी उत्पादन प्रभावित होने की आंशका है।

संशय होने के चलते निर्यातकों की ओर से तैयार कराया जा रहा ऑर्डर रोका जाना शुरू हो गया है। ऐसे निर्यातक जो अमेरिका के साथ निर्यात कारोबार से जुड़े हैं उनकी या उनसे संबंद्ध यूनिटों में उत्पादन प्रभावित हुआ है। इनमें लेदर ट्वॉय, बैग, बेल्ट, लेपटॉप बैग, लग्जरी आइटम जैसे उत्पाद शामिल हैं। माना जा रहा है कि होल्ड ऑर्डर के फाइनल होने तक यह स्थिति बनी रह सकती है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका के साथ वैश्विक बाजार भी इस वक्त पशोपेश में है। ऐसी स्थिति में नए ऑर्डर मिलने में निर्यातकों का समस्या रही है। इस वजह से नुकसान से बचने के लिए निर्यातकों ने लगभग 20 उत्पादों को रोक दिया है। निर्यात विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि यदि इस तरह की स्थिति और बनी रहती है तो आने वाले दो से तीन महीनों में 30 से 35 फीसदी उत्पादन पर रोक लग सकती है।

पूरे मामले पर फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑग्रनाइजेशन क (फियो) के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि अमेरिका के टैरिफ के ऐलान का असर शहर के निर्यात कारोबार पर पड़ना शुरू हो गया है। ऑर्डर होल्ड होने की वजह से निर्यातक असमंजस में हैं। यूनिट्स में उत्पादन कार्य रुक रहा है।

2500 करोड़ रुपये का निर्यात कारोबार अमेरिका के साथ होता है

महंगा उत्पाद बना वजह

भारत पर टैरिफ के ऐलान के बाद अमेरिका के बाजार में उत्पादों का महंगा होना तय माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में भारतीय उत्पादों के महंगा होने से अमेरिका के बाजार में उत्पादों की डिमांड भी कम हो जाएगी। कम डिमांड का असर यूनिट्स और ऑर्डर पर पड़ेगा। इसी वजह से टैरिफ के ऐलान के बाद लगातार निर्यात से जुड़ा बाजार प्रभावित हो रही है।

अमेरिका सबसे बड़ी मार्केट

शहर के निर्यातकों के लिए अमेरिका सबसे बड़ी बाजार है। इस स्थिति में टैरिफ के घटनाक्रम के बाद सबसे अधिक शहर के निर्यातक प्रभावित हो रहे हैं। शहर के निर्यातक अमेरिका से हर साल लगभग 2500 करोड़ का कारोबार करते हैं। अमेरिका के बाद शहर के निर्यातकों के लिए ब्रिटेन दूसरे व यूरोप तीसरे नंबर की बाजार है।

स्टेशन पर अलर्ट ट्रैक पर पेट्रोलिंग

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर हाईअलर्ट है। ट्रैक की गश्त के लिए 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है। 125 सीसीटीवी कैमरों की मदद से संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। शनिवार को सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह एवं आरपीएफ प्रभारी एसएस पाटीदार की सुरक्षा को लेकर संयुक्त बैठक हुई जिसमें 15 अगस्त तक सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने का संकल्प लिया गया। सेंट्रल स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरों की मदद से 24 घंटे कंट्रोल रूम से नजर रखी जा रही है।

थोड़ा काम किया, बहुत की जरूरत है

खबर का असर

अमृत विचार में शनिवार को बदहाल अंतर्राज्जीय झकरकटी बस स्टैंड की तस्वीरे प्रकाशित होने के बाद नगर निगम की टीम ने दो जेसीबी और एक रोलर मशीन लगाकर बस स्टैंड में ईंटें डाल कर रोलर मशीन चलाकर समतल किया। यह बहुत मामूली सुधार है जैसे ऊंट के मुंह में जीरा। पूरा बस स्टैंड खेत जैसा ऊबड़-खाबड़ हो गया है जिसपर सुधार के लिए काफी काम की जरूरत है। पिछले दो दशक से बस अड्डा अपनी किस्मत पर रो रहा है। आधा बस अड्डा धंस चुका है। बस अड्डा कूड़ाघर पर बना है जिससे धीरे धीरे धंस रहा है। इस बस अड्डे का पीपीपी मॉडल के तहत उद्धार होना है लेकिन अभी अस्थाई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो पाई है। ● अमृत विचार

हेल्थ अलर्ट

फाइलेरिया से बचाव के लिए आज से शुरू होगा जिले में दवा वितरण अभियान

जरूर खाएं फाइलेरिया की दवा क्योंकि इसका कोई इलाज नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। फाइलेरिया एक ऐसी बीमारी है, जिसके लक्षण न तुरंत नजर आते हैं और न ही साल या दो साल में इसके लक्षण उभरते हैं। इसके लक्षण बीमारी शुरू होने के पांच से 15 साल के बीच मरीज में नजर आते हैं। पैर, हाथ, स्तनों और जननांगों में गंभीर सूजन हो जाती है। पैर इतने सूज जाते हैं कि हाथी के पांव की तरह लगते हैं। अहम बात ये है कि एक बार होने के बाद यह बीमारी पूरी तरह ठीक नहीं होती है। इसलिए बचाव ही इसका मुख्य इलाज है।

जिले में वर्तमान में 4605 फाइलेरिया और 889 हाइड्रोसील के मरीज हैं। जब स्वास्थ्य विभाग ने इन मरीजों की काउंसलिंग की तो अधिकांश ने बताया कि जब मच्छर आदि ने काटा तो उस वक्त विशेष ध्यान नहीं दिया और जागरूकता के तहत फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा का भी सेवन नहीं किया। जिसके बाद जब पैर, हाथ, स्तन व जननांगों में सूजन की समस्या बढ़ी तो डॉक्टर से परामर्श लिया, जिसके बाद फाइलेरिया की पुष्टि हुई। अब शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 अगस्त से फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चलेगा। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी के मुताबिक 2021 टीमें 10 अगस्त से घर-घर जाकर लोगों को फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा खिलाएंगी। इसके अलावा लोगों को फाइलेरिया से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम करेंगी। दो वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन करना है। गर्भवती और अति गंभीर बीमार व्यक्ति को दवा का सेवन नहीं करना है। जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि फाइलेरिया बीमारी विश्व में दीर्घकालिक दिव्यांगता का दूसरा प्रमुख कारण है। एक बार हाथीपांव या हाइड्रोसील हो जाने पर उसे सिर्फ नियंत्रित किया जा सकता है, पूरी तरह से ठीक नहीं किया जा सकता।

ऐसा होता है फाइलेरिया में।

10 अगस्त से जिले में शुरू होगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

4605

फाइलेरिया और 889 हाइड्रोसील के मरीज जिले में हैं

25.25

लाख लोगों को 2021 टीमें खिलाएंगी फाइलेरिया की दवा

फाइलेरिया के लक्षण

ठंड लगने के साथ बुखार, त्वचा पर छोटे-छोटे घाव या चकत्ते होना, खुजली, पैर, हाथ या जननांगों में सूजन आना, सूजन वाले अंगों में दर्द या बेचैनी होना, शरीर में कंपकंपी व बेवजह ठंड महसूस होना, सिरदर्द और दूधिया रंग का मूत्र आने की समस्या है तो यह फाइलेरिया के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में बिना देरी किए सरकारी अस्पताल में इलाज कराना चाहिए।

- कल्याणपुर के महेंद्र सिंह ने बताया कि वह करीब 10-12 साल पहले **केस 01** फाइलेरिया से ग्रस्त हुए थे। फाइलेरिया हुआ तो वह इस बीमारी से अपरिचित थे। जब बीमारी के बारे में बताया तो परिचित लोगों ने तरह-तरह की जड़ी बूटी और गैर वैज्ञानिक उपायों से बीमारी ठीक की सलाह दी। लेकिन ठीक न होने पर वह अस्पताल गए। व्यायाम और फाइलेरिया प्रभावित अंग की देखभाल से आराम मिलता है।
- रामादेवी के मनोज ने बताया कि बीमारी के कारण उन्हें सामाजिक **केस 02** उपेक्षा और भेदभाव भी झेलना पड़ता है। लोगों को यह लगता था कि पैर के पानी से उन्हें भी संक्रमण हो जाएगा। वह हीन भावना का शिकार होने लगे। शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर हुए। इसी बीच स्वास्थ्य विभाग के सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च संस्था के सहयोग से फाइलेरिया रोगी नेटवर्क का हिस्सा बने और इलाज किया।

ऐसे खानी है दवा

कानपुर। जिला मलेरिया अधिकारी एके सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान एक गोली अल्बेन्डाजोल चबाकर खानी है, जबकि दो गोलियां आईवरमेक्टिन और डीईसी पानी से निगलनी हैं। दवा हमेशा भोजन के बाद ही लेनी चाहिए। यह पूरी तरह सुरक्षित है। कुछ लोगों को हल्का सिर दर्द, कमजोरी या मतली जैसी सामान्य शिकायत हो सकती है, जो स्वतः ठीक हो जाती है। दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रोगों से ग्रसित व्यक्तियों को यह दवा नहीं दी जाएगी। यह एक ऐसी बीमारी है, जो एक बार होने के बाद जीवन भर व्यक्ति को परेशान करती है। इससे केवल बचाव संभव है, उपचार नहीं। दवा के सेवन से इस बीमारी को रोका जा सकता है, खत्म नहीं किया जा सकता।

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, BAREILLY

STAFF REQUIRED

Accountant (for Audit)
Qualification :- M.Com, B.com with good knowledge of MS Excel & Tally, Exp. 1 Year

Assistant Librarian
Qualification :- M.Lib. & B.Lib.

Sr. OT Technician
Qualification:- BOT/DOT, Exp. 3 years (ortho)

Sr. Nursing Staff
Qualification:- B.Sc. Nursing/GNM, Exp. 6 years

Computer Operators
Qualification: Graduation with good Computer Knowledge & good Typing Speed (Hindi & English) (Exp. Min. one year)

Salesman (For Medical Stores)
Qualification: Min. D.Pharma (Exp. Min. One year)

PRO
Qualification: Graduation

Salary No Bar for Deserving Candidates

How to apply : Mail your CV at hrrmch@gmail.com or hard copy to the address given below.

HR OFFICE, RMCH Hospital Building, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
Contact : 9548624286

सिटी ब्रीफ

सभी धर्म की बहनों का त्यौहार है रक्षाबंधन

कानपुर। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने चमनगंज में राखी का त्यौहार धूमधाम से मनायाा इस अवसर पर मंच के प्रान्त संयोजक अशफाक अहमद ने कहा कि राखी का त्यौहार आपसी भाईचारा मजबूत करता है। यह सभी धर्मों की बहनों का त्यौहार है। हमें मिलजुल कर इसे मनाना चाहिए।

सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराएं

कानपुर। शनिवार को जाजमऊ में मखदूम शाह आला कमेटी की बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता कमेटी के संरक्षक इरशाद आलम ने की। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि 22 अगस्त को होने वाले उर्स के पूर्व मजार शरीफ के आसपास साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त कराएं।

जिलाध्यक्ष के जन्मदिन पर कटेगा केक

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर नगर के जिलाध्यक्ष हाजी फजल महमूद के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया है। रविवार को राजा गैलेक्सी सुनहरी मस्जिद के सामने नई सड़क पर कार्यकर्ता केक काटकर धूमधाम से जिलाध्यक्ष का जन्मदिन मनाएंगे। इस संबंध में वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव ने बताया कि नई सड़क पर शाम को पांच बजे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इंडिगो एयरलाइन के महाप्रबंधक बदले

कानपुर। कानपुर एयरपोर्ट पर तैनात इंडिगो एयरलाइन्स के महाप्रबंधक सैय्यद अहमद का तबादला हो गया है। उन्हें अब दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तैनात कर दिया गया है।

शिव पूजन कर सावन को किया विदा

कानपुर। शहर के शिव मंदिरों में शनिवार को भक्तों ने पूजन कर सावन को विदा किया। इस दौरान पूजन में भक्तों की ओर से महादेव को राखी भी चढ़ाई गई। देर रात तक मंदिरों में भक्तों की ओर से जयकारे लगाए जाते रहे। सावन के अंतिम दिन महादेव के मंदिरों में प्रभु का आकर्षक शृंगार भी हुआ। महादेव के भक्तों ने सावन के अंतिम दिन महादेव का पूजन कर खुद को निहाल किया। इलाकाई मंदिरों में खासतौर पर मंदिरों में पूजन हुए। प्रभु का फूलों व फल से आकर्षक शृंगार भी किया गया। परमट स्थित आनंदेश्वर मंदिर में भी शाम को भक्तों की भीड़ उमड़ी। जयघोष के साथ भक्तों ने महादेव का जलाभिषेक कर आह्वान किया। उधर जागेश्वर महादेव मंदिर में शृंगार कराया गया। सिद्धनाथ मंदिर में महादेव का गेंदे के फूल का शृंगार हुआ।

जेल में रक्षाबंधन पर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। अमृत विचार

सवारी न मिलने से हजारों लोग परेशान रहे। अमृत विचार

झकरकटी बस अड्डे पर मेले सा माहौल रहा। अमृत विचार

भाई की कलाई पर राखी बांध लिया रक्षा का संकल्प

भद्रा न होने से पूरे दिन उल्लास से मनाया गया पर्व, रक्षा बंधन पर्व पर शहर में हुआ सौ करोड़ का कारोबार

शुभ घड़ी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रक्षा बंधन पर्व शहर में उत्साह के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांध रक्षा का संकल्प लिया। पर्व पर भद्रा का साया न होने से पूरे दिन पूजन हुआ। इस बार व्यापारी पर्व पर लगभग सौ करोड़ के कारोबार का अंदेशा जता रहे हैं।

रक्षा बंधन पर्व के लिए सुबह से ही घरों में उत्साह का माहौल रहा। घरों में पूजन के साथ ही भाइयों की कलाई पर बहनों ने रखी बांधी। ऐसे घर जहां पर पहली बार भाई-बहन रक्षा बंधन पर्व मना रहे थे उन घरों में खास उत्साह रहा। सुबह से ही बाजारों में मिठाई की दुकानों में भीड़ रही। व्यापारियों के मुताबिक इस बार पर्व पर लगभग सौ करोड़ का कुल कारोबार हुआ। इनमें मिठाई और कपड़ों का 60 फीसदी कारोबार रहा। देर शाम तक पर्व का हर्ष घरों में रहा। इसके बाद परिवार संग लोग घूमने भी निकले। शाम को बाजारों में भीड़ रही। रेस्टोरेंट भी देर रात तक फुल रहे। कई रेस्टोरेंट में विशेषतौर पर भाई-बहन स्पेशल थीम पर परिवार संग आने वाले लोगों का स्वागत किया गया।

मेन्यु के साथ विशेषतौर पर रक्षाबंधन ग्रीटिंग भी दिया गया। पर्व पर रेलवे स्टेशन व बस अड्डे पर भारी भीड़ रही। इनमें ज्यादातर भीड़ अपने भाईयों को राखी बांधने आने वाली बहनों की रही।

जेल में बंद भाइयों को राखी बांधतीं महिलाएं। अमृत विचार

अपराध छोड़ने का वचन लिया

- जेल में भी बहनें अपने बंदी भाइयों को राखी बांधने आईं। जेल प्रशासन की ओर से बहनों के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। बहनों को जेल के बाहर कई घंटों तक इंतजार करना पड़ा। बहनों ने भाइयों से अपराध छोड़ने का संकल्प लिया। कई बहनों के आंसू छलक पड़े।

ऑनलाइन आईं राखियां

- ऑनलाइन राखियों का कारोबार भी परवान चढ़ा। दूर रह रही बहनों ने अपने भाईयों को ऑनलाइन सर्विस के जरिए राखियां भेजी। कंपनियों की ओर से इस बार विशेष ऑनलाइन पैकेज भी ऑफर किए गए। इस पैकेज में राखी, चंदन, मिठाई व किशमिश सहित अन्य उत्पाद एक ही पैकेज में भाइयों के घर तक पहुंचे।

छात्राओं ने पुलिस कर्मियों को राखी बांधी

- रक्षाबंधन के पावन पर्व पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस लाइन में भावपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन किया गया जिसमें परिषदीय विद्यालय की छात्राओं ने पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान और भाईचारे का संदेश दिया। साथ ही मिष्ठान और छात्राओं द्वारा तैयार किए गए आभार पत्र भेंट कर उनके निरंतर सेवा भाव एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार एडिशनल डीसीपी महेश कनौजिया आदि उपस्थित रहे।

पीएसी जवानों को राखी बांधी गई। अमृत विचार

छात्राओं ने जवानों को रक्षासूत्र बांधा

- **कानपुर।** श्याम नगर स्थित सैंतीसवी वाहिनी पीएसी बल कार्यालय में रक्षा पर्व का आयोजन किया गया। उत्कर्ष नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज की छात्राओं ने शुक्रवार को जवानों को रक्षासूत्र बांधकर देश की सुरक्षा का वचन लिया है। छात्राओं ने मेरा रंग दे बसन्ती चोला गीत गाकर पीएसी के जवानों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। छात्राओं को गिफ्ट देकर पीएसी के जवानों ने अपना फर्ज निभाया। इस दौरान पीएसी बल के कमांडेंट बीबी चौरासिया, पीएसी बल के उप कमांडेंट पन्नालाल मौर्या, आरटीसी प्रभारी मनोज श्रीवास्तव, उत्कर्ष नर्सिंग कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राजेश त्रिवेदी, उप-चेयरमैन विदोत्तमा त्रिवेदी, प्रधानाचार्या डॉ. एमआर रीना, सह प्राध्यापिका आकांक्षा सिंह, अध्यापिका सीबा व संजय मिश्रा समेत छात्राएं मौजूद रही।

बच्चों को राखी और अन्य गिफ्ट दिए गए। अमृत विचार

रक्षाबंधन पर गिफ्ट वितरण किया

- **कानपुर।** शिक्षा से वंचित बच्चों की पाठशाला उजियारी देवी मंदिर ख्यौरा मैनावती मार्ग में रक्षाबंधन पर गिफ्ट वितरण किया गया। समाज सेविका साधना द्विवेदी एवं रिचा झा के द्वारा बच्चों को राखियां बनाना सिखाया गया तथा बच्चों को राखी गिफ्ट की गईं। पाठशाला के संरक्षक अनूप निगम द्वारा समय-समय पर बच्चों को शिक्षा सामग्री, स्वल्पाहार व लंच पैकेट की व्यवस्था की जाती है। इस अवसर पर पाठशाला प्रबंधक प्रकाश श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। शिक्षिका पूजा देवी, प्रीति ने पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

पर्व पर शुभम की बहन के छलक पड़े आंसू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पहलगाम हमले में आतंकियों के शिकार शहर के शुभम द्विवेदी के घर माहौल गमगीन रहा। शुभम की बहन आरती के आंसू शुभम की फोटो देख छलक पड़े। शुभम की बहन ने अपने चचेरे भाइयों की कलाई पर राखी बांध पर्व मनाया। शुभम की फोटो पर टीका किया। यह दृश्य देख वहां पर मौजूद सभी रिश्तेदारों की भी आंखों में आंसू आ गए। फोटो पर टीका कर और राखी रखने के बाद काफी देर तक परिवार के सभी सदस्यों के बीच शुभम की पुरानी यादों पर चर्चा होती रही। इस दौरान शुभम की बहन को रिश्तेदार सांत्वना देते नजर आए।

शुभम की फोटो पर तिलक लगाकर बहन ने राखी बांधी। अमृत विचार

- पहलगाम हमले में आतंकियों के शिकार शहर के शुभम की बहन रो पड़ी
- शुभम की बहन आरती ने अपने चचेरे भाइयों की कलाई पर राखी बांध कर मनाया पर्व

झकरकटी बस अड्डे के बाहर लगी भीड़। अमृत विचार

जेके मंदिर में भक्ति बंधन से रहा उत्साह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रक्षाबंधन पर्व पर जेके मंदिर में 'भक्ति बंधन' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर की नियमित संध्या आरती के बाद हुआ। कार्यक्रम में रिदम ग्रुप के कलाकारों ने आध्यात्मिक गीतों पर मनोहारी कथक नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न स्वरूप में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। मन्दिर प्रबंधन की ओर से बताया गया कि 15 अगस्त से 21 अगस्त तक जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवधि में कानपुर के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक समूह अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का मन मोहेंगे। इसके साथ ही प्रतिदिन वेद वाणी पाठ, भजन संध्या के अयोजन एवं कृष्णलीला का मंचन किया जाएगा। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भव्य मेले का आयोजन किया गया है। चार धाम यात्रा का विशेष सेट-अप भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।

जेके मंदिर में रंगारंग कार्यक्रम हुए। अमृत विचार

वाहे गुरु मैंने सिर्फ तेरे संग ही सच्ची प्रीत की

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंद नगर स्थित गुरुद्वारा बाबा चंद्र दरबार में शनिवार को रक्षाबंधन पर बाबा की चौखट पर सैकड़ों राखियां बांधी गई। गुरु व परमात्मा से भगत के सच्चे प्रेम का इजहार किया गया। कहा कि हे वाहेगुरु, मैने सिर्फ तेरे संग ही सच्ची प्रीत की है, क्योंकि संसार की सारी प्रीत झूठी हैं। तू ही मेरा सच्चा रखवाला है....। कीर्तनीये सुरेंद्र सिंह ने अनेक शबद सुनाये.. सो सतगुरु प्यारा मेरे नाल है, जित्थे कित्थे मैनू लै छडाई...। ज्ञानी त्रिलोचन सिंह ने बाबा चंद्र दरबार से संगत के अथाह प्रेम की जानकारी दी। शनिवार को आठ नए अखंड पाठ साहिब रखे गए। ज्ञानी रूपेन्द्र सिंह ने अरदास की। अंत में प्रसाद के साथ समोसे, लड्डू, बिस्कुट, फ्रूटी और मट्ठे के पाउच वितरित किए गए। इस दौरान सुरेश कालरा, अशोक सदवानी, शिव अरोड़ा, राजकुमार लालडिनानी, गोगी बेदी, परमजीत सिंह, सोनू, हरिनाम सिंह, रिंकू, यशन प्रीत सिंह, पीयूष मोंगा, सिद्धार्थ, सिमर सिंह व रमन जीत सिंह समेत आदि लोग रहे।

शबद-कीर्तन सुनती संगत। अमृत विचार

रोडवेज बसों में हजारों बहनों ने की मुफ्त यात्रा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शनिवार को शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा से 1400 बसों से लगभग 70 हजार बहनों ने सफर किया। शनिवार को भोर में ही हजारों बहनों की भीड़ बस अड्डे पर पहुंची। सुबह 10 बजे बहनों का हुजूम बसों के इंतजार में बस अड्डा के अंदर से बाहर सड़क तक मौजूद रहा जिससे टाटमिल तक जाम की स्थिति बनी रही।

लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, रायबरेली, खागा, फतेहपुर, वाराणसी, प्रयागराज, महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, बिंदकी आदि क्षेत्रों की बसों की कमी रही। इन जिलों या कस्बों की एक भी बस जैसे पहुंचती थी, लोग टूट पड़ते थे। खिड़की से, ड्राइवर के गेट से, जिसे जिधर से जगह मिली, वहीं से बस के अंदर चला गया। रक्षा बंधन में बहनों की भीड़ को देखते हुए झकरकटी बस अड्डा पर क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार ने अतिरिक्त व्यवस्था की थी ताकि किसी को कोई दिक्कत नही हो। बस अड्डा के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक पंकज तिवारी ने बताया कि 25 अधिकारी एवं कर्मचारियों की टीम बहनों के लिए बसों की व्यवस्था करने के लिए लगाई गई है।

टाट मिल तक लगा रहा जाम।

- **बस अड्डे पर उमड़ा बहनों का हुजूम, टाटमिल तक भीड़**

पर्व शहर के गंगा घाटों पर आचार्यों की ओर से कराया गया पूजन

श्रावणी उपकर्म कर बदले गए यज्ञोपवीत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि पर शनिवार को शहर के गंगा घाटों पर श्रावणी उपकर्म आयोजित हुआ। इस दौरान भक्तों ने पूजन कर अपने यज्ञोपवीत को बदला। धार्मिक आयोजन के दौरान भक्तों ने वेद मंत्रों के बीच विशेष स्नान भी किया। इस दौरान विश्व शांति की कामना भी हुई।

शहर के विभिन्न गंगा घाटों पर पूजन के दौरान भक्तों ने अरुंधति सहित याज्ञवल्व, वशिष्ठ, विश्वामित्र, कश्यप, अत्री, भारद्वाज, अदिति सहित सप्तऋषियों का अर्चन किया। इसके बाद वंशावली का शाश्वर गान किया गया। इस अवसर पर यजुर्वेद के शाखा का पाठ एवं सूर्योपस्थान सहित तिल जौ कुश के द्वारा पूर्वजों का तर्पण कर वर्ष पर्यंत आशीर्वाद की कामना भी की गई।

श्रावणी उपकर्म पर गंगा स्नान किया। अमृत विचार

पूजन में गुप्तार घाट व मेस्कर घाट पर विद्वान आचार्यों की उपस्थिति में हुए आयोजन में युवाओं को इस पूजन का अर्थ भी बताया गया। सरसैया घाट, मैगजीन घाट, गंगा बैराज, ड्योढी घाट, ब्रह्मावर्त घाट सहित अन्य घाटों पर पूर्व यज्ञोपवीत स्नान कर धारण किया गया। इस दौरान आचार्य उमेश दत्त, आचार्य अमरीश उपाध्याय, आचार्य पटवर्धन शास्त्री, आचार्य विमल, आचार्य कृष्ण मुरारी अवस्थी, आचार्य संपूर्ण आनंद, आचार्य अवधेश द्विवेदी व आचार्य श्याम करण शास्त्री मौजूद रहे। संस्था की ओर से अध्यक्ष एसके पालीवाल, राजेंद्र शुक्ला, शेषनारायण त्रिवेदी पप्पू प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

राखी पर सिंगर भाई का उपहार बहन को सरहद एलबम का प्यार

अपने भाई को गुरुग्राम से राखी बांधने कानपुर आई बहन को सिंगर भाई ने उपहार के रूप में देश-भक्ति से ओत प्रोत एलबम सरहद की लांचिंग स्वतंत्रता दिवस से 5 दिन पूर्व करके दिया। शांति नगर में सुप्रसिद्ध गायक धर्मेश यादव की पुत्री राशि ने बताया कि भाई वंश को राखी बांधने पर इस वर्ष अनमोल उपहार मिला। गायक वंश ने बहन राशि को भारतीय सीमा की सुरक्षा में तैनात जवानों को समर्पित सरहद एलबम को उपहार में भेंट किया। इसके पूर्व भी वंश के दो एलबम रिलीज हो चुके हैं। घर पर अर्शदीप, युग और नारंग को ऋषिका वंशिका ने राखी बाँधी|

न्यूज ब्रीफ

बस की टक्कर से युवक की मौत, साथी घायल

नवाबगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के बाबूगंज फाटक निवासी अर्जुन सविता (18) अपने दोस्त प्रिंशू शुक्ला (18) के साथ अजगैन निवासी मौसी के घर आया था। वहां से कुछ देर बाद दोनों लखनऊ गए। जहां से लौटते समय लखनऊ-कानपुर हाईवे पर सोहरामऊ थानाक्षेत्र स्थित एक मेडिकल कॉलेज के पास पीछे से आई रोडवेज बस ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें दोनों गंभीर घायल हो गए। जिन्हें एंबुलेंस से सीएचसी नवाबगंज लाया गया। जहां डॉक्टर ने प्रिंशू को मृत घोषित कर दिया। वहीं अर्जुन घायल है।

स्कूटी से गिरी युवती की हुई मौत

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर भाई के साथ स्कूटी से जा रही बहन की डंपर की टक्कर लगने से मौत हो गई। बारासगवर थानाक्षेत्र के बारा गांव निवासी अभय सोनी अपनी बहन लक्ष्मी (20) व दो अन्य बहनों के साथ लखनऊ के सरोजनी नगर मोहल्ले में रहते हैं। शनिवार दोपहर 12 बजे वह स्कूटी से बहन लक्ष्मी को लेकर गांव जा रहा था। तभी लखनऊ-कानपुर हाईवे पर दही थानांतर्गत लखनऊ बाईपास के पास डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने लक्ष्मी को मृत घोषित कर दिया।

सड़क हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम

उन्नाव। औरास थानाक्षेत्र के खुटेहना गांव निवासी सोहन (24) पुत्र नन्हकू बीती 27 जुलाई को बाइक से थानाक्षेत्र के मवई गांव निवासी अपनी बहन के यहां गया था। तभी संडीला-चकलवंशी मार्ग पर परौरी गांव के पास उसकी बाइक में सामने से आई दूसरी बाइक से टकरा गई थी। परिजनों ने उसे लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां सुधार न होने पर परिजन सोहन को गुरुवार को घर ले आए थे। शनिवार सुबह घर में उसकी हालत अधिक बिगड़ी और उसकी मौत हो गई।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात की मौत

उन्नाव। अजगैन रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से गिरकर बिहार प्रांत निवासी अप्रवासी भारतीय युवक की मौत हो गई। बिहार प्रांत के मुजफ्फर नगर जिला के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के पक्की सराय चौक चंदवारा गांव निवासी नदीम अशरफ (33) पुत्र मो. असलम दुबई में नौकरी करता था। 6 अगस्त को वह छुट्टी लेकर फ्लाइट से नई दिल्ली आया था। गांव लौटने के लिए ट्रेन का रिजर्वेशन न मिलने से वह नई दिल्ली-दरभंगा क्लोन एक्सप्रेस ट्रेन से वेटिंग टिकट लेकर मुजफ्फर नगर के लिए यात्रा कर रहा था। तभी शुक्रवार रात लखनऊ- कानपुर रेलमार्ग पर अजगैन रेलवे स्टेशन की डाउन लाइन पर वह ट्रेन से नीचे गिर गया और पहिए की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। तलाशी में मिले आधार कार्ड से उसके परिजनों को सूचना देकर शव मोर्चरी भेजा गया। शनिवार को परिजनों के पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। नदीम दो भाइयों में बड़ा था। एसओ जीआरपी अरविंद पांडेय ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है।

मवेशी चराने गए युवक की गंगा में डूबने से मौत

उन्नाव। घर से मवेशी चराने गए युवक की गंगा नदी में डूबकर मौत हो गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से जाल डलवाकर शव बाहर निकलवाया। अचलगंज थानांतर्गत गंगा कटरी के बलाई गांव निवासी महेश यादव खेती के साथ पशुपालन कर परिवार को पालता है। शुक्रवार शाम करीब 3 बजे महेश का 18 वर्षीय बेटा अखिलेश मवेशी चराने गांव के बाहर से निकली गंगा नदी किनारे गया था। देर शाम मवेशियों के लौटने के काफी देर बाद तक वह नहीं लौटा तो परिजन उसकी तलाश में नदी किनारे गए। जहां उसकी चप्पल रखी मिली। अखिलेश पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर था और वह हड़हा स्थित एक इंटर कॉलेज का छात्र था।

हैप्पी रक्षाबंधन बोल बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

राखी और मिठाई की दुकानों पर दिनभर रही भीड़

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। भाई-बहन के अटूट प्यार का प्रतीक त्योहार रक्षाबंधन सावन माह के अंतिम दिन धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनके दीर्घायु होने की कामना की और उनसे रक्षा का वादा लिया। भाइयों ने रक्षा के वादे के साथ बहनों को विभिन्न उपहार भी दिए। इससे बहनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

रक्षाबंधन पर लोगों ने राखी बंधवाने के बाद शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की। इससे शहर के शिव मंदिरों में काफी भीड़ दिखी। वैसे रक्षाबंधन का दिन सावन महीने का अंतिम दिन होता है इसलिए लोगों ने शिव मंदिरों में जाकर भगवान शकर के दर्शन किए। शनिवार को सुबह से ही सड़कों पर भीड़ दिखने लगी थी। बहनों के भाइयों के घर पर जाकर राखी बांधने की रस्म के चलते साधनों की अधिक जरूरत रही। इससे बसों के अलावा अन्य छोटे साधनों का टोटा रहा। इससे यात्रियों को भटकना पड़ा। खोये की मिठाइयों में मिलावट के डर से अधिकतर लोगों ने फलों व बेसन आदि की मिठाईयों की अधिक खरीदारी की।

भाई की कलाई पर राखी बांधती बहन।

मिठाई की दुकान पर लगी भीड़।

बस में बैठने के लिये जद्दोजहद करते लोग। अमृत विचार

शुक्लागंज में भी जाम, वसूला मनमाना किराया

शुक्लागंज। शनिवार सुबह से ही पोनी रोड, कंचन नगर, ऋषि नगर, बालूघाट मोड़, आजाद नगर, मरहला चौराहा, नेहरू नगर, अंबिकापुरम के पास बहनों की भारी भीड़ रही। अधिक भीड़ होने के कारण वाहनों की कमी हो गई और बहनें वाहनों के इंतजार में घंटों खड़ी रही। जिसके बाद टेंपो, ई रिक्शा के अलावा अन्य सवारी वाहनों के पहुंचने पर बहनें अपनी गंतव्य को रवाना हुई। घंटों इंतजार करने के बाद उन्हें सवारियां मिली। वहीं कुछ स्थानों पर वाहन सवार मनमानी करते नजर आये। जहां दस रूपया किराया था, वहां पर पंद्रह से बीस रूपये तक का किराया वसूला। जिससे मजबूरन बहनों को रूपया देना पड़ा। वहीं जब बहनों को वाहन नहीं मिले तो अन्य वाहनों में बैठकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई।

वाहनों का रहा टोटा, वसूला मनमाना किराया

रक्षाबंधन पर्व होने के कारण नगर से सुबह से ही बहने अपने भाइयों को राखी बांधने के लिये घरों से निकली। जिससे सवारी वाहनों का टोटा हो गया। वहीं बसें भी ठंसाठस होकर गुजरी। जिससे महिलाएं परेशान रहीं। वहीं कुछ सवारी वाहन सवारों ने मनमाना किराया वसूला। जहां का किराया 10 रुपए था वहां 15 से 20 रुपये वसूले गए।

जेल में बंद भाइयों से लिया सुधरने का वचन

भाई-बहन के अटूट प्यार का पर्व रक्षाबंधन यूं तो पूरे देश में धूमधाम से मनाया गया। लेकिन जाने-अनजाने अपराध कर जेल की सलाखों में पीछे पहुंचे भाइयों की कलाई सूनी न रहे इसके लिए शनिवार को बड़ी संख्या में बहने अपने बंदी/कैदी भाइयों को राखी बांधने पहुंची। जिला जेल में इसके लिए अलग व्यवस्था की गई थी। जेल के अंदर काउंटर लगाया गया था। बाहर से खाने के सामान व मिठाई पर रोक रही। लेकिन जेल प्रशासन ने रक्षासूत्र बांधने के बाद मुंह मीठा कराने की व्यवस्था की थी। भाइयों को सलाखों के पीछे देख बहनों की आंखों में आंसू निकल आए। बहनों ने भाइयों से राखी के बदले अपराध से तौबा करने का वचन लिया। जेल अधीक्षक पंकज सिंह ने बताया कि शनिवार 726 महिलाओं व 263 बच्चों की मुलाकात कराई गई। इस दौरान 424 बंदी/कैदियों के राखी बांधी गई।

जिला जेल गेट पर कैदियों को रांखी बांधने के लिए लगी बहनों की लाइन। अमृत विचार

भाई को बहनों ने बांधी रखी

औरास। ब्लॉक क्षेत्र में रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रुक-रुक कर हो रही बारिश के बाद भी त्योहार मनाने के लिए बहनों व भाइयों में उत्साह बना रहा। दुकानों पर भी मिठाई व राखियों की बिक्री चलती रही। मानसिंह खेड़ा गांव के मजरे नन्दौली गांव में वर्तिका व वैशाली ने अपने छोटे भाई उत्कर्ष की आरती उतारते हुए कलाई पर राखी बांधी।

भाई को रांखी बांधती बहनें।

रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधती बहनें।

हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

सफीपुर। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर तिलक लगाया और मिठाई खिलाई। वहीं भाइयों ने उपहार देकर बहनों की सुरक्षा का वचन दिया। पर्व की महत्ता को देखते हुए बहनों ने महंगी व आकर्षक राखियां खरीदीं जबकि भाइयों ने भी उपहारों की तैयारी की। सुबह से बहनों में राखी बांधने का उत्साह देखने को मिला। कुछ भाई दूर रहने वाली बहनों के पास पहुंचे तो कई बहनें भाइयों के घर जाकर राखी बांधने पहुंचीं। राखी बांधने के दौरान बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी और रक्षासूत्र बांधा। भाइयों ने भी जीवनभर बहनों की रक्षा का संकल्प दोहराया।

अम्बिका स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

भाई की कलाई पर राखी बांधती बहन।

शुक्लागंज उन्नाव अमृत विचार। अम्बिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल एवं अम्बिका प्रसाद मेमोरियल लिटिल किंगडम में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंग-बिरंगी राखियाँ बांधकर भाई-बहन के पवित्र बंधन का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने कविताएं, गीत और नाट्य प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। प्रबंध निदेशक अजय त्रिवेदी ने बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संजोने का संदेश दिया। प्राचार्या मोनिका तिवारी ने रक्षाबंधन को प्रेम और भाईचारे का प्रतीक बताते हुए आपसी सम्मान बनाए रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण के साथ हुआ।

बहनों ने रक्षा सूत्र बांध भाई से लिया रक्षा करने का वचन

शुक्लागंज। रक्षाबंधन पर्व को लेकर बहनें सज-धज कर अपने भाईयों की कलाई में राखी बांधने के लिए रोली, मिठाई लेकर इंतजार करती नजर आई। बहनों ने भी अपने भाई की कलाई में राखी का धागा बांधने के लिए खासा इंतजाम कर रखा था। मन पंसद की राखी के साथ भाइयों की मनपसंद मिठाई से त्योहार की शुरूआत की गई। दूर दराज से आने वाले भाइयों का अपनी बहनों के घर आना शुरू हो गया था। बहनें भी रक्षा सूत्र अपने भाइयों को बांधने के लिए घरों से निकल पड़ी थी। जिसके लिए उन्हे घंटों वाहनों का भी इंतजार करना पड़ा। साल भर के इंतजार के बाद आने वाले इस पर्व को लेकर घरों में एक सप्ताह पूर्व लोग द्वारा की गई तैयारियों का समय आते ही रौनक दिखायी पड़ने लगी। सबसे ज्यादा राखी बंधवाने का कौतुहल छोटे बच्चों में देखा गया। जो नये कपड़ों में सजे राजकुमार जैसे दिख रहे थे। उनकी नन्ही कलाई पर बहनों ने भी बड़े प्यार से सुंदर-सुंदर राखियां बांध कर पर्व की परम्परा निभाई।

मिठाई की दुकानों पर रही भीड़

राजधानी मार्ग समेत तमाम मोहल्लों में मिठाई की दुकानें सजी हुई थी। जहां क्षेत्रीय लोग मिठाई खरीद रहे थे लेकिन ऊंची पसंद वाले लोग जगदंबा स्वीट, कृष्णा स्वीट हाउस, सहजनी स्थित संतोष स्वीट में भी भारी भीड़ रही जहां लोगों ने काफी देर तक इंतजार करने के बाद मिठाई मिल सकी।

फोरलेन व नवीन पुल पर घंटों फंसे लोग

संवाददाता, शुक्लागंज(उन्नाव)

अमृत विचार। रक्षाबंधन के त्योहार पर शनिवार सुबह से ही नगर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था चरमरा गई। बाजारों और प्रमुख चौराहों पर रौनक तो रही, लेकिन भारी वाहन दबाव के कारण हाइवे से लेकर नगर के भीतर तक जाम की स्थिति बनी रही। सुबह जैसे ही लोग बाजार और अपने गंतव्यों की ओर निकले, हाइवे, आजाद मार्ग, मरहला, सरैयां, सहजनी, फोरलेन और नवीन पुल पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कानपुर और लखनऊ की ओर जाने वाले वाहन रेंगते हुए बढ़ते रहे, वहीं कई वाहन चालक जाम से बचने के लिए आजाद मार्ग और मरहला चौराहे से निकलने लगे, लेकिन वहां भी दबाव बढ़ने से हालात बिगड़ गए। सहनजी क्रॉसिंग पर भी वाहनों का जमावड़ा बना रहा। पोनी रोड मोड़ से दुर्गा मंदिर और फोरलेन सब्जी मंडी तक दोनों ओर भीषण जाम लगा। जाम की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी पी.के. मिश्रा समेत दर्जनों पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और जगह-जगह जाम खुलवाने में जुट गए। लेकिन वाहनों की अत्यधिक संख्या और बीच-बीच में हो रही बारिश के कारण जाम पूरी तरह नहीं खुल सका। कई जगह लोग अपने वाहन छोड़कर पैदल ही निकलने को मजबूर हुए। इस दौरान जाम में फंसी बहनें भीगती रहीं। त्योहार और गंगा स्नान के कारण रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या सामान्य से कई गुना बढ़ गई। सुबह होते ही प्लेटफार्म यात्रियों से खचाखच भर गए। आरपीएफ और जीआरपी लगातार निगरानी करते रहे। बढ़ी हुई भीड़ के चलते कई यात्री गलती से गलत ट्रेन में चढ़ने लगे, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं, कुछ ट्रेनों के लेट होने से प्लेटफार्म पर भीड़ और बढ़ गई।

फोरलेन पर जाम में फंसे वाहन।

चाइनीज मांझे ले ली युवक की जान

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के कचहरी पुल पर शनिवार सुबह बाइक से जा रहे डिलीवरी ब्वाय की गर्दन पतंग के चाइनीज मांझे से कट गई। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मोहल्ला हिरन नगर निवासी अमर वर्मा (33) पुत्र दिनेश एक निजी कंपनी में डिलीवरी ब्वाय था। शनिवार सुबह 6 बजे डिलीवरी के लिए जाते समय कोतवाली क्षेत्र के कचहरी पुल पर अचानक उड़ती पतंग का मांझा उसकी गर्दन में फंस गया। प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की तेज धार से वह लहूलुहान होकर गिर गया। लोगों ने उसे ई-रिक्शा से अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज शुरू होने से पहले उसकी मौत हो गई। पत्नी कोमल पति की मौत की खबर सुन अचेत हो गई। वहां मौजूद लोगों ने उसे किसी तरह संभाला। अमर की दो साल पहले शादी हुई थी। उसके एक साल की बेटी तिथि है। पिता दिनेश ने बताया कि अमर दो बहनों में इकलौता भाई था।

आस्था की डुबकी

शुक्लागंज (उन्नाव)। पूर्णमासी के अवसर पर शनिवार को हजारों लोगों ने आस्था की डुबकी लगा कर पुण्य कमाया। पूर्णमासी होने के कारण गंगा तट पर सत्य नारायन की कथा भी सुनी। इस दौरान सुबह से दोपहर तक गंगा तटों पर स्नानार्थियों की भीड़ देखने को मिली। शनिवार को नगर के अलावा उन्नाव समेत तमाम स्थानों से सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान किया श्रद्धालुओं की भीड़ नगर के सभी घाटों पर देखी गई। कुछ श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर बैठे पंडों को दान दक्षिणा देने के अलावा सत्य नारायन की कथा का भी श्रवण किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगातट पर लगी दुकानों पर खरीदारी की। गंगा तट पर सुबह से लेकर दोपहर तक स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तट से पुलिस कर्मी नदारद रहे। वहीं शाम के समय गंगा तट पर महाआरती का आयोजन किया गया। जहां आरती के दौरान बज रहे घंटा घड़ियाल से घाट गुंजायमान हो गये।

गायत्री परिवार ने मनाया श्रावणी पर्व

उन्नाव। गायत्री शक्तिपीठ में सुबह 7 बजे से पहले दस स्नानों में सामूहिक रूप से भस्म, मिट्टी, गाय का गोबर, गौमूत्र, दूध, दही, घी, हल्दी, शहद व गंगाजल से स्नान के बाद मंत्रोच्चार के बीच यज्ञोपवीत परिवर्तन कर मां गायत्री का पूजन यज्ञ किया गया। व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने बताया कि रक्षाबंधन वास्तव में स्नेह, श्रद्धा, अपनत्व, भक्ति व रक्षा का बंधन है। श्रावणी पर्व यह बोध देता है कि संस्कार परंपरा हमारे ऋषियों को दिव्य विरासत है। कहा कि हम सबको आपसी स्नेह व प्रेम बनाए रखते हुए राष्ट्र धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

गंगा स्नान करने आए दंपत्ति का मोबाइल चोरी

शुक्लागंज (उन्नाव)। पूर्णिमा स्नान के अवसर पर शनिवार सुबह नमामि गंगे घाट पर स्नान करने आए एक दंपत्ति की आज्ञात चोरों ने नकदी और मोबाइल पार कर दिया। पोनी रोड स्थित अवस्थी फार्म हाउस निवासी राजेंद्र साहू अपनी पत्नी के साथ गंगा स्नान करने पहुंचे थे। राजेंद्र साहू ने बताया कि घाट पर पहुंचकर उन्होंने कपड़े उतारकर किनारे रखे और स्नान करने लगे। इसी दौरान अज्ञात चोर फोन और 12 सौ रुपये नकदी चुरा ले गए।

खेल दिखा जीवकोपार्जन करता है सपेरा समाज

संवाददाता, सफीपुर(उन्नाव)

अमृत विचार। एक ओर जहां सर्प को देखकर हर कोई सहम जाता है। वहीं दूसरी ओर जहरीले सर्पों से कुछ लोगों का जीवन यापन होता है। हाथ के इशारे से सापों को नचाना और पैसे कमाना इनकी जिंदगी का हिस्सा बन गया है। जी हां, हम बात कर रहे हैं उस समाज की जिसे कहीं सपेरा तो कहीं जोगी समाज कहा जाता है। क्षेत्र में इस सपेरा समाज का स्थाई निवास नहीं है। परंतु सावन में पैसे कमाने के लिए यह समाज जगह-जगह डेरा बनाकर रह रहा है।

सावन के महीने में आपको शिव मंदिरों के बाहर अधिकतर संख्या में सर्पों की पोटली लेकर घूम रहे सपेरा समुदाय या जोगी समाज के लोग मिल जाएंगे। हाथ में बीन व कांधे पर झोली जिसमें पड़े 2 से 3 काले सांप इनके जीवन जीने का सहारा हैं। मान्यताओं के अनुसार सावन में सर्पों का दिखना शुभ माना जाता है। इसके चलते यह सपेरा समाज के लोग काले नाग, कोबरा सहित कई अन्य प्रजातियों के सांप लेकर शिव मंदिरों के बाहर या सड़क किनारे घूमते दिखते हैं। भगवान शिव में आस्था रखने वाले इन सर्पों को देख श्रद्धा भाव से जो रुपये देते हैं उससे इन सपेरा समाज का जीवन यापन होता है। कस्बे में सांप की पेटी लेकर घूम रहे हरीश दास कहते हैं कि वह बाहर के रहने वाले हैं। कुछ समय के लिए इस क्षेत्र में आए हैं। उनके साथ 14-15 परिवार सफीपुर क्षेत्र में है। जो अलग-अलग जगह पर रुककर सांप दिखाकर अपनी जीविका चला रहे हैं। वह बताते हैं कि हमारे समुदाय के लोग सर्पों को ज्यादा दिन कैद नहीं रखते। ज्यादा दिन तक कैद में रखने से सांप कमजोर हो जाते हैं।

सपेरों को सावन माह का रहता है इंतजार

सपेरा समाज के लोग कहते हैं कि सावन का महीना उनके लिए किसी त्योहार से कम नहीं होता। पूरे वर्ष वे इस विशेष माह का बेसब्री से इंतजार करते हैं। गांव-गांव घूमकर व सोमवार को मंदिरों के सामने बैठकर वह दिन में 400 से 500 रुपये की कमाई के साथ आटा व चावल आदि का प्रबंध कर लेते हैं।

सजा का भी प्रावधान

बांगरमऊ रेंज के वन क्षेत्राधिकारी नीरज कुमार ने कहा कि सांप को कैद करना अपराध की श्रेणी में आता है। सपेरे ज्यादा तर चलते फिरते रहते हैं। अगर किसी से उनकी शिकायत मिलती है तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। पशु क्रूरता अधिनियम के तहत इसमें सजा का भी प्रावधान है।

परेशानी

आधा सैकड़ा से अधिक मकानों के आसपास बाढ़ का पानी, लोग छतों पर डेरा डाले, चेतावनी बिंदु 112 से महज एक सेंमी दूर गंगा का जलस्तर

गंगा का जलस्तर पहुंचा चेतावनी बिंदु के पास, घरों में घुसा पानी

संवाददाता, शुक्लागंज(उन्नाव)

अमृत विचार। शुक्लागंज में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ते हुए चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच गया है और महज एक सेंटीमीटर दूर है। जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। शनिवार को सुबह से शाम तक पानी में तेजी से वृद्धि हुई और कई इलाकों में घरों के अंदर पानी घुस गया।

केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार शुक्रवार शाम 6 बजे गंगा का जलस्तर 111.680 मीटर था, जो शनिवार सुबह 10 बजे बढ़कर 111.840 मीटर हो गया। दोपहर 2 बजे यह 111.920 मीटर और शाम 6 बजे 111.990 मीटर दर्ज किया गया। यह चेतावनी बिंदु 112 मीटर से महज एक सेंटीमीटर कम है। शुक्लागंज के लिए खतरे का निशान 113 मीटर है। जलस्तर बढ़ने के कारण गोताखोर, हुसैन नगर, सैय्यद कम्पाउंड, कर्बला, शाही नगर, तेज़ी पुरवा, गगनी खेड़ा सहित कई इलाकों में आधा सैकड़ा से अधिक मकानों के आसपास पानी भर गया। प्रभावित परिवार छतों और ऊंचे स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हैं। आवागमन में दिक्कत और पानी में डूबने के डर से लोगों में भय का माहौल है।

जलस्तर बढ़ने से चंपापुरवा में बस्ती के बीच चलती नाव। अमृत विचार

ग्रामीण इलाकों की ओर भी बाढ़ का पानी फैलने लगा है। कटरी से लगे गांवों और खेतों में पानी घुसने से सब्जी की फसलें डूबने का खतरा मंडरा रहा है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं लेखपाल अशोक सैनी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। जहां गोताखोर में तीन नावें आवागमन के लिये लगाई गई है।

भारी मात्रा में बांधों से छोड़ा गया पानी

बैराज बांध के पोस्ट रीडर गेज उत्तम पाल ने बताया कि पश्चिमी क्षेत्रों के बांधों से लगातार भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। शनिवार सुबह नरौरा बांध से 2,81,676 क्यूसेक और शाम 4 बजे 3,05,041 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वहीं बैराज बांध से सुबह 2,68,961 क्यूसेक और शाम को 2,76,993 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। हरिद्वार से भी सुबह 1,08,733 क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया। जलस्तर में इस बढ़ोतरी से निचले और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा और बढ़ सकता है। प्रशासन ने जलस्तर पर लगातार नजर रखने और प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं।

पॉश इलाके में चोरी, आलमारी उठा ले गए चोर

शुक्लागंज (उन्नाव)। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पश्चिमी चौकी अंतर्गत पॉश इलाके गोपीनाथपुरम में शुक्रवार रात चोरों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात चोर घर का मेनगेट तोड़कर अंदर घुसे और कमरे में रखी भारी आलमारी उठा ले गए। गोपीनाथपुरम निवासी स्व. विमल कुमार की पत्नी सुषमा देवी अपनी बेटी गुनगुन के साथ रहती हैं। शुक्रवार रात वह पड़ोसी अनुज तिवारी के घर गई थीं और अपने घर पर ताला बंद कर गई थीं। पड़ोसी अनुज ने बताया कि उन्होंने तीन चोरों को भागते देखा था। सुबह चोरी की जानकारी मिलते ही सुषमा देवी ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची गंगाघाट पुलिस ने छानबीन की। घर से करीब दो सौ मीटर दूर झाड़ियों में आलमारी मिली, लेकिन उसमें रखी लगभग 15 हजार रुपये नकद, 30 लाख एफडी के कागज, कीमती कपड़े गायब था।

अमृत विचार

रविवार, 10 अगस्त 2025

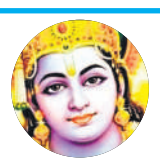

ध्यायतो विषयान्पुंस: सङ्गस्तेषूपजायते।
सङ्गात्संजायते काम: कामात्क्रोधोऽभिजायते॥

गीता में श्री कृष्ण जी कहते हैं, विषय-वस्तुओं के बारे में सोचते रहने से मनुष्य को उनसे आसक्ति हो जाती है। इससे उनमें कामना पैदा होती है और कामनाओं में विघ्न आने से क्रोध की उत्पत्ति होती है। कोशिश करें कि विषयाशक्ति से दूर रहते हुए कर्म में लीन रहा जाए।

गिरते रुपये के बीच निर्यातकों के लिए एक उम्मीद

ट्रंप के टैरिफ ने विश्व व्यापार में अनिश्चितता का माहौल बनाया है। चीन भी टैरिफ विवाद में कूद पड़ा है। इसकी वजह से विश्व व्यापार युद्ध में तब्दील होता जा रहा है। नतीजे में वैश्विक निवेशक डरे हुए हैं। उन्होंने डॉलर को सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हुए, इसमें भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। इस निवेश की प्रवृत्ति ने डॉलर को मजबूत किया है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं- जैसे भारतीय रुपया, ब्राज़ीलियन रियल और थाई बात को कमजोर कर दिया है।

साल 2025 की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बार फिर अनिश्चितता के भंवर में है। अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ युद्ध ने विश्व व्यापार को अस्थिर कर दिया है। अमेरिका ने हाल ही में चीन, भारत, वियतनाम और मैक्सिको जैसे देशों पर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स और स्टील उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा दिए हैं। चीन ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी कृषि उत्पादों पर शुल्क बढ़ा दिए हैं। इस टकराव के कारण वैश्विक निवेशक डरे हुए हैं और उन्होंने डॉलर को एक सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हुए इसमें भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। इस निवेश की प्रवृत्ति ने डॉलर को मजबूत किया है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं- जैसे भारतीय रुपया, ब्राज़ीलियन रियल और थाई बात को कमजोर कर दिया है। जनवरी 2024 में डॉलर के मुकाबले रुपया 82.10 के स्तर पर था, लेकिन अगस्त 2025 तक यह गिरकर 85.34 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच चुका है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की मुद्रा 2025 की दूसरी तिमाही में एशिया की सबसे अधिक गिरावट वाली मुद्राओं में शामिल रही है। यह गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। मुख्य कारण यह है कि भारत अपने कुल आयात का लगभग 23% केवल कच्चे तेल पर खर्च करता है। जून 2025 में ब्रेंट क्रूड की कीमत $88 प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जिसका मतलब रुपये में 7500 प्रति बैरल से अधिक की लागत है। कमजोर रुपया इस आयात को और महंगा बना रहा है, जिससे सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति जुलाई 2025 में बढ़कर 5.8% पर पहुंच गई, जो आरबीआई के 4% के लक्ष्य से काफी अधिक है।

इसके अतिरिक्त, कमजोर रुपया भारत के चालू खाता घाटे को भी बढ़ा रहा है। अभी चालू खाता जीडीपी का 2.1% है, लेकिन यदि तेल और सोने का आयात ऐसे ही बढ़ता रहा तो वित्त वर्ष 2025-26 में यह 3% तक जा सकता है। इसका असर देश की विदेशी मुद्रा स्थिति और बजट संतुलन पर भी पड़ सकता है। वहीं, विदेशी निवेशकों में भी अस्थिरता देखी जा रही है। जुलाई 2025 में एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) ने 12,300 करोड़ की निकासी की है, जिससे सेंसेक्स में 800 अंकों की गिरावट देखी गई। विदेशी मुद्रा में लिए गए कर्ज की लागत भी बढ़ गई है। भारतीय कॉरपोरेट्स पर इस समय $115 बिलियन का विदेशी मुद्रा आधारित कर्ज है और रुपये की गिरावट के चलते इन कंपनियों पर 10-12% तक अतिरिक्त भुगतान दबाव बनने की संभावना है।

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

हालांकि, हर चुनौती के साथ एक अवसर भी छिपा होता है। रुपये की गिरावट भारतीय निर्यातकों के लिए एक सुनहरा अवसर बनकर सामने आई है। जब डॉलर मजबूत होता है और रुपया कमजोर, तब एक डॉलर के बदले निर्यातक को अधिक रुपये मिलते हैं। उदाहरण के तौर पर, जनवरी 2024 में जब डॉलर 82.10 का था, तब एक डॉलर पर उतनी ही राशि मिलती थी, लेकिन अब वही डॉलर 85.34 का हो गया है—इसका मतलब है 3.24 प्रति डॉलर का अतिरिक्त लाभ। यह सीधा फायदा आईटी कंपनियों, टेक्सटाइल निर्यातकों, फार्मा सेक्टर और जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग को हो रहा है।

आईटी कंपनियों की बात करें तो इन्फोसिस, टीसीएस और विप्रो जैसी कंपनियों की 90% आय डॉलर में होती है। इन्फोसिस ने वित्तीय वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 8.3% की आय वृद्धि दर्ज की है, जिसमें रुपये के गिरने का बड़ा योगदान है। इसी तरह भारत के जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर ने जुलाई 2025 में 12% की निर्यात वृद्धि दर्ज की है। टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर में 6.2%, जबकि फार्मास्युटिकल्स में 9% की वृद्धि दर्ज हुई है। खासकर अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के बाजारों में। इन लाभों के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चुनौती है कि वह रुपये की अत्यधिक गिरावट को रोकने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करे, लेकिन इतने स्तर पर कि निर्यातकों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती रहे। जुलाई 2025 तक भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार में $18 बिलियन की डॉलर बिक्री की है, ताकि रुपये को और गिरने से रोका जा सके। इससे भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर $590 बिलियन रह गया है, जो मार्च 2024 में $610 बिलियन था।

सरकार को भी चाहिए कि वह इस अवसर का फायदा उठाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन नीतियों को सशक्त बनाए। एमएसएमई को निर्यात प्रक्रिया सरल करके, लॉजिस्टिक्स में सब्सिडी देकर और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान की जाए। पीएलआई स्कीम (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) को अधिक निर्यात-केंद्रित बनाकर भारत एक बड़ा निर्यातक बन सकता है।

गिरता रुपया भारत के लिए दोहरी चुनौती लेकर आया है। एक तरफ यह महंगाई और विदेशी कर्ज की लागत बढ़ाकर केंद्रीय बैंक के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर यह निर्यातकों के लिए एक लाभदायक अवसर बन रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार मिलकर एक संतुलित नीति बनाएं, जिसमें न तो रुपया अत्यधिक गिरे और न ही निर्यात की संभावनाएं कम हों। यही रणनीति भारत को वैश्विक टैरिफ युद्ध की चुनौतियों से बाहर निकालकर आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बना सकती है।

स्त्री ही चरित्रहीन क्यों! पुरुष क्यों छूट जाते हैं?

हाल ही में एक धार्मिक प्रवचन के दौरान अनिरुद्धाचार्य जी ने कहा, 'कलियुग में वेश्या को वेश्या नहीं कह सकते'। साथ ही उन्होंने महिलाओं के 'लिव-इन' में रहने पर भी टिप्पणी की। अनिरुद्धाचार्य जी, यहीं पर नहीं रुके। उन्होंने यहां तक कह डाला कि पहले तो 14 साल की उम्र में लड़कियों की शादी हो जाती थी अब तो 25 साल की उम्र में शादी होती है। इस दौरान वह कई जगह मुंह मार चुकी होती हैं। अनिरुद्धाचार्य जी, का यह बयान अमर्यादित और निंदनीय होने के साथ ही बाल विवाह को भी प्रोत्साहित करता है। यह कोई चूक नहीं है, बल्कि महिलाओं के प्रति वही पुरानी सड़ी-गली सोच है।

निशा सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

इसी तरह गाहे-बगाहे कुछ धर्म गुरु महिलाओं के खिलाफ विवादित बयान देते रहे हैं, जो महिलाओं के प्रति शायद समाज में नैतिकता के गिरते स्तर और दोहरे मापदंड को दर्शाता है।

भारतीय समाज में नैतिकता की परिभाषा अकसर एकतरफा ही रही है। जब चरित्र पर भाषण होता है तो केंद्र में होती है सिर्फ स्त्री। चाहे बात कपड़ों की हो। संबंधों की या संस्कार की। अगर धर्म गुरु नैतिकता की बात करते हैं, तो यह समान रूप से पुरुष और स्त्री दोनों पर लागू होनी चाहिए। किसी कारणवश लड़की देर से घर लौटे तो सवाल। मुस्कराए तो शक। कपड़े छोटे हों तो चरित्र पर टिप्पणियां होती हैं। वहीं पुरुष देर रात बाहर रहे, रिश्तों में बेवफाई करे या हिंसा करे तो उसे 'पुरुष स्वभाव' कहकर टाल दिया जाता है। मर्द की गलती मर्दानगी और औरत की गलती चरित्रहीनता। ऐसी मानसिकता लैंगिक असमानता को बढ़ावा देती है। इतिहास गवाह है, माता सीता को भी अग्निपरीक्षा देनी पड़ी थी। समय बदला, समाज बदला, लेकिन नारी के चरित्र पर संदेह की परंपरा आज भी जारी है। बस मंच और माइक बदल गए हैं। क्या चरित्र की कसौटी सिर्फ महिलाओं के लिए ही है? यह पितृसत्तात्मक सोच है। आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं तो ये सोच शायद और असहज हो जाती है, इसलिए उनके चरित्र को निशाना बनाकर उसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

> क्या चरित्र की कसौटी सिर्फ महिलाओं के लिए ही है? आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं तो ये सोच शायद और असहज हो जाती है, इसलिए उनके चरित्र को निशाना बनाकर उसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

जब किसी मंच से यह संदेश दिया जाता है कि महिला चरित्रहीन है तो यह सोच समाज में हिंसा, उत्पीड़न और भेदभाव को वैधता देती है। यही कारण है कि अदालतों में भी कभी-कभी पीड़िता से पूछा जाता है कि आप वहां क्यों गईं थीं? कुछ धर्म गुरुओं द्वारा गाहे-बगाहे ऐसा बयान दिया जाना कतई क्षम्य नहीं है। यह सोच, बलात्कार के बाद कपड़ों पर सवाल उठाती है। यह सिर्फ बयान नहीं, मानसिक जहर है। धर्म गुरुओं के लाखों करोड़ों अनुयाई होते हैं, जो उनकी बातों को धर्म ग्रंथ की तरह मान लेते हैं। धर्म का काम तोड़ना नहीं जोड़ना है, लेकिन जब धर्म के मंच से महिलाओं के खिलाफ अशोभनीय, असंवेदनशील भाषाओं की झड़ी लगा दी जाए, तो सवाल उठना लाजिमी है कि यह धर्म का वास्तविक स्वरूप है या पुरुष वर्चस्व को बढ़ावा देना है। जब धर्म के मंच से महिलाओं के खिलाफ शब्दों के बाण छोड़े जाते हैं, तो ये सिर्फ एक महिला नहीं, बल्कि पूरे स्त्री समाज की गरिमा पर चोट पहुंचाता है।

अति महत्वाकांक्षा के दुष्परिणाम

आज के आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में, अति महत्वाकांक्षा, केवल अपने निजी स्वार्थ, ज्यादा से ज्यादा और जल्दी से जल्दी सब कुछ भोग लेने की संस्कृति से उपजा अधकचरा ज्ञान अधिसंख्य व्यक्तियों के धैर्य को समाप्त कर चुका है। सब कुछ जान लेने के दंभ, व्यक्तिगत स्वार्थ और अति महत्वाकांक्षा के मानसिक प्रदूषण ने मानव जीवन को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति इस वातावरण से उत्पन्न समस्याओं से जबरदस्त मानसिक दबाव में है। इस कारण से आज मानव का जीवन बहुत ही कठिन और अस्थिर हो गया है। प्रत्येक व्यक्ति आज इन मानव जनित समस्याओं के कारण जो कि कई बार उसके स्वयं अथवा किसी नजदीकी कारणों से निर्मित होती हैं, व्यक्ति को अंततः अत्यंत मानसिक तनाव के साथ-साथ गहरे अवसाद में ले जाने का कारण बनती हैं। वर्तमान समय में ये समस्याएं एक त्रासदी का रूप लेती जा रही हैं। आए दिन समाचार पत्रों और न्यूज चैनलों में हत्या, आत्महत्या, हिंसा, घरेलू हिंसा विभिन्न प्रकार के अपराध, आपसी वैमनस्यता, नैतिक पतन, रिश्तों का खून, जाति, धर्म और संप्रदाय के झगड़े इत्यादि ढेरों समस्याएं हमारे समाज को अत्यधिक विकृत करती जा रही हैं। इसकी रोक-थाम के लिए अभी हमारा समाज तैयार नहीं है। वैश्विक दूरी कम होने और नई आधुनिक तकनीकी से उत्पन्न विलासिता की सामग्री बाजार में उपलब्ध होने से उसे पाने के लिए हर कोई लालायित रहता है। कई बार उसे पाने की चाह में अपनी क्षमता से आगे जाकर इसके मकड़जाल में फंस जाता है।

मोहन सिंह बिष्ट
वरिष्ठ पत्रकार

आज की आधुनिक बाजार संस्कृति इस प्रवृति को और बढ़ावा देने का कार्य करती है। सरकारें भी अपनी इकनॉमी को बढ़ाने के लिए इसके दुष्परिणामों को अनदेखा कर देती हैं। इस बाजार संस्कृति से सामाजिक ताना-बाना भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पूरा समाज एक भेड़ चाल के माफिक बढ़ा चला जा रहा है। सभी को आगे बढ़ने, अपने ऊंचे ख्वाबों को हकीकत में बदलने की जल्दी है। उसके फलस्वरूप अपनी इच्छा और चाहतों को न पूरा कर पाने अथवा आने वाली चुनौतियों से न निपट पाने पर वे बुरी तरह टूट जाते हैं। उन्हें गलत कदम उठाना ही आसान रास्ता नजर आता हैं। समाज का प्रबुद्ध वर्ग भी इस चक्रव्यूह से प्रभावित है, जिसके कारण इसके समाधान पर कोई गंभीर चर्चा या बहस नहीं होती है। समस्या गंभीर है तो उसके समाधान के प्रयास भी उतने ही गंभीरता से होने चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति आज एक भ्रम और अनजाने भय में जी रहा है। मानसिक रूप से अत्यधिक व्यथित है। अति महत्वाकांक्षा और भोगवादी संस्कृति के चलते अपने ऊपर विलासिता के सामान जुटाने और उच्च श्रेणी के जीवन की चाह में अत्यधिक कर्ज और अपराध के दलदल में धंसने से भी लोग परहेज नहीं करते। आए दिन हमें विभिन्न प्रकार के गंभीर अपराध और हृदय विदारक घटनाओं के समाचार सुनने को मिल जाते हैं, जिससे पूरे समाज में भय और अनिश्चितता का माहौल बन जाता है। ऐसे में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। समाज को व्यवस्थित रूप से इस भ्रम और भय से बाहर निकालने के लिए नैतिक प्रयासों की आवश्यकता है।

इस भ्रम को तोड़ने के लिए मानव मात्र की वास्तविक आवश्यकता और व्यवस्था के लिए सभी विषयों को उनके समक्ष प्रस्तुत करना होगा। वर्तमान में यह कार्य प्राचीन साहित्य से लेकर आधुनिक साहित्य के विचारकों की किताबों, महापुरुषों द्वारा लिखे गए ग्रंथों के अध्ययन के साथ-साथ यथार्थ मानवीय मूल्यों और व्यवहारों का विस्तृत रूप में वास्तविक सत्य अध्ययन के द्वारा किए गए विश्लेषण को आम जन मानस के समक्ष उसी सत्य रूप में प्रस्तुत करने तथा उसके पठन-पाठन को बढ़ावा देकर ज्यादा से ज्यादा उसे मानव व्यवहार में लाए जाने से काफी हद तक इन समस्याओं में सुधार की संभावनाएं हैं।

लोकतंत्र पर उभरते कुछ अहम सवाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। इससे पूरे देश में राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। उनके आरोपों से कई सवाल पैदा हुए हैं और आने वाले समय में इनके जवाब तलाशा जाना जरूरी होगा।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली में आयोजित एक प्रेस वार्ता में जो दस्तावेज़ और आंकड़े सार्वजनिक किए, वे किसी एक निर्वाचन क्षेत्र की विसंगतियों तक सीमित नहीं थे। वे भारत की चुनावी प्रणाली की कुछ संरचनात्मक कमज़ोरियों की ओर संकेत करते हैं। ऐसी कमज़ोरियां जो लोकतंत्र की वैधता की जड़ों को छूती हैं। यह केवल एक राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। क्या हमारा मतदाता सत्यापन तंत्र भरोसे के काबिल है या फिर उसमें कुछ खामियां हैं, जिन्हें दूर किया जाना जरूरी है? राहुल गांधी ने अपने आरोपों का केंद्र कर्नाटक का महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र बनाया। बेंगलुरु का एक तेजी से शहरीकृत इलाका, जिसकी जनसांख्यिकी प्रवासी आबादी, अनियंत्रित रियल एस्टेट विकास और बदलते सामाजिक-आर्थिक ढांचे से बनी है। गांधी का दावा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 1,00,250 कथित फर्जी वोटों का लाभ मिला, जिसके चलते वह बेंगलुरु सेंट्रल सीट पर विजयी हो सकी। उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में 40,009 संदिग्ध पते, 11,965 फर्जी नाम, एक ही पते पर सैकड़ों मतदाता, और 'हाउस नंबर 0' पर 27 वोटर जैसे विवरण शामिल हैं, जो केवल तकनीकी त्रुटियां नहीं, बल्कि गहरी प्रशासनिक चूक की ओर इशारा करते हैं।

महादेवपुरा कोई नया विवाद स्थल नहीं है। 2022 में चिलुमे ग्रुप नामक एक निजी संस्था को बीबीएमपी (बेंगलुरु महानगर पालिका) द्वारा मतदाता डेटा एकत्र करने का ठेका दिया गया था। कांग्रेस का आरोप था कि यह संस्था भाजपा से जुड़ी हुई थी और इसका उद्देश्य मतदाता सूची में पक्षपातपूर्ण छेड़छाड़ करना था। बाद में चुनाव आयोग ने इस पर जांच करवाई। यद्यपि सीधे फर्जी वोटिंग के प्रमाण नहीं मिले, पर यह सामने आया कि चिलुमे ने एक अनधिकृत ऐप (डिजिटल समीक्षा) के जरिए मतदाता डेटा इकट्ठा किया था, जिसे एक विदेशी सर्वर पर संग्रहीत किया गया। यह न केवल निर्वाचन प्रक्रिया की गोपनीयता पर सवाल उठाता है, बल्कि नागरिकों की निजता और डेटा सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा था।

यह मामला भले ही दो वर्ष पुराना हो, लेकिन इसकी परछाई आज भी चुनावी पारदर्शिता पर मंडरा रही है। वर्तमान में उठे सवाल उसी पुराने ढांचे की कमजोरियों को उजागर कर रहे हैं। इन पर आज विचार करना पहले से कहीं अधिक ज़रूरी है। महादेवपुरा जैसे क्षेत्रों में, जहां प्रवासी और अस्थिर जनसंख्या का दबाव है, मतदाता सूची को लेकर हमेशा संवेदनशीलता बनी रहती है। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूचियों में जोड़-घटाव सत्ता पक्ष की शह पर होते हैं। मुद्दा यह नहीं है कि कौन चुनाव जीतता है और कौन हारता है। मुद्दा यह है कि क्या चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास आज भी कायम है। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर अपेक्षित सरकारी शैली में प्रतिक्रिया दी है। 'लिखित शिकायत दें' और 'सार्वजनिक मंचों पर संस्थाओं की गरिमा का ध्यान रखें', लेकिन जब इतने ठोस आंकड़े और विश्लेषण सामने आए हैं, तब आयोग की भूमिका केवल प्रक्रियागत औपचारिकता निभाने तक सीमित नहीं रह सकती।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

यदि राहुल गांधी के आरोप निराधार हैं, तो आयोग को तथ्यों के साथ सार्वजनिक खंडन करना चाहिए। यदि इन आरोपों में दम है, तो एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच अनिवार्य है। भाजपा द्वारा इन आरोपों को 'राजनीतिक हताशा' कहकर नकारना या कांग्रेस द्वारा निर्वाचन आयोग पर पक्षपात का आरोप, ये सब बातें तब तक केवल बयानबाज़ी ही रहेंगी जब तक तथ्य सामने नहीं आते।

मतदाता सूची मात्र एक प्रशासनिक दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि वही दस्तावेज़ है, जिससे चुनाव की वैधता तय होती है। यदि इसमें बार-बार अनियमितताओं के आरोप सामने आते रहे और उन्हें गंभीरता से न लिया जाए तो न केवल चुनाव की प्रक्रिया, बल्कि उस पर आधारित सरकार की साख पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थागत संरचनाओं पर नहीं, बल्कि उस भरोसे पर टिकी होती है, जो जनता इन संस्थाओं पर करती है। यह भरोसा अचानक नहीं बनता। यह समय के साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता की ठोस मिसालों से खड़ा होता है। अगर मतदाता सूची जैसे बुनियादी दस्तावेज पर उठे सवालों को बार-बार टाल दिया गया तो यह खतरा वास्तविक है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी धीरे-धीरे औपचारिकता बनकर रह जाएगी।

मनुष्य जीवनः शरीर आनंदधाम है न कि दुखधाम

मनुष्य जीवन आनंद, उल्लास एवं उमंग के परिणाम स्वरूप प्राप्त हुआ है, इसलिए जितना अधिक आनंद, उल्लास, उमंग जीवन में एकत्र किया जा सके, करना चाहिए। ऐसा करने वाला व्यक्ति बुद्धिमान एवं विवेकवान माना जाएगा, जबकि क्रोध, ईर्ष्या-द्वेष, घमंड करने वाला व्यक्ति महामूर्ख ही कहा जाएगा। भौतिक वस्तुओं से तुलना की जाए तो होता यही है कि जब कोई भौतिक वस्तु बाजार से खरीद कर लाई जाती है तो उसकी बहुत हिफाजत की जाती है! उदारण के तौर पर मान लीजिए कि एक एंड्रॉयड फोन ही खरीद कर बाजार से ले आए, तब सबसे पहले उसका कवर दुकानदार से लेते हैं, ताकि फोन में धूल आदि न जा सके।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

यदि हाथ से छूटकर फोन गिरे भी तो टूटे नहीं। दुःसंयोगवश फोन हाथ से गिर पड़ा और उस पर स्क्रैच पड़ जाता है तो मन दुःखी होता है। पुनः दुकानदार के पास जाकर स्क्रैच ठीक करने का अनुरोध करते हैं। इसके अलावा फोन में इलेक्ट्रॉनिक स्तर पर कचरा भर जाता है तो क्लीनर का उपयोग करते हैं। यह तो एक साधारण भौतिक पदार्थ की बात है। जिस मकान में रहते हैं, उसमें समय-समय पर रंग-रोगन करते हैं। कहीं टूट-फूट हो गया है तो उसकी मरम्मत करते है। इन सारे भौतिक पदार्थों के पास न मन है और न सोचने-समझने की क्षमता, फिर भी ये पदार्थ हमें बाध्य कर देते हैं कि इनकी सलामती के लिए हम सजग रहें, वरना इन पदार्थों का भरपूर उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

अब यहां यह सोचना चाहिए कि इतना उत्तम मानव शरीर मिला है, उसका उपयोग किस रूप में हम कर रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ से लेकर योग विशेषज्ञ तक सलाह दे रहे हैं कि स्वस्थ जीवन के लिए ब्रह्म-मुहूर्त में सो के उठ जाना चाहिए, लेकिन बहुतेरे दिन निकलने के बाद सो के उठेंगे। उठते ही तनाव शुरू होने लगता है। कभी घर के लोगों पर तो कभी बाहरी लोगों पर क्रोध शुरू होने लगता है, जबकि क्रोध आपका शत्रु है। अब तो स्वास्थ्य विशेषज्ञ तक कहने लगे हैं कि क्रोध करने से लीवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन पर जबर्दस्त नुकसान पहुंचता है।

बायोफ्यूल बन रहा है हरित भविष्य की नई आशा

पिछले कुछ वर्षों से पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव झेल रही है और जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आ रही प्राकृतिक आपदाओं की संख्या एवं तीव्रता निरंतर बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन के ही कारण हमारा पारिस्थितिक तंत्र बिगड़ गया है, जिसका असर अब जीवन के लगभग हर क्षेत्र में स्पष्ट देखने को मिल रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण मनुष्यों द्वारा पारंपरिक जीवाश्म ईंधन का बड़े स्तर पर दोहन किया जाना भी है, जिसका पर्यावरण पर बेहद खतरनाक प्रभाव देखा जा रहा है। यही कारण है कि पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के बजाय अपरंपरागत जीवाश्म ईंधन को इस्तेमाल करने की जरूरत महसूस की जा रही है और पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्पों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए ही प्रति वर्ष 10 अगस्त को 'विश्व जैव ईंधन दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाने का उद्देश्य वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण विकास का समर्थन करने में जैव ईंधन के महत्व को पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के एक स्थायी विकल्प के रूप में उजागर करना है। जलवायु परिवर्तन में होती वृद्धि के साथ वैश्विक ऊर्जा खपत पैटर्न में बदलाव अब समय की बड़ी मांग है, इसीलिए जैव ईंधन दिवस के माध्यम से दुनिया भर में लोगों को अक्षय ऊर्जा स्रोतों को गैर-नवीकरणीय जीवाश्म ईंधन से बदलने के लिए प्रोत्साहन देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में विश्व जैव ईंधन दिवस पहली बार अगस्त 2015 में पेट्रोलियम और गैस मंत्रालय द्वारा मनाया गया था। देश में जैव ईंधन का विकास स्वच्छ भारत अभियान और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाओं के अनुरूप ही है। दुनिया भर में अब जैव ईंधन को हमारा भविष्य बचाने के लिए एक उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है। दुबई में हुए 'कॉप-28' में 28वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने और जीवाश्म ईंधन से दूर रहने का आह्वान किया गया था और संयुक्त राष्ट्र जलवायु कांफ्रेंस के इतिहास में ऐसा सुझाव पहली बार दिया गया था। यह अलग बात है कि जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से चलन से बाहर करने का इसमें कोई उल्लेख नहीं था। इससे पहले नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर नौ सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस' (वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन) की शुरुआत भी की गई थी। जैव ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भारत की पहल पर बनाए गए इस गठबंधन के प्रमख उद्देश्यों में प्रौद्योगिकी प्रगति को सुविधाजनक बनाना, टिकाऊ जैव ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना, हितधारकों के व्यापक स्पेक्ट्रम की भागीदारी के जरिए मजबूत मानक सेटिंग, बायोफ्यूल मार्केट को मजबूत करना, वैश्विक बायोफ्यूल कारोबार को सुविधाजनक बनाना, तकनीकी सहायता प्रदान करना इत्यादि शामिल हैं।

जैव ईंधन को ऊर्जा के किसी भी स्रोत, जो जैविक सामग्री हो, जैसे कृषि अपशिष्ट, फसल, पेड़ अथवा घास से निकाला जाता है। जैव ईंधन पर्यावरण के अनुकूल ईंधन हैं, जो कम समय में उत्पादित होते हैं और तरल अथवा गैसीय रूप में संग्रहीत किए जाते हैं। जीवाश्म ईंधन के विपरीत, जैव ईंधन प्रकृति में नवीकरणीय, बायोडिग्रेडेबल और टिकाऊ होते हैं। पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की तुलना में जैव ईंधन में सल्फर नहीं होता और कार्बन मोनोऑक्साइड तथा विषाक्त उत्सर्जन भी कम होता है। कार्बन के किसी भी स्रोत से जैव ईंधन का उत्पादन किया जा सकता है। चूंकि जैव ईंधन को बायोमास संसाधनों की मदद से बनाया जाता है, इसीलिए इसे पुनः बनाया जा सकता है। एक ओर जहां जीवाश्म ईंधन के जलने से कार्बन उत्सर्जन होता है, वहीं जैव ईंधन न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करता है, बल्कि कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता को कम करने की कुंजी भी है।

पारंपरिक ईंधन का वैकल्पिक संस्करण जैव ईंधन पर्यावरण को बेहतर बनाता है। जैव ईंधन ऊर्जा का नवीकरणीय और जैव निम्नीकरणीय स्रोत होता है, जो नवीकरणीय संसाधनों से बनता है और जीवाश्म डीजल की तुलना में अपेक्षाकृत कम ज्वलनशील है। यह कृषि अपशिष्ट अथवा पेड़-पौधों और फसलों, वनस्पति, पशु अपशिष्ट, शैवाल, औद्योगिक अपशिष्ट इत्यादि किसी भी प्रकार की जैविक सामग्री से उत्पन्न हो सकता है, जिसमें काफी बेहतर चिकनाई वाले गुण होते हैं। एक ओर जहां कोयले अथवा तेल के जलने से वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है और ये ईंधन ग्लोबल वार्मिंग का बहुत बड़ा कारण बनते हैं, वहीं जैव ईंधन मानक डीजल की तुलना में कम हानिकारक कार्बन उत्सर्जन का कारण बनता है और ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव को कम करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

यह एक सच्चाई है कि फैशन कभी भी सिर्फ कपड़ों के बारे में नहीं रहा है। इसका सफर एक जीवंत, सांस लेने वाली भाषा जैसा है। एक सांस्कृतिक दर्पण की तरह फैशन यह दिखाता है कि हम खुद को कैसे देखते हैं, और हम कैसा दिखना चाहते हैं। बात कुछ ऐसी भी है कि फैशन के जरिए हम दुनिया में किन बातों या मूल्यों को पेश करना चाहते हैं। प्राचीन राजघरानों के चमक-दमक और पंखों वाले लिबासों से लेकर आज के फ्यूजन और डिजिटल तक, फैशन की रंग-बिरंगी यात्रा प्रेम, सौंदर्य, आकर्षण, पहचान और अपनेपन की तमाम कहानियों से भरी पड़ी है।

जैसा पहनोगे, वैसा बनोगे और जियोगे

हम कौन हैं और दुनिया में खुद को क्या दिखाना चाहते

■ दरअसल, फैशन और जीवन शैली लंबे समय से आपस में जुड़े हुए हैं। जिस तरह के लोग कपड़े पहनते हैं और जीवन शैली के जो विकल्प चुनते हैं, वह उनके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ कहता है, जो उनके मूल्यों, आकांक्षाओं और भावनाओं को दर्शाता है। यह केवल बाहरी दिखावे से कहीं अधिक है, यह एक गहरा संबंध है जो यह बताता है कि हम कौन हैं और दुनिया में खुद को कैसा प्रस्तुत करना चाहते हैं। जैसे एक सदी पहले बाजार, रेस्तरां, गैलरी और किसी के घर जाने के लिए अलग-अलग प्रकार के कपड़े होते थे, जो कठोर सामाजिक बाधाओं को दर्शाते थे। लेकिन आज फैशन ने रचनात्मकता और व्यक्तित्व के एक शक्तिशाली माध्यम में खुद को बदल दिया है। यह पारंपरिक विरासत और अत्याधुनिक तकनीक के प्रभावों का सम्मिश्रण बन गया है। अब यह केवल फिट होने के बारे में नहीं है, बल्कि बाहर खड़े होने और बिना एक शब्द बोले अपने आंतरिक चेहरे को व्यक्त करने के बारे में है।

> फैशन ने बदली लोगों की जीवन शैली: अब पहनावा बन रहा है सोच और पहचान का आईना

हर फैशन कुछ कहता है हर लुक नया दिखता है

■ फैशन अब सिर्फ खूबसूरत दिखने या स्टाइल का मामला नहीं रहा है। यह आपकी सोच, सेहत, पर्यावरण और रिश्तों तक को प्रभावित कर रहा है। पुरानी कहावत 'जैसा खाओ अन्न, वैसा बने मन' की तरह आप 'जो पहनते हैं, वही बन जाते हैं' यह बात आने वाले समय में हकीकत बन जाएगी। आज के दौर में फैशन सिर्फ विकसित नहीं हो रहा है, इसे नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस (एआई) के साथ निजी अनुभवों को आकार देने, स्थिरता को अपरिहार्य बनाने और समावेशिता को प्रतीकात्मकता से आगे बढ़ाने के साथ, हम जो पहनते हैं वह सब कुछ अब केवल स्टाइल के बारे में नहीं है, बल्कि हर फैशन कुछ कहता है, हर लुक नया दिखता है।

'वियर योर वैल्यूज' बना लाइफ स्टाइल की क्रांति

एआई के माध्यम से डिजाइन किए गए आउटफिट्स के जरिए अब किसी भी व्यक्ति की सोच, मूड और मूल्यों को व्यक्त करने का काम शुरू हो चुका है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति जो पर्यावरण के लिए चिंतित है, वह बायोडिग्रेडेबल और रीसायकल कपड़े ही पहनना पसंद करेगा। यह न केवल स्टाइलिश होंगे, बल्कि एक संदेश भी देंगे। वैसे भी फैशन अब केवल कपड़े नहीं, जीवन की सोच, सेहत और समाज का प्रतिबिंब बन चुका है। जिस तरह के आप कपड़े चुनते हैं, वही तय करता है कि आप किस तरह जीते हैं। "वियर योर वैल्यूज" आज के दौर में केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि लाइफ स्टाइल की क्रांति है।

डिजिटल फैशन के साथ डिजिटल लाइफस्टाइल भी

मेटावर्स वर्चुअल रियल्टी में पहनने के लिए लोग डिजिटल कपड़े खरीदते हैं, जो उनका वर्चुअल अवतार दर्शाते हैं। इससे दुनिया में एक नई तरह की डिजिटल जीवन शैली उभर रही है, जिसमें फैशन लोगों की ऑनलाइन पहचान बनता जा रहा है।

डॉ. क्षमा त्रिपाठी प्रोफेसर डीजीपीजी कॉलेज, कानपुर

जैकेट बताएगी आप थक गए हैं थोड़ा आराम कर लें

दुनिया भर में जीवन शैली को हेल्थ आधारित बनाने की होड़ लगी है। ऐसे में जल्दी ही अब फैशन भी यह संदेश देता नजर आएगा कि अमुक परिधान पहनिए और हेल्दी रहिए। ऐसी जैकेट्स आने वाली हैं, जो बताएंगी 'अब बहुत हुआ काम थोड़ा आराम कर लो।' ऐसे पहनावे पर जोर रहेगा जो आपकी फिटनेस और माइंड फुलनेस दोनों सुधारेंगे।

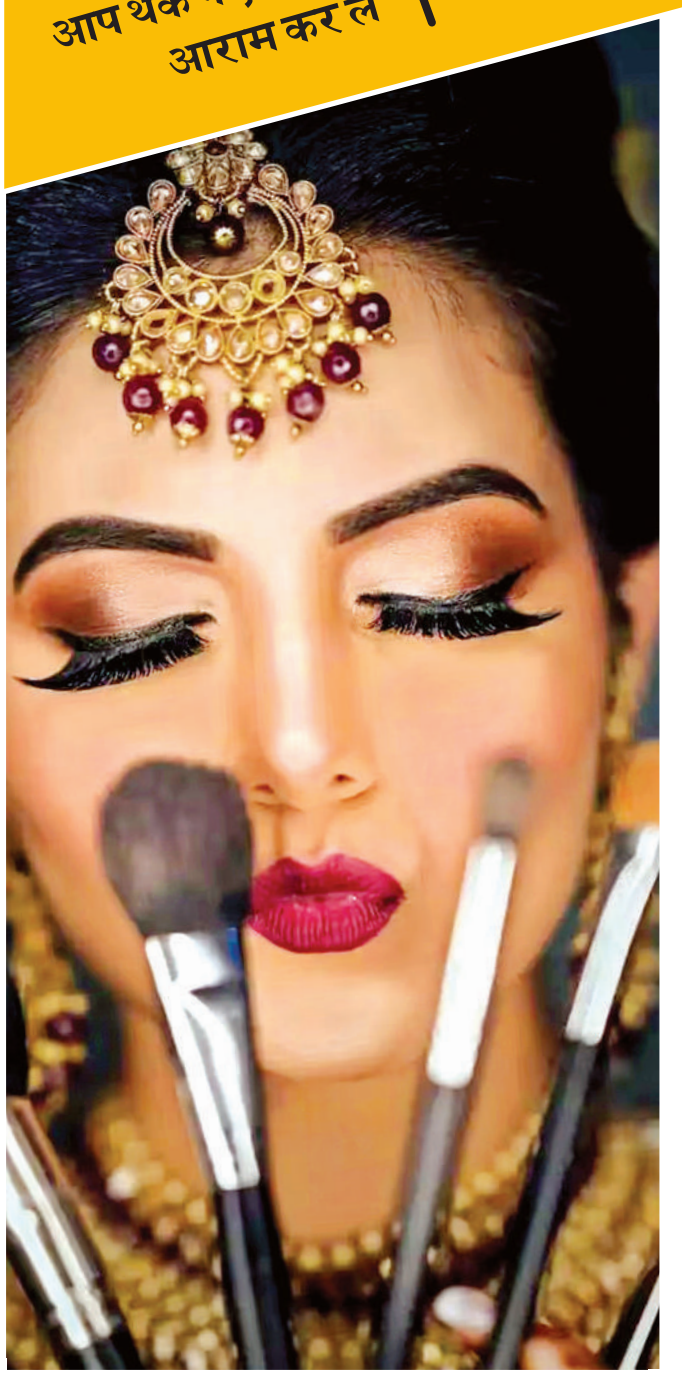

मेकअप हुआ पुराना मेकओवर का जमाना

बीते दो दशक में शादी समारोह की साज-सज्जा और पहनावे में जिस तेजी से बदलाव आया है, उसी तरह महिलाओं के मेकअप में भी बदलाव आया है। पहले दुल्हन बनने के लिए युवतियां चमक-धमक भरे मेकअप को तवज्जो देती थीं, लेकिन अब उन्हें न्यूड मेकअप यानि नेचुरल लुक ज्यादा भा रहा है। पहले सुंदरका दिखाने के लिए मेकअप होता था, अब सौंदर्य निखारने के लिए मेकओवर हो रहा है। पहले के मुकाबले युवतियां अब त्वचा की अधिक केयर कर रही हैं, ताकि केवल शादी या समारोह में ही नहीं, हर मौके पर त्वचा सुंदर दिखे। शादी से छह माह पहले ही प्री-वेडिंग फेशियल इसीलिए शुरू कर देती हैं। बीस साल पहले दुल्हन पर कई तरह के प्रयोग किए जाते थे, चेहरे पर अत्याधिक रंगों का इस्तेमाल किया जाता था। जितना भारी लहंगा होता था, मेकअप भी उसी तरह किया जाता था। लेकिन अब भारी लहंगे पर भी नेचुरल मेकअप का जोर है। त्वचा पर विशेष ध्यान दिए जाने के कारण अब पार्लर जाना मेकअप नहीं मेकओवर कहलाता है।

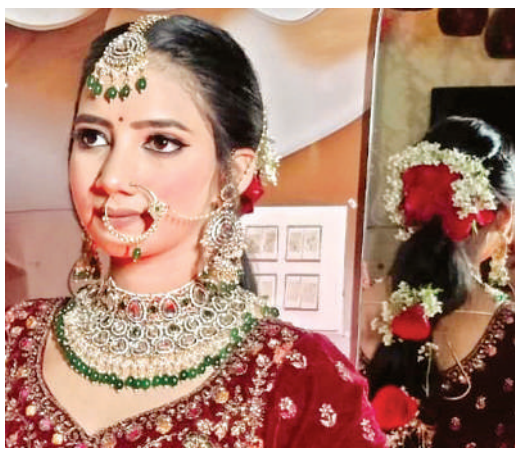

गजरा गायब, अब चलन में आर्टिफिशियल फूल

■ फिल्मी सितारों की शादी में अत्यधिक हल्के मेकअप का इस्तेमाल नजर आने के बाद सॉफ्ट मेकअप का दौर चल पड़ा है। युवतियां मेकअप, कपड़ों और गहनों में हल्केपन को प्राथमिकता देने लगी हैं। पहले मेकअप का अभिन्न अंग गजरा आज गायब हो चुका है। इसकी जगह आर्टिफिशियल फूल चलन में हैं। ये लगाने में आसान हैं, कम पिनों का इस्तेमाल होता है। पहले मांग टीका चलता था, अब शीशपट्टी चलती है।

स्किन केयर के लिए हर्बल प्रोडक्ट की मांग ज्यादा

स्किन केयर के लिए हर्बल प्रोडक्ट बेहतर रहते हैं, हालांकि मेकअप में हर्बल प्रोडक्ट लंबा नहीं टिकते विशेषज्ञ बताते हैं मेकअप के प्रोडक्ट से अधिक जरूरी है क्रियेटिविटी होना।

फिल्मी सितारों के ट्रेंड बदलने से लोगों की पसंद भी बदल गयी है। महिलाएं मेकअप, ज्वेलरी और कपड़े सब हल्का पसंद कर रही हैं।

-हर्ष, मेकअप आर्टिस्ट

पहले मेकअप में काफी प्रयोग होते थे, अब ग्राहक के ऊपर क्या अच्छा लगेगा, इसका विशेष ध्यान रखा जाता है।

-रिचा, मेकअप आर्टिस्ट

पहले उत्पादों की ज्यादा जानकारी नहीं थी। केवल सुंदर दिखने की कोशिश होती थी, अब सौंदर्य निखारना प्राथमिकता रहती है।

-नेहा, मेकअप आर्टिस्ट

लेखिका
शब्या सिंह तोमर, बरेली

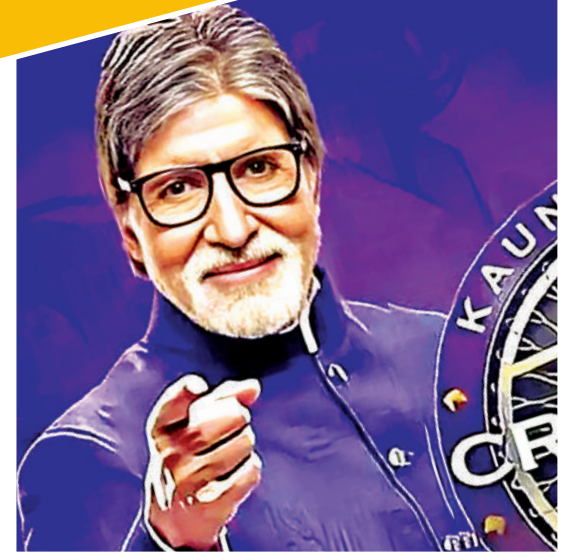

'जहां अकल है, वहां अकड़ है' 'केबीसी' - 17 की पंच लाइन

महानायक अमिताभ बच्चन 11 अगस्त से रात 9 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर 'कौन बनेगा करोड़पति' का 17वां सीजन लेकर आएंगे। इस बार 'केबीसी' शो की टैगलाइन है, 'जहां अकल है वहां अकड़ है'। सीजन-16 की टैग लाइन 'जिंदगी है, हर मोड़ पर सवाल पूछेगी, जवाब तो देना होगा' थी। सीजन 17 के साथ शो के 25 साल पूरे होने के मौके पर अमिताभ ने खास नया तोहफा भी पेश किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा है कि ' मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं और साथ ही घबराया हुआ भी हूं। काम शुरू... सुबह जल्दी उठना, जल्दी काम शुरू... केबीसी के नए सीजन का पहला दिन... हमेशा की तरह घबराहट और कांपते हुए।

रहस्य, रोमांच और भय की सिहरन से भरी है 'वेपन्स'

हॉलीवुड की मिस्ट्री हॉरर फिल्म 'वेपन्स' इसी हफ्ते रिलीज होगी। इसमें एक छोटे से कस्बे की कहानी है, जो एक खौफनाक रहस्य से थर्रा उठता है। 17 बच्चे रात में अचानक नींद से जाग उठते हैं। वे घर छोड़कर भाग जाते हैं, और फिर कभी नजर नहीं आते। उन्हें किसी अदृश्य शक्ति द्वारा अपहृत कर लिया जाता है। सबका शक टीचर जस्टिन गैंडी (जूलिया गार्नर) की तरफ जाता है, क्योंकि सभी बच्चे उनकी ही कक्षा के होते हैं। जब पूरा शहर उस टीचर के खिलाफ हो जाता है, तो वह आर्चर ग्राफ (जोश ब्रोलिन) से हाथ मिला लेती है, जो एक हताश पिता है। इसके बाद फिल्म फिल्म खौफ और रोमांच का जाल बुनती है। फिल्म का लेखन, निर्माण और निर्देशन जैक क्रेगर ने किया है। फिल्म में कैरी क्रिस्टोफर, एल्डेन एहरनेरिच, ऑस्टिन अब्राम्स, बेनेडिक्ट वोंग ने अभिनय किया है।

संचार साथी एप 6 महीने मे 50 लाख बार किया गया डाउनलोड

नई दिल्ली। दूरसंचार सुरक्षा बढ़ाने और आम लोगों को सशक्त करने के उद्देश्य से जनवरी में जारी संचार साथी एप को 50 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया गया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने देश की व्यापक भाषाई और क्षेत्रीय विविधता को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजी, हिंदी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं को सपोर्ट करके एप की पहुंच का विस्तार किया है। इस एप ने धोखाधड़ी वाले कॉल और संदेशों की रिपोर्टिंग को और आसान बना दिया है।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 10 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

एनबीसीसी का लाभ बढ़कर 135 करोड़ पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने बताया कि बेहतर आय से चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 135 .03 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 107 .19 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,465 .48 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 2,196 .20 करोड़ रुपये थी। एनबीसीसी लिमिटेड परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) और रियल एस्टेट व्यवसायों में सक्रिय है।

लॉजिस्टिक्स पार्क को डेवलपर का चयन जल्द

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रेटर नोएडा में 174 एकड़ में फैले मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना के लिए जल्द ही डेवलपर का चयन करेगी। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने हाल ही में इस परियोजना के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। इसका मकसद 1,200 करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित करना, 5,000 नौकरियां पैदा करना और माल ढुलाई में तेजी लाना है। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, सुपर हैंडलर्स और एम्पेजार लॉजिस्टिक्स ने अपनी बोलियां सौंप दी हैं। एक उच्चस्तरीय समिति उनके प्रस्तावों पर विचार करेगी और उसके बाद निर्णय लेगी।

प्रेस्टीज ने 102 एकड़ भूमि का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लि. ने आवास परियोजनाओं के निर्माण के लिए चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 102 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जिससे कंपनी को से 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई होने की संभावना है। बेंगलुरु की कंपनी ने जमीन खरीदने के साथ भू-स्वामियों से साझेदारी भी की है, ताकि अपने आवासीय कारोबार का विस्तार किया जा सके। कंपनी के अनुसार, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई में कुल 102 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया।

निर्यात संवर्धन मिशन जल्द होगा शुरू

2,250 करोड़ के निर्यात को लेकर सहायता उपायों की घोषणा कर सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार जल्द ही 2,250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन के तहत सहायता उपायों की घोषणा कर सकती है, ताकि उद्योग को ट्रंप टैरिफ से पैदा हुईं वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं से बचाया जा सके।

एक अधिकारी ने बताया कि हम यह पता लगाने के लिए निर्यातकों के साथ बात कर रहे हैं कि उन्हें कारोबारी सुगमता जैसे विभिन्न तरीकों से कैसे सबसे अच्छी तरह मदद दी जा सकती है। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि घरेलू खपत को कैसे बढ़ावा दिया जाए। हम नई आपूर्ति श्रृंखलाओं, नए बाजारों और नए उत्पादों पर विचार कर रहे हैं। इस मिशन में छोटे और मझोले उद्योगों और ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए आसान ऋण योजनाएं, विदेश में गोदाम की सुविधा और उभरते निर्यात अवसरों का लाभ उठाने के लिए वैश्विक ब्रांडिंग पहल जैसे उपाय शामिल हो सकते हैं। सरकार ने एक फरवरी को 2,250 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इस मिशन की घोषणा की थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) 30 अप्रैल को निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधियों और अन्य प्रमुख हितधारकों के समक्ष इस मिशन पर एक प्रस्तुति दे चुका है। उद्योग अधिकारियों के अनुसार इस मिशन को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है - व्यापार वित्त सहायता प्रदान करना (निर्यात प्रोत्साहन) और अंतर्राष्ट्रीय समग्र बाजार पहुंच को बढ़ावा देना (निर्यात दिशा) पहल।

भारत, ओमान में जल्द मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर की संभावना

नई दिल्ली। भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, व्यापार समझौते के मसौदे का ओमान में अरबी भाषा में अनुवाद किया जा रहा है, जिसके बाद, दोनों देशों की मंत्रिपरिषद द्वारा समझौते को मंजूरी दी जाएगी। अधिकारी ने कहा, "दोनों देशों ने सैद्धांतिक रूप से समझौते के पूरा होने और उस पर हस्ताक्षर करने की घोषणा एक साथ करने का फैसला किया है।" जब उनसे पूछा गया कि क्या इसमें दो से तीन महीने लगेंगे तो अधिकारी ने कहा, "इससे भी बहुत कम समय लगेगा।" इस समझौते के लिए वार्ता औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई थी।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी और लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने पर भी सरकार का ध्यान

सरकार निर्यात संवर्धन मिशन के तहत डिजिटल व्यापार प्लेटफॉर्म को सशक्त बनाने, उत्पाद गुणवत्ता मानकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने पर भी ध्यान दे सकती है। इसके लिए पोर्ट कनेक्टिविटी में सुधार, कस्टम क्लियरेंस की प्रक्रिया को और तेज व पारदर्शी बनाना तथा निर्यातकों को वैश्विक व्यापार नियमों और अवसरों पर प्रशिक्षण देना शामिल हो सकता है। साथ ही, नए उत्पादों के अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन देकर भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त सुनिश्चित की जाएगी, जिससे निर्यातकों को नए बाजारों में प्रवेश और ब्रांड वैल्यू बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बचत खाते की न्यूनतम राशि

नियम, कारण और बदलाव

बचत खाते में न्यूनतम राशि वह बैलेंस है जो ग्राहक को खाते में रखना होता है। यह सीमा रिज़र्व बैंक तय नहीं करती, बल्कि हर बैंक अपनी नीति के अनुसार तय करती है। परिचालन लागत, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर व आर्थिक परिस्थितियों पर बैंक इसे बदल सकते हैं। हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने बड़ी राहत देते हुए न्यूनतम बैलेंस को समाप्त किया है, जिससे ग्राहकों को पेनल्टी से छुटकारा मिला है। वहीं, निजी बैंक राशि की सीमा रखते हैं और इसे बढ़ा भी चुके हैं।

नियम और कानून

- **आरबीआई :** न्यूनतम बैलेंस पर अनिवार्य सीमा नहीं; निर्णय बैंक का।
- **बैंक का अधिकार :** अपनी नीति के अनुसार सीमा तय करना।
- **पारदर्शिता नियम :** बदलाव से पहले लिखित/डिजिटल सूचना देना अनिवार्य।
- **पेनल्टी :** न्यूनतम सीमा से कम बैलेंस होने पर शुल्क वसूला जा सकता है।

राशि बढ़ाने के कारण

- **परिचालन लागत में वृद्धि :** शाखा, स्टाफ, मेंटेनेंस का खर्च।
- **डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश :** नेटबैंकिंग, मोबाइल ऐप, साइबर सुरक्षा।
- **मुद्रास्फीति :** रुपये की क्रय शक्ति में गिरावट आती है।
- **ग्राहक सेगमेंट बदलाव :** प्रीमियम सेवाओं के लिए बैलेंस की मांग।

ग्राहकों पर असर

- **लाभ :** बेहतर सेवाएं और सुविधाएं। लोन प्रोसेसिंग, बीमा, वेल्थ मैनेजमेंट में प्राथमिकता। बैंक की वित्तीय स्थिरता से जमा की सुरक्षा।
- **हानि :** न्यूनतम राशि न रखने पर पेनल्टी। ग्रामीण/कम आय वर्ग को असुविधा। नकदी तरलता में कमी।

बैंकों पर असर

- **लाभ :** अधिक पूंजी उपलब्धता। परिचालन लागत वसूली। लाभदायक ग्राहक प्रोफाइल।
- **हानि :** ग्राहक पलायन, सेवा सुधार न होने पर नकारात्मक छवि।

सार्वजनिक और निजी बैंक

बैंक प्रकार	न्यूनतम बैलेंस नीति	बढ़ोतरी (%)
सार्वजनिक बैंक	आवश्यकता हटाई	नील
निजी बैंक	एमएबी बढ़ाया	मेट्रो : 400%, ग्रामीण : 500%

सार्वजनिक बनाम निजी बैंक के न्यूनतम बैलेंस को लेकर मानक

सार्वजनिक बैंक : पीएम जन-धन योजना में शून्य बैलेंस खाता; एसबीआई ने 2020 में सभी खातों के लिए न्यूनतम बैलेंस हटा दिया। केनरा बैंक ने मई 2025 में सभी बचत खातों से औसत शेष राशि की आवश्यकता समाप्त कर दी। अधिकांश पीएसबी में अब कोई पेनल्टी नहीं। **निजी बैंक :** उदाहरण के लिए आईसीआईसीआई बैंक ने नए खातों के लिए एमएबी मेट्रो क्षेत्रों में 400% और ग्रामीण में 500% बढ़ाया।

कृषि नीति को नैतिक अवधारणा की ओर बढ़ना चाहिए : कृषि सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **बोले- खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहता है भारत**

केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने शनिवार को देश की कृषि नीति में विशुद्ध उपयोगितावादी की जगह नैतिक सिद्धांतों पर आधारित दृष्टिकोण अपना कर भारत खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में चतुर्वेदी ने कहा कि भारत की हरित क्रांति उपयोगिता-केंद्रित तरीकों से प्रेरित थी, जिसमें पर्यावरण चिंताओं के स्थान पर उत्पादन को प्राथमिकता दी गई थी। जैसे-जैसे हम हरित क्रांति में आगे बढ़े, हम उपयोगितावादी अवधारणा के साथ आगे बढ़े। अब हमें उपयोगितावादी से नैतिक अवधारणा की ओर जाना होगा। चतुर्वेदी ने यह बात, उन नैतिक ढाँचों का उल्लेख करते हुए कहा जो कार्यों का मूल्यांकन केवल उनके परिणामों के बजाय नैतिक नियमों के आधार पर करते हैं। कृषि सचिव ने मौजूदा कृषि पद्धतियों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या देश उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अत्यधिक कीटनाशकों, सिंचाई और भूमिगत जल का उपयोग कर रहा है। उन्होंने ज़ोर दिया कि नीतिगत बदलावों से ऐसी सतत उत्पादन पद्धतियां सुनिश्चित होनी चाहिए जो उत्पादकता के स्तर को बनाए रखते हुए पर्यावरण की रक्षा करें। नीतिगत पहलुओं में सुनिश्चित करना होगा कि हम उपयोगितावादी में बदलाव लाएं ताकि उच्च उत्पादन व उत्पादकता के लिए ऐसी पद्धतियां अपनाएं जो न केवल सतत उत्पादन और आजीविका सुनिश्चित करें बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा करें।

सेबी ने म्यूचुअल फंड वितरकों के लिए लेनदेन शुल्क किया समाप्त

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड वितरकों को दिए जाने वाले लेनदेन शुल्क को समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही वह प्रावधान भी खत्म हो गया है, जिसके तहत संपत्ति प्रबंधन कंपनियां(एएमसी) एक तय सीमा से ऊपर के निवेश पर यह शुल्क देती थीं। सेबी ने कहा कि यह निर्णय मई 2023 में सार्वजनिक परामर्श और इस वर्ष जून में उद्योग परामर्श के बाद लिया गया। पहले के नियमों के तहत, सेबी ने कहा था कि यदि वितरक किसी निवेशक से न्यूनतम 10,000 रुपये की सदस्यता राशि म्यूचुअल फंड में लाते हैं, तो वे ऐसे लेनदेन शुल्क पाने के पात्र होंगे।

रक्षाबंधन पर हुआ 17 हजार करोड़ का कारोबार: कैट

नई दिल्ली, एजेंसी

- **चार हजार करोड़ रुपये की मिठाइयां, ड्राई फ्रूट, फल एवं अन्य अनेक प्रकार के उपहारों की हुई बिक्री**

रक्षाबंधन पर देश भर में 17 हजार करोड़ का कारोबार हुआ। खास बात यह रही कि बाजार में चीन के सामान नहीं दिख रहे थे।

अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ (कैट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि शनिवार को रक्षाबंधन पर देश भर में 17 हजार करोड़ का कारोबार हुआ। इसमें लगभग चार हजार करोड़ रुपये की मिठाइयां, ड्राई फ्रूट, फल एवं अन्य अनेक प्रकार के उपहार का भी व्यापार हुआ। उन्होंने कहा कि यह सारा व्यापार भारतीय वस्तुओं का ही हुआ और चीन के सामान को लेकर ग्राहक उत्साहित नजर नहीं आए वहीं, बाजार में में वह कम ही थे।

कैट शुरू करेगा अभियान

खंडेलवाल ने बताया कि कैट के नेतृत्व में देश के सभी राज्यों के व्यापारी संगठन रविवार, 10 अगस्त से देश भर में स्वदेशी वस्तुएं ही बेचने एवं खरीदने के लिए भारतीय सामान-हमारा स्वाभिमान राष्ट्रीय अभियान शुरू कर रहे हैं। साथ ही 15 अगस्त तक देश भर में तिरंगा उत्सव भी मनाएंगे, जिसके अंतर्गत दुकानों पर तिरंगे झंडे लगाए जाएंगे और बाजारों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

राष्ट्रीय

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया लाठीचार्ज

आरजी कर मामला : पहली बरसी पर बंगाल सचिवालय नबान्न तक निकाले गए मार्च में हुई झड़प

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या की बरसी पर निकाले मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठी भांजती पुलिस। एजेंसी

कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल में एक महिला चिकित्सक से कथित तौर पर दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या की घटना की पहली बरसी पर शनिवार को पश्चिम बंगाल सचिवालय 'नबान्न' तक मार्च के दौरान मध्य कोलकाता के पार्क स्ट्रीट चौराहे पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया।

रानी रश्मोनी रोड सभा स्थल से आगे न बढ़ने की पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करने के बाद विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने की कोशिश में प्रदर्शनकारियों ने अवरोधक को पार करने की कोशिश की जिसके बाद तनाव फैल गया। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल और अन्य विधायकों के साथ 'पार्क स्ट्रीट जेएल नेहरू रोड क्रॉसिंग' पर धरना दिया। आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में अधिकारी और भाजपा के अन्य नेताओं सहित 100 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। अधिकारी ने यह भी दावा किया कि लाठीचार्ज के दौरान आरजी कर पीड़िता के माता-पिता घायल हो गए। अधिकारी ने चेताया, ममता बनर्जी को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह विरोध आगे और भी बड़ा होने वाला है। प्रदर्शनकारियों का समूह शनिवार को हावड़ा जिले के सांतरागाछी पहुंचा और वहां पुलिस के अवरोधक को पार करने का प्रयास किया। नबान्न चलो अभियान के तहत प्रदर्शनकारियों ने मृत चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की और पुलिस अवरोधक के बावजूद राज्य सचिवालय तक पहुंचने का संकल्प व्यक्त किया। एक प्रदर्शनकारी को यह कहते सुना गया, पुलिस हम पर गोली चला सकती है, लेकिन हम नबान्न पहुंचने के लिए दृढ़ हैं, जहां राज्य सरकार को जवाब देना होगा कि एक साल बाद भी अभया (पीड़िता का प्रतीकात्मक नाम) को न्याय क्यों नहीं मिला। पुलिस प्रदर्शनकारियों को कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का पालन करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील कर रही थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 10 फुट ऊंचे अवरोधक पार करने की कोशिश करते दिखे। कुछ प्रदर्शनकारियों को अवरोधकों को तोड़ने और उसे पार करने के लिए भारी औजारों का इस्तेमाल करते भी देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने तिरंगे के अलावा महिला चिकित्सक के लिए न्याय और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग वाले पोस्टर और बैनर लिये हुए थे।

पुलिस ने बिना उकसावे के मेरे साथ बदसलूकी की, मेरी चूड़ियां तोड़ीं : पीड़िता की मां

कोलकाता। आरजी कर अस्पताल की पीड़िता की मां ने शनिवार को आरोप लगाया कि बंगाल राज्य सचिवालय नबान्न तक मार्च में शामिल होने के लिए जाते समय महिला पुलिसकर्मियों ने उनसे दुर्व्यवहार किया। यह मार्च सरकारी अस्पताल में उनकी बेटी की कथित दुष्कर्म के बाद हत्या के एक साल पूरे होने पर बुलाया गया था। पीड़िता की मां ने दावा किया कि हाथापाई में उनका शंख (पारंपरिक शंख चूड़ी) टूट गया और उनके सिर में चोट पहुंची। वे हमें इस तरह क्यों रोक रहे हैं? हम तो बस 'नबान्न' पहुंचना चाहते हैं और अपनी बेटी के लिए न्याय मांगना चाहते हैं। रैली में शामिल लोगों ने महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। मृतक चिकित्सक के पिता ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण रैली के लिए अदालत की अनुमति के बावजूद पुलिस ने परिवार को मार्च में शामिल होने के लिए डोरीना क्रॉसिंग तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की।

संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए किए अनेक प्रयास : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विश्व संस्कृत दिवस पर अपने संदेश में कहा कि उनकी सरकार ने पिछले एक दशक में इस प्राचीन भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत ज्ञान और अभिव्यक्ति का एक शाश्वत स्रोत है तथा इसका प्रभाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है।

मोदी ने कहा कि यह इस भाषा को सीखने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयासरत सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करने का अवसर है। यह दिवस प्रतिवर्ष 'श्रावण पूर्णिमा' के अवसर पर मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सामने रखते हुए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, संस्कृत शिक्षण केंद्रों की स्थापना, इस भाषा के विद्वानों को अनुदान देने और प्राचीन संस्कृत पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए एक मिशन की शुरुआत जैसे विभिन्न उपायों का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि इससे अनगिनत विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को लाभ हुआ है। हिंदू महाकाव्यों समेत कई प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गई हैं। लेकिन संस्कृत अब ऐसी भाषा बनकर रह गई है जो बड़े पैमाने पर धार्मिक कार्यों में ही सीमित हो गई है।

ब्रह्माकुमारी सदस्यों ने मोदी को बांधा रक्षासूत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया, जहां स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संगठन 'ब्रह्माकुमारी' की सदस्यों ने उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। यह त्योहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। मोदी ने इस उत्सव की वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें युवा छात्राओं के समूह ने अपनी खुशी और भावनाओं को व्यक्त किया है। एक छात्रा ने उन्हें योद्धा और रक्षक कहकर सराहा, तो कुछ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। एक स्कूली छात्रा ने कहा कि वह मोदी अंकल के लिए मोर वाली राखी लाई है, जबकि एक अन्य ने उनकी तरह प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई। प्रधानमंत्री ने छात्रा की प्रशंसा की, जिसने कई सरकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्हें एक कविता में शामिल किया था। मोदी ने 'एक्स' पर वीडियो क्लिप पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, आज रक्षाबंधन के एक बेहद खास उत्सव की झलकियां यहां प्रस्तुत हैं।

ईसी ने नियमों के उल्लंघन पर 334 दलों को सूची से हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नियमों के उल्लंघन पर आयोग ने की पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों पर की कार्रवाई**

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शनिवार को कहा कि उसने 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है, जो 2019 से छह साल तक एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। इन दलों के कार्यालय भी कहीं नहीं मिले।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि ये 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (आरयूपीपी) देश भर के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। इस कवायद के बाद कुल 2,854 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से अब 2,520 ही बचे हैं। वर्तमान में, छह राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं। इस साल जून में निर्वाचन आयोग ने 345 ऐसे दलों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी और अंततः 334 को सूची से हटा दिया। अधिकारियों ने बताया कि 2001 से अब तक, निर्वाचन आयोग निष्क्रिय आरयूपीपी को तीन से चार बार हटा चुका है। शीर्ष अदालत ने पहले यह कहते हुए निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द करने से रोक दिया था कि यह कानून के तहत निर्धारित नहीं है। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को सूची से हटाने का तरीका खोज लिया है।

'लापता लेडीज' के बारे में सुना है, लापता उपराष्ट्रपति के बारे में नहीं : सिब्बल

नई दिल्ली, एजेंसी

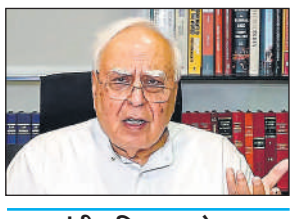

- **गृह मंत्री अमित शाह से धनखड़ को लेकर चिंताओं को दूर करने का किया आग्रह**

पूर्व कानून मंत्री और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मौजूदगी को लेकर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने फिल्म 'लापता लेडीज' के बारे में सुना है, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना। सिब्बल ने गृह मंत्री अमित शाह से धनखड़ के स्वास्थ्य और कुशलक्षेम को लेकर चिंताओं को दूर करने के लिए उनकी स्थिति और वह कहां है इस संबंध में बयान देने का आग्रह किया।

धनखड़ ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सिब्बल ने कहा कि 22 जुलाई को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। उस दिन से हमें नहीं पता कि वह कहां हैं। वह अपने आधिकारिक आवास में नहीं हैं। पहले दिन मैंने उनसे संपर्क करने की कोशिश की और उनके निजी सचिव ने फोन उठाया और कहा कि वह आराम कर रहे हैं।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि कई राजनीतिक सहयोगी भी धनखड़ से संपर्क नहीं कर पाए हैं। सिब्बल ने कहा, मैंने 'लापता लेडीज़' के बारे में तो सुना है, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना। सिब्बल ने कहा कि धनखड़ उपराष्ट्रपति थे और उन्होंने पूरे कार्यकाल में सरकार का समर्थन किया, लेकिन अब लगता है कि विपक्ष को उनका बचाव करना होगा।

दो मालगाड़ियां पटरी से उतरीं, ट्रेन सेवाएं प्रभावित

जमशेदपुर। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में चांडिल के पास शनिवार तड़के दो मालगाड़ियों के 20 से अधिक डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दक्षिण पूर्व रेलवे के चांडिल-टाटानगर खंड के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (आद्रा मंडल) विकास कुमार ने बताया कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने से चांडिल के आसपास ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। ट्रेन सेवा बहाल करने का काम जारी है और विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। कई रेलगाड़ियों का या तो मार्ग बदल दिया गया है या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया है या रद्द कर दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की आत्मनिर्भरता का प्रमाण

पुणे, एजेंसी

- **डीआरडीओ अध्यक्ष ने कहा- भारत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी से सीमाओं की रक्षा करने की क्षमता**

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) अध्यक्ष समीर कामत ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता व स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की ताकत को दर्शाता है। कामत ने डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (डीआईएटी) के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी सीमाओं पर अत्यंत समन्वित एवं बहुआयामी अभियान ने न केवल सैनिकों के साहस को प्रदर्शित किया, बल्कि उस प्रौद्योगिकी को भी रेखांकित किया, जिसने उनका समर्थन किया। ऑपरेशन सिंदूर मिशन से कहीं अधिक था और यह आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता व स्वदेशी प्रौद्योगिकी में भारत की ताकत को प्रदर्शित करता है। ये अभियान दुनिया को संदेश था कि भारत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी से सीमाओं की रक्षा करने की क्षमता है। सेंसर, ड्रोन व सुरक्षित संचार से लेकर एआई आधारित निर्णय लेने में सहायक प्रणाली और सटीक हथियारों तक, स्वदेशी संसाधनों ने अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रक्षा का वचन

रक्षा बंधन के अवसर पर शनिवार को अमृतसर जिले के अटारी-वाघा बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों को राखी बांधतीं युवतियां। एजेंसी

अशफाक-बिस्मिल के भाईचारे की बेमिसाल कहानी

लखनऊ। आजादी की लड़ाई की एक ऐतिहासिक घटना काकोरी ट्रेन एक्शन के नायक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्ला खान एक ही जगह हवन करते और नमाज पढ़ते थे और एक ही थाली में खाना खाते थे। वे हमेशा एक दूसरे के साथ खड़े रहते थे।

अशफाक और बिस्मिल की सौहार्द व भाईचारे की यह क्रांतिकारी कहानी मिसाल के तौर पर याद की जाती है। नौ अगस्त, 1925 को हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) के क्रांतिकारियों बिस्मिल, अशफाक उल्लाहह खान, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी ने लखनऊ जिले के काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन को रोककर गार्ड के केबिन से ब्रिटिश खजाने को लूट लिया था। ब्रिटिश सरकार ने इस योजना को अंजाम देने के लिए चारों को 19 दिसंबर, 1927 को फांसी दे दी थी। अशफाक उल्लाहह खान के बड़े भाई रियासत उल्लाहह

● एक ही जगह हवन करते और नमाज पढ़ते थे और एक ही थाली में खाना खाते थे दोनों

खान के पोते अफाक उल्लाहह खान (55) बताते हैं कि उन दिनों, जब बिस्मिल साहिब शाहजहांपुर के आर्य समाज मंदिर में हवन करते थे, अशफाक उल्लाह साहब उसी स्थान पर नमाज पढ़ते थे।

उन्होंने याद किया कि वे दोनों न केवल एक ही थाली में खाना खाते थे, बल्कि हर समय एक-दूसरे के साथ खड़े भी रहते थे। अफाक उल्लाहह बताते हैं कि काकोरी ट्रेन एक्शन से कुछ महीने पहले, शाहजहांपुर में आर्य समाज मंदिर पर भीड़ के धावा बोलने के बाद सांप्रदायिक दंगा हुआ था। तब अशफाक उल्लाहह साहब भीड़ का सामना करने वाले पहले व्यक्ति थे। अशफाक साहब ने बवाल करने वालों को दूर रहने की चेतावनी दी थी और कहा था कि अगर ऐसा न

हुआ तो वह गोली चलाने से नहीं हिचकिचाएंगे। संस्कृति मंत्रालय की एक पहल भारतीय संस्कृति पोर्टल के अनुसार अशफाक उल्लाहह 1920 में बिस्मिल से मिले और 1927 में उनकी मृत्यु तक उनकी दोस्ती बनी रही।

अशफाक उल्लाह और बिस्मिल ने असहयोग आंदोलन के लिए साथ मिलकर काम किया, स्वराज पार्टी के लिए प्रचार किया और 1924 में सचिंद्र नाथ सान्याल, जोगेशचंद्र चटर्जी और बिस्मिल द्वारा स्थापित हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के लिए मिशन चलाए।

अशफाक उल्लाह को 19 दिसंबर, 1927 को फैजाबाद जिला जेल में फांसी दे दी गई और वे अपने पीछे एक अनोखी विरासत छोड़ गए। अशफाक उल्लाह ने अपनी वसीयत अपने बड़े भाई रियासतुल्लाह खान के साथ साझा की, जिसमें कहा गया था कि परिवार में एक बच्चे का नाम अशफाक उल्लाह रखा जाए। अफाक उल्लाह बताते हैं कि फांसी के कुछ साल बाद मेरे पिता का जन्म हुआ, लेकिन उनका नाम अशफाक उल्लाह नहीं रखा जा सका, क्योंकि यह महसूस किया गया कि अशफाक उल्लाह साहब की फांसी के इतने करीब नामकरण दुखद यादें ताजा कर देगा। इसलिए मेरे पिता का नाम इश्तियाक उल्लाह खान रखा गया। अशफाक साहब की वसीयत के अनुसार मेरे पिता के विवाह के बाद पैदा हुए पहले बच्चे का नाम अशफाक उल्लाहह खान रखा गया।

ब्रीफ न्यूज

अरुणाचल में सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच गोलीबारी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में शनिवार तड़के उग्रवादियों और असम राइफल्स के जवानों के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध नगा उग्रवादियों ने तड़के तीन से चार बजे के बीच लाजू के पास नोग्लो में असम राइफल्स के शिविर को निशाना बनाकर गोलीबारी की। तिरप के पुलिस अधीक्षक आदित्य ने बताया कि असम राइफल्स के जवानों ने हल्की मशीनगनों से जवाबी कार्रवाई की, जिससे हमलावर भाग गए।

बलूचिस्तान में 47 उग्रवादी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान सीमा के पास बलूचिस्तान प्रांत में पिछले दो दिनों में कम से कम 47 उग्रवादियों को मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। कहा कि सुरक्षा बलों ने सात-आठ अगस्त की दरमियानी रात झोब जिले के संबाजा क्षेत्र में अभियान चलाकर 33 उग्रवादियों को मार गिराया। इसके अलावा आठ-नौ अगस्त की दरमियानी रात अफगानिस्तान सीमा से लगे संबाजा के आसपास के क्षेत्रों में एक अन्य अभियान में 14 उग्रवादी मारे गए। आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए।

अटलांटा में गोलीबारी में पुलिस अफसर की मौत

अटलांटा। अटलांटा स्थित अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के मुख्यालय के बाहर शुक्रवार को एक व्यक्ति ने गोलीबारी कर दी। जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। बाद में बंदूकधारी का शव भी परिसर के दूसरी ओर एक इमारत की दूसरी मंजिल पर पाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एमोरी विश्वविद्यालय के निकट हुए इस हमले के कारण देश के सबसे प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में से एक पर एक व्यापक कानून प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

नासा अंतरिक्ष यात्री जिम लवेल का निधन

वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के कई अंतरिक्ष मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिम लवेल का 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया। लवेल 1970 में चंद्रमा पर उतरने के अपने प्रयास को तकनीकी कारण छोड़ने के लिए मजबूर हुए थे। उन्होंने अपोलो 13 मिशन का नेतृत्व किया था। नासा की विज्ञप्ति के अनुसार लवेल का 7 अगस्त को इलिनोइस के लेक फ़ॉरेस्ट में निधन हो गया। उनकी मृत्यु का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखेगा भारत

डोभाल ने रूस के उप-प्रधानमंत्री से सैन्य-तकनीकी संबंधों पर चर्चा की

मॉस्को, एजेंसी

भारत ने दोहराया है कि बाहरी दबाव के बावजूद वह सभी मोर्चों पर रूस का सहयोग जारी रखेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ मुलाकात के दौरान ये प्रतिबद्धता दोहराई दोहराई। इस दौरान द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा हुई।

डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तैयारी के लिए रूस में हैं। भारत स्थित रूसी दूतावास के अनुसार, डोभाल और मंतुरोव की मुलाकात शुक्रवार को हुई। दूतावास ने एक पोस्ट में कहा कि इस बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई।

रूसी सरकार की प्रेस सेवा ने एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने रूस और भारत के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग के

रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ मुलाकात करते अजीत डोभाल।

सामयिक मुद्दों और नागरिक विमान, धातु विज्ञान और रासायनिक उद्योग समेत अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की।

डोभाल ने बृहस्पतिवार को क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान, उन्होंने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। डोभाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी करके रूस से तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इसके बाद कुल शुल्क 50 फीसदी हो गया है। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने आभार के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की थी और इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी।

ट्रंप का फिर दवा- मैंने परमाणु युद्ध जैसी स्थिति को रोका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष के बाद स्थिति को संभाला था। जो एक परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में शुक्रवार को यह भी दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान पांच या छह विमान मार गिराए गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये विमान किस देश के थे, भारत या पाकिस्तान, या फिर वह दोनों देशों के कुल नुकसान की बात कर रहे थे। जबकि भारत यह कहता रहा है कि दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) ने अपनी सैन्य कार्रवाई आपसी बातचीत के जरिए रोकी थी और इसमें अमेरिका की कोई मध्यस्थता नहीं थी। ट्रंप ने यह बयान अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान की मौजूदगी में दिया। ये तीनों नेता एक त्रिपक्षीय हस्ताक्षर समारोह में शामिल थे, जहां अमेरिका की मध्यस्थता में एक शांति समझौते पर दस्तखत किए गए।

15 अगस्त को अलास्का में होगी ट्रंप-पुतिन की मुलाकात

● यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर बातचीत करना चाहते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए संभावित शांति समझौते की शर्तों का पूर्वावलोकन करने के बाद अगले शुक्रवार को अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे।

ट्रम्प ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा- अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बहुप्रतीक्षित मुलाकात अगले शुक्रवार, 15 अगस्त को अलास्का में होगी।

बताया कि बैठक से जुड़ीं जानकारियां जल्द बताई जाएंगी। ट्रम्प पहले ही कह चुके हैं कि वह पुतिन से जल्द मिलकर यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर बातचीत करना चाहते हैं। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति आखिरी बार जून 2021 में मिले थे। उस वक्त तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और पुतिन ने जिनेवा में मुलाकात की थी।

यूक्रेन के खेरसॉन शहर में ड्रोन से हमला

यूक्रेन के शहर खेरसॉन के उपनगरीय इलाके में शनिवार को रूसी ड्रोन से एक मिनीबस पर हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हो गए। खेरसॉन के गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुडिन ने यह जानकारी दी। जापोरिज्जिया के गवर्नर इवान फेडोरोव के अनुसार, क्षेत्र में एक रूसी ड्रोन के हमले में दो लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की वायु सेना ने शनिवार को कहा कि उसने रात में दागे गए 47 रूसी ड्रोनों में से 16 को नष्ट कर दिया, जबकि 31 ड्रोन 15 अलग-अलग जगहों पर गिरे। वायु सेना ने यह भी कहा कि उसने रूस द्वारा दागी गई दो मिसाइल में से एक को गिरा दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके हवाई सुरक्षा बलों ने शनिवार रात तक रूस और काला सागर के ऊपर 21 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया।

अमेरिका-रूस वार्ता में यूक्रेन की भागीदारी जरूरी: जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक को खारिज करते हुए शनिवार को चेताया कि अगर कोई शांति समझौता कीव को शामिल किए बिना किया गया तो यह समाधान बेमानी होगा। अलास्का में शुक्रवार को होने वाली बैठक को लेकर संभावना जताई जा रही है कि इसमें कुछ सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकता है। टेलीग्राम पर एक बयान में जेलेंस्की ने कहा कि संविधान में निहित यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थायी शांति के लिए वार्ता में यूक्रेन को भी शामिल किया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन रूस को उसकी करतूतों के लिए कोई इनाम थोड़े ही देगा और यूक्रेनवासी अपने जमीन को जबरन कब्जे करने वाले को नहीं देंगे। यूक्रेन की यह चिंता है कि पुतिन और ट्रंप की बैठक से कीव और यूरोपीय हितों को नजरअंदाज किया जा सकता है। इस पर जेलेंस्की ने कहा, ''यूक्रेन को शामिल किए बिना जो भी हल निकाले जाएंगे, वे शांति के खिलाफ होंगे।

झारखंड के शीर्ष अफसरों पर विशेषाधिकार हनन का केस

रांची, एजेंसी

● निशिकांत दुबे ने बैद्यनाथ मंदिर में जबरन प्रवेश की एफआईआर के बाद की लोस अध्यक्ष से शिकायत

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत कर मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक समेत झारखंड के कई अधिकारियों पर विशेषाधिकार हनन का मामला दर्ज किया है। दुबे ने यह कदम अपने खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद उठाया।

झारखंड पुलिस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे व मनोज तिवारी और अन्य के खिलाफ दो अगस्त को रात 8.45 बजे से नौ बजे के बीच देवघर

स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पुजारी कार्तिकनाथ ठाकुर की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।

पंजाब से 18 घंटे में अनंतनाग पहुंची सीमेंट से लदी मालगाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

● कश्मीर तक मालगाड़ी पहुंचाना महत्वपूर्ण उपलब्धि : अश्विनी

उत्तर रेलवे ने शनिवार को पहली बार पंजाब के रूपनगर से कश्मीर के अनंतनाग तक सीमेंट ले जाने वाली मालगाड़ी चलाई। जोकि 600 किलोमीटर की यात्रा तय करके 18 घंटे में अनंतनाग पहुंची।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची मालगाड़ी कश्मीर घाटी को राष्ट्रीय माल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज (नौ अगस्त) को पहली मालगाड़ी पंजाब से कश्मीर घाटी में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची, जो कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रेलवे नेटवर्क द्वारा माल ढुलाई से कश्मीर घाटी में रहने वाले नागरिकों के लिए लागत कम हो जाएगी। उत्तर रेलवे ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन थे। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने कहा लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर समाप्त हुई। कहा कि सीमेंट लेकर पहली बार मालगाड़ी वहां पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र में रसद और आर्थिक विकास के एक नए दौर का समर्थन करने को लेकर रेलवे की तत्परता को रेखांकित करता है। उपाध्याय के अनुसार, इस मालगाड़ी से पहुंचाए गए सीमेंट का इस्तेमाल घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण में किया जाएगा।

नागासाकी में परमाणु हमले की 80वीं बरसी पर कार्यक्रम

नागासाकी, एजेंसी

जापान के नागासाकी में अमेरिका द्वारा किए गए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी पर स्मृति कार्यक्रम आयोजित हुए। इस हमले में जीवित बचे लोग इस दिशा में काम कर रहे हैं कि दुनिया के किसी भी हिस्से को इस तरह के हमले का सामना न करना पड़े।

हमले से बचे लोगों ने परमाणु हथियारों को खत्म करने के साझा लक्ष्य के लिए सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि शनिवार को जहां एक तरफ इस हमले की बरसी

मनाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर दुनिया विपरीत दिशा में जा रही है। अमेरिका ने नौ अगस्त 1945 को नागासाकी पर परमाणु बम गिराया था जिसमें करीब 70,000 लोगों की जान चली गई थी। इससे तीन दिन पहले छह अगस्त को हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से लगभग 1,40,000 लोग मारे गए थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 अगस्त, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 12.09 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

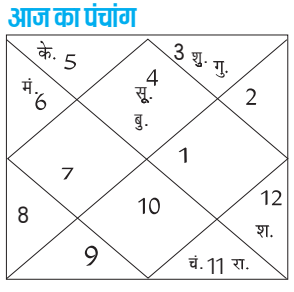

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।

ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-धनिष्ठा 13.52 तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। काम की उलझनों के कारण आप फंस सकते हैं। शरीर में थकावट और कमजोरी हो सकती है। प्रेम संबंधों में एक दूसरे की भावनाओं का ध्यान रखें। शाम से पहले आवश्यक कार्यों को पूर्ण कर लेना हितकर होगा।

वृष आज स्वजन आपका प्रोत्साहन बढ़ायेंगे। पिता के प्रति आदर का भाव बढ़ेगा। दिखावे के लिए धन खर्च कर सकते हैं। जरूरतमन्द लोगों की मदद करेंगे। अव्यवहारिक लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ उठायें।

मिथुन आज नई नौकरी आरंभ करने के लिए समय उत्तम है। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। लोगों के बीच आपके संपर्क का दायरा बढ़ेगा। कारोबार में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। व्यवसाय में आपकी स्थिति मजबूत होगी।

कर्क आज परिवार में आपके सदगुणों की प्रशंसा होगी। बड़े-बुजुर्गों के लिए उपहार खरीद सकते हैं। जल्दबाजी और क्रोध के कारण काम रुक सकते हैं। मन में अभिनव विचार जन्म लेंगे। अपनी सोच का दायरा विस्तृत रखें।

सिंह आज आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अनावश्यक खर्चों की चिंता मन में रहेगी। नकारात्मक बातों को ज्यादा तूल न दें। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचें। जीवनसाथी को पर्याप्त समय देंगे।

कन्या आज घर का वातावरण अनुशासित और मर्यादित रहने वाला है। रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिल सकते हैं। परिजनों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। राजनीतिक संपर्क मजबूत होंगे। विरोधियों के ऊपर विजय प्राप्त होगी।

तुला आज आपकी मन :स्थिति विचलित हो सकती है। स्वार्थी व्यवहार के कारण लोग आपसे खिन्न हो सकते हैं। अपने खानपान को संयमित रखें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जिम्मेदारियों के बोझ तले दब सकते हैं। मांगलिक कार्य की योजना बनायेंगे।

वृश्चिक आज अपनी रुचि के अनुसार काम करने का प्रयास करें। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपके अधिकार बढ़ने के योग बन रहे हैं। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। लोग आपके प्रति सहानुभूति रखेंगे।

धनु आज पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है। अनैतिक कार्यों से आपको दूरी बनाकर रखनी चाहिए। आपको लोन और कर्ज लेने से बचना चाहिये। प्रेमी जन के साथ संबंध मधुर रहने वाला है।

मकर आज वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। पुराने मामलों का निपटारा हो सकता है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आय के साधनों में वृद्धि होगी। आज मेहनत में कमी हो सकती है। घर के कार्यों में मन नहीं लगेगा।

कुंभ आज अपनी दिनचर्या में बदलाव कर सकते हैं। ट्रांसपोर्ट से जुड़े व्यवसाय में अच्छी आय बढ़ सकती है। मनोरंजक गतिविधियों की ओर आप आकर्षित रहेंगे। विदेश यात्रा में आ रही रुकावट दूर होगी। मानसिक रूप से शांति का अनुभव करेंगे।

मीन आज दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर हो सकती है। अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। काम की उलझनों में आप फँस सकते हैं। अपरिचित लोगों से अधिक मेलजोल न रखें। बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें। परिजनों के व्यवहार से मन प्रसन्न रहेगा।

सुडोकू-65

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1	5					8		2
		6			4			
	8					7	6	
	4		1		5			8
		3				9		
8			6		2		4	
	6	8					9	3
			7			2		
2		9					7	5

सुडोकू - 64 का हल

1	6	3	2	8	5	7	9	4
4	8	2	6	7	9	3	5	1
5	7	9	1	4	3	6	2	8
2	1	5	4	3	6	9	8	7
9	4	7	8	5	1	2	6	3
8	3	6	7	9	2	1	4	5
3	5	1	9	2	4	8	7	6
7	2	4	3	6	8	5	1	9
6	9	8	5	1	7	4	3	2

मुझे लगता है कि गंभीर को अपनी भाषा में थोड़ा नरमी बरतनी चाहिए थी। वह बेहतर भाषा का इस्तेमाल कर सकते थे, पर वास्तविकता यह है कि उनकी टीम सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट मैच से पहले अभ्यास करना चाहती थी।
-मैथ्यू हेडन

स्टेडियम

कानपुर, रविवार, 10 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मोहन बागान ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

कोलकाता : मोहन बागान सुपर जायंट्स ने शनिवार को यहां ग्रुप बी के महत्वपूर्ण मैच में डायमंड हार्बर एफसी को 5-1 से हराकर डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अनिरुद्ध थापा ने गोल कर मोहन बागान को आगे कर दिया लेकिन पांच मिनट बाद लुका माजसेन ने बराबरी का गोल दाग दिया। पर इसके बाद जेमी मैकलारेन, लिस्टन कोलाको, सहल अब्दुल समद और जेसन कमिंग्स ने गोल कर सुनिश्चित किया कि मोहन बागान ग्रुप विजेता के रूप में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाए।

बोडोलैंड जीता, पंजाब डूरंड कप से बाहर

कोकराझार (असम) : कोलंबियाई फुटबॉलर रॉबिन्सन ब्लैंडन रेंडन के दूसरे हाफ में किए गए गोल की बदौलत बोडोलैंड एफसी ने शनिवार को यहां पंजाब एफसी को 1-0 से हराकर डूरंड कप से बाहर कर दिया। इस जीत से स्थानीय टीम टूर्नामेंट के ग्रुप डी में शीर्ष पर भी पहुंच गई। पंजाब एफसी ने ग्रुप चरण का अभियान दो मैच में चार अंकों के साथ समाप्त किया जबकि बोडोलैंड एफसी के दो मैचों में छह अंक हैं।

दीक्षा लंदन चैंपियनशिप में 10वें स्थान पर रहीं

लंदन (ब्रिटेन) : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने डबल बोगी से उबरते हुए आखिरी चार होल में दो बर्डी लगाकर पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के पहले दिन तीन अंडर 70 का कार्ड खेला। लेडीज यूरोपियन टूर टूर्नामेंट के पार-73 कोर्स में इस कार्ड से वह संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर थीं। वहीं अन्य भारतीयों में अदिति अशोक (73) संयुक्त 37वें, प्रणवी उर्स (75) संयुक्त 67वें और अवनि प्रशांत (76) संयुक्त रूप 75वें स्थान पर रहीं। अदिति ने चार बर्डी लगाई और इतनी ही बोगी कर बैठीं जबकि प्रणवी ने दो ओवर 75 के कार्ड में पांच बर्डी, तीन बोगी और दो डबल बोगी लगाई। अवनि ने 76 होल में एक बर्डी लगाई और चार बोगी कर बैठीं।

पाउला बडोसा अमेरिकी ओपन से हटे

न्यूयॉर्क : पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। वह 30 जून को विंबलडन में पहले दौर में हार के बाद से चोट से जूझ रही थीं। अमेरिकी टेनिस संघ ने बडोसा के हटने की घोषणा की और कहा कि उनकी जगह जिल टेचमैन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 24 अगस्त को शुरू होंगे। स्पेन की 27 वर्षीय बडोसा 2022 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची थी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं। वह पिछले साल अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

हरियाणा, उत्तर प्रदेश सेमीफाइनल में

काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) : हरियाणा, छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तर प्रदेश ने शनिवार को यहां हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के डिवीजन ए के सेमीफाइनल में जगह बनाई। हरियाणा ने दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में ओडिशा पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। उसकी तरफ से काजल, सुप्रिया, कप्तान शशि खासा और सादी ने गोल किए। ओडिशा के लिए एकमात्र गोल अमीषा एक्का ने किया। छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की। झारखंड ने पंजाब को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र पर 2-1 से जीत दर्ज की।

एरिगेसी तीसरे दौर के बाद दूसरे स्थान पर

चेन्नई : भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन को हराकर क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स के तीसरे दौर के बाद अकेले दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन शीर्ष पर काबिज हैं। मास्टर्स वर्ग में राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में छह दौर और बाकी हैं। पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी के 2.5 अंक हैं जबकि कीमर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में कार्तिकेयन मुरली के खिलाफ एक और जीत हासिल करने के बाद तीन अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

अंतिम टेस्ट मैच से पहले पिच पर क्या कर रहे थे क्यूरेटर

गंभीर से हुई थी तीखी बहस, हेडन बोले- इंग्लैंड में क्यूरेटरों का दबदबा आम

मेलबर्न, एजेंसी

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से पहले ओवल के क्यूरेटर के साथ तीखी बहस के दौरान अपनी भाषा में नरमी बरत सकते थे।

पांचवें टेस्ट से पहले गंभीर की ओवल के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ तीखी बहस हुई थी और उन्हें मैदानकर्मियों पर उंगली उठाते हुए यह कहते सुना गया था कि आप हमें यह नहीं बता सकते कि हमें क्या करना चाहिए।

हेडन ने ऑल ओवर बार द क्रिकेट कार्यक्रम में कहा वे (क्यूरेटर) पिचों को लेकर बचाव की मुद्रा में हो सकते हैं। इंग्लैंड में यह आम बात है। यह उनका अपना मैदान है और हम अंतिम टेस्ट मैच खेलने जा रहे हैं। ऐसे में वे गौतम गंभीर के लिए मुश्किलें खड़ी करने की कोशिश करेंगे। हेडन ने कहा लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी भाषा में थोड़ा नरमी बरतनी चाहिए थी। वह बेहतर भाषा का इस्तेमाल कर सकते थे। लेकिन वास्तविकता यह है कि उनकी टीम सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट मैच से पहले अभ्यास करना चाहती थी। चौथे टेस्ट के बाद इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था और भारत को पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को ड्रॉ कराने के लिए जीत की दरकार थी। भारत ने आखिर में यह मैच जीत कर श्रृंखला बराबर की थी। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक के अनुसार, यह बहस तब शुरू हुई जब फोर्टिस ने भारतीय कोचिंग स्टाफ को मुख्य पिच से 2.5 मीटर दूर रहने को कहा, जबकि उन्होंने कील वाले जूते नहीं पहन रखे थे। गंभीर ने तब जवाब दिया था आप हममें से किसी को यह नहीं बता सकते कि हमें क्या करना है। आपको हमें बताने का कोई अधिकार नहीं है। आप सिर्फ एक मैदानकर्मी हैं, इससे ज्यादा कुछ भी नहीं।

ओवल में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और क्यूरेटर के बीच बहस का दृश्य। एजेंसी (फाइल फोटो)

फिट होने के लिए रिहैबिलिटेशन का विकल्प चुन सकते हैं वोक्स

लंदन : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स इस साल के अंत में होने वाली एशेज श्रृंखला तक फिट होने के लिए कंधे की सर्जरी कराने के बजाय रिहैबिलिटेशन का विकल्प चुन सकते हैं। वोक्स भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके कंधे पर चोट लगी थी। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी का स्कैन हो चुका है और वह नतीजों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि आठ सप्ताह का रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम उन्हें 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए तैयार कर सकता है। वोक्स ने बीबीसी स्पोर्ट से कहा मैं यह देखने के लिए इंतजार कर रहा हूं कि चोट कितनी गंभीर है लेकिन मुझे लगता है कि विकल्प सर्जरी या रिहैबिलिटेशन हो सकता है। मैं मानता हूं कि यह चोट मुझे दोबारा परेशान कर सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक ऐसा जोखिम हो सकता है जिसे आप लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा मैंने फिजियो और विशेषज्ञों से जो सुना है, उसके अनुसार सर्जरी के बाद फिट होने में लगभग चार महीने या तीन से चार महीने लगेंगे। जाहिर है, यह एशेज और ऑस्ट्रेलिया से जुड़ा है, इसलिए यह मुश्किल है। रिहैबिलिटेशन में आठ सप्ताह का समय लगेगा इसलिए यह एक विकल्प हो सकता है लेकिन मैं कोई भी फैसला रिपोर्ट आने के बाद करूंगा।

ऑस्ट्रेलिया ए ने महिला टी20 में भारत ए को हराया

मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया) : तेज गेंदबाज किम गार्थ की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को दूसरे अनधिकृत टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 114 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत ए ने टॉस जीता और क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, लेकिन यह सही साबित नहीं हुआ और ऑस्ट्रेलिया ए की टीम चार विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रही।

उसकी पारी का आकर्षण कप्तान एलिसा हीली की 44 गेंद पर खेली गई 70 रन की पारी थी। इसके जवाब में बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम किसी भी समय लक्ष्य तक पहुंचाने की स्थिति में नहीं दिखी और 15.1 ओवर में 73 रन पर आउट हो गई। हीली की ताहलिया विल्सन (35 गेंदों पर 43 रन) के साथ 95 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मजबूत नींव रखी। इन दोनों के अलावा अनिका लियरॉयड (35) और कोर्टनी वेब (नाबाद 26) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और उनकी सलामी जोड़ीदार उमा छेत्री के विकेट तब गंवा दिए जब टीम का स्कोर केवल तीन रन था। भारत इससे उबर नहीं पाया और उसे बड़ी हार का सामना करना पडा।

भारत की केवल दो खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंच सकीं, जिनमें वृंदा दिनेश और मिन्नू ने क्रमशः 21 और 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ए की 29 वर्षीय तेज़ गेंदबाज़ गार्थ ने तीन ओवर में सात रन देकर चार विकेट लिए।

जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती न्यूजीलैंड की टीम। एजेंसी

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पारी और 359 रनों से रौंदा

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी

- रिकॉर्ड बनाने के साथ 2-0 से जीती श्रृंखला

न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर अपनी अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के साथ श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। जिम्बाब्वे की टीम 476 रनों से पिछड़ रही थी और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे दिन पहले सत्र में दूसरी पारी में 117 रन पर सिमट गई।

न्यूजीलैंड ने पहली पारी तीन विकेट पर 601 रन पर घोषित की थी और जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 125 रन बनाए थे। पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलक्स ने पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 37 रन देकर पांच विकेट लिए। वह अपने यादगार पदार्पण टेस्ट में 10 विकेट लेने से एक विकेट से चूक गए। लेकिन फिर भी फाउलक्स का मैच 75 रन देकर नौ विकेट झटकने का प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले न्यूजीलैंड के गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा और उन्होंने पिछले साल हैमिल्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विल ओरूर्के के एक मैच में 93 रन देकर नौ विकेट लेने के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। तेज गेंदबाज मैट हेनरी (16 रन देकर दो विकेट), जैकब डफी (28 रन देकर दो विकेट) और मैथ्यू फिशर (22 रन देकर एक विकेट) ने जिम्बाब्वे को 28.1 ओवर में श्रृंखला में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट कर दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। तीसरे नंबर के बल्लेबाज निक वेल्च 71 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान क्रेग इर्विन (17) दोहरे अंक तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के अंत में तीन विकेट पर 601 रन के विशाल स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की थी जिसमें रचिन रविंद्र (165) और हेनरी निकोल्स (150) ने चौथे विकेट के लिए 256 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की। डेवोन कॉनवे (153) ने भी दो साल से ज्यादा समय बाद पहला टेस्ट शतक बनाया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ न्यूजीलैंड का सर्वोच्च स्कोर है।

टी20 विश्व कप में हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे मार्श

मिचेल मार्श।

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

- ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने कहा- हेड के साथ हमारे बीच है बहुत अच्छा तालमेल

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने पुष्टि की है कि वह निकट भविष्य में ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे क्योंकि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आदर्श संयोजन तैयार करना चाहती है। मार्श का 2021 में टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर उतरना निर्णायक साबित हुआ था। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अब टी-20 टीम की कमान संभाल रहे इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सभी पांच मैचों में पारी का आगाज करने के बाद शीर्ष क्रम में बने रहेंगे। कैरेबियाई दौरे से पहले उन्होंने ऐसा सिर्फ एक बार किया था। मार्श ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज से पहले शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा निकट भविष्य में मैं और हेडी पारी की शुरुआत करेंगे। हम दोनों ने एक दूसरे के साथ काफी क्रिकेट खेली है और हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल है। विश्व कप को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। हालांकि मार्श और हेड ने अभी तक टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में एक साथ पारी की शुरुआत नहीं की है, लेकिन वनडे जोड़ी के रूप में उनका रिकॉर्ड शानदार है। पिछले साल टी-20 विश्व कप के बाद डेविड वार्नर के संन्यास लेने के बाद से ऑस्ट्रेलिया ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में कई सलामी बल्लेबाजों को आजमाया है।

पाकिस्तान ने वनडे में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

टारूबा (त्रिनिदाद) : हसन नवाज की नाबाद 63 रन की पारी की मदद से पाकिस्तान ने पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 280 रन बनाए। पाकिस्तान ने इसके जवाब में 48.5 ओवर में पांच विकेट पर 284 रन बनाकर जीत दर्ज की।

पाकिस्तान ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में खेली गई टी-20 सीरीज 2-1 से जीती थी। नवाज ने अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। उनके अलावा पाकिस्तान की तरफ से कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 53, बाबर आजम ने 47 और हुसैन तलत ने नाबाद 41 रन का योगदान दिया। इससे पहले, वेस्टइंडीज के लिए एविन लुईस (60), कप्तान शाई होप (55) और रोस्टन चेज़ (53) ने अर्धशतक जमाए। पाकिस्तान की तरफ से अफरीदी ने 51 रन देकर चार और नसीम शाह ने 55 रन देकर तीन विकेट लिए।

बुधियाल ने सर्फिंग में रचा इतिहास

चेन्नई, एजेंसी

एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025

शीर्ष भारतीय सर्फर रमेश बुदिहाल ने महाबलीपुरम में आयोजित एएसएफ एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में पहुंचने वाला पहला भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। इस स्पर्धा के छठे दिन शानदार प्रदर्शन, असाधारण प्रदर्शन और एक ऐसा क्षण देखने को मिला जो भारत के खेल इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो जाएगा।

कल चार भारतीय सर्फरों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के अभूतपूर्व प्रदर्शन के बाद, आज सभी की निगाहें महाबलीपुरम के प्रसिद्ध राइट-हैंड पॉइंट ब्रेक पर थीं क्योंकि प्रतियोगिता निर्णायक नॉकआउट चरणों में प्रवेश कर गई। ओपन पुरुष क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल, ओपन महिला सेमीफाइनल, अंडर-18 लड़कों के क्वार्टरफाइनल और अंडर-18 लड़कियों के क्वार्टरफाइनल जैसे प्रमुख हीट के साथ, यह दिन नॉकआउट मुकाबलों, उच्च दबाव वाले प्रदर्शनों और इतिहास रचने वाले क्षणों से भरा रहा। टीम इंडिया ने ओपन पुरुष क्वार्टरफाइनल में तीन सर्फरों के साथ दिन की शुरुआत की और यह एक ऐसा दिन बन गया जो भारतीय सर्फिंग इतिहास में दर्ज हो जाएगा।

भारत के शीर्ष सर्फर, रमेश बुदिहाल ने क्वार्टरफाइनल हीट 1 में दबाव में लहरों के चयन और संयम का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और नील सांचेज (पीएचएल) - 12.80 को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल में आगे बढ़ते हुए, रमेश ने एक सटीक समय पर, उच्च स्कोरिंग प्रदर्शन के साथ अपनी गति बनाए रखी जिससे उन्हें एक तनावपूर्ण हीट में दूसरा स्थान मिला और उन्होंने फाइनल में जगह पक्की कर ली - किसी महाद्वीपीय चैंपियनशिप में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे पहले भारतीय सर्फर बन गए। भारत के किशोर कुमार (10.50) ने क्वार्टरफाइनल हीट 4 में कड़ी टक्कर दी, जिसमें उन्होंने कठिन मोड़ और महत्वपूर्ण चालें चलीं।

शीर्ष भारतीय सर्फर रमेश बुदिहाल। एजेंसी

10 भारतीय मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई

अंडर-19 एशियाई चैंपियनशिप

बैंकॉक, एजेंसी

सात महिलाओं सहित दस भारतीय मुक्केबाज शुक्रवार को बैंकॉक, थाईलैंड में चल रही अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज करने के बाद स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। महिला मुक्केबाज निशा (54 किग्रा), मुस्कान (57 किग्रा), विनी (60 किग्रा), निशा (65 किग्रा), आरती कुमारी (75 किग्रा), पार्ची टोकस (80+ किग्रा) के साथ-साथ पुरुषों की स्पर्धा में मौसम सुहाग (65 किग्रा), राहुल कुंडू (75 किग्रा) और हेमंत सांगवान (90 किग्रा) फाइनल में पहुंच गए हैं। कृतिका (80 किग्रा) को सीधे फाइनल में प्रवेश मिला है।

अंडर-19 और अंडर-22 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप, जो एक साथ आयोजित की जा रही हैं, जो भारत के उभरते सितारों को एशिया के कुछ सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करने का एक मंच प्रदान करती हैं।

भारत ने 40 मुक्केबाजों का एक मजबूत दल उतारा है - प्रत्येक आयु वर्ग में 20 - जिसमें सिद्ध चैंपियन और घरेलू सर्किट में प्रभावित करने वाली संभावित प्रतिभाओं का एक बेहतरीन मिश्रण है। भारत ने अंडर-22 वर्ग में भी 13 पदक पक्के कर लिए हैं, जिसमें पांच मुक्केबाज स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। 54 किग्रा सेमीफाइनल में, निशा ने जापान की हिमारी वतनबे पर पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए 5:0 से जीत हासिल की।

फुटबॉल महासंघ रेफरियों के अनुबंध का नवीनीकरण करेगा

नई दिल्ली : आगामी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र के भविष्य को लेकर अनिश्चितता से जूझ रहे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शनिवार को अपने रेफरियों को आश्वासन दिया कि उनके अनुबंध स्थापित प्रक्रिया के अनुसार नवीनीकृत किए जाएंगे।

एआईएफएफ ने कहा कि उसे पांच अगस्त को नौ रेफरियों का एक संयुक्त पत्र मिला जिसमें 31 अगस्त को समाप्त होने वाले उनके पेशेवर मैच आधिकारिक अनुबंधों को बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। एआईएफएफ ने नोटिस में कहा एआईएफएफ यह आश्वासन देना चाहता है कि इन अनुबंधों का नवीनीकरण स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाएगा जो एलीट रेफरी विकास कार्यक्रम की मौजूदा प्रक्रिया के अधीन होगा। महासंघ ने कहा, एआईएफएफ सभी पक्षों से शांत रहने का आग्रह करता है क्योंकि प्रतियोगिताएं चल रही हैं।

प्रतिस्पर्धा | भारत के अन्य कंपाउंड तीरंदाजों ने किया निराशाजनक प्रदर्शन

विश्व खेल में ऋषभ यादव ने जीता कांस्य पदक

चेंगदू (चीन), एजेंसी

युवा ऋषभ यादव के कांस्य पदक को छोड़कर भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों के लिए विश्व खेलों में शनिवार का दिन निराशाजनक रहा जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त मिश्रित टीम शुरुआती दौर में ही हार गई।

कोई भी महिला तीरंदाज पोडियम तक नहीं पहुंच सकी। 10वीं वरीयता प्राप्त यादव ने पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड कांस्य पदक मैच में अपने सीनियर साथी और कई विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता अभिषेक वर्मा को 149-147 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल में यादव को अमेरिकी कर्टिस ली ब्रॉडनेक्स से 145-147 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि वर्मा को नीदरलैंड के शीर्ष वरीय माइक श्लोएसर से 145-148 से हार मिली थी। महिला व्यक्तिगत कंपाउंड वर्ग में भारत की चुनौती क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गई। 12वीं वरीय परनीत कौर को कोलंबिया की चौथी वरीय अलेजांद्रा उस्क्विआनो से 140-145 से हार मिली जबकि तीसरी वरीय मधुरा धामनगांवकर को एस्टोनिया की छठी वरीय लिसेल जाटमा से 145-149 से पराजय का सामना करना पड़ा।

भारतीय दल को सबसे बड़ी निराशा मिश्रित कंपाउंड स्पर्धा में हुई। क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष पर रहने के बाद वर्मा और मधुरा की भारतीय जोड़ी प्रबल दावेदार दिख रही थी लेकिन पहले ही दौर में अपनी चिर-प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया से हार गई।

भारतीय जोड़ी मून यिउन और ली यून्हो से 151-154 से पराजित हो गई। इस शिकस्त से भारतीय अभियान समाप्त हो गया।

ऋषभ यादव।

मिश्रित स्पर्धा का परिणाम रहा चिंताजनक

- मिश्रित स्पर्धा का यह परिणाम विशेष रूप से चिंताजनक था क्योंकि आठ टीमों के ड्रॉ में पदक हासिल करने के लिए केवल दो जीत की जरूरत थी। मिश्रित कंपाउंड टीम स्पर्धा लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में पदार्पण करने वाली है। ऐसे में इस शुरुआती हार ने दबाव से निपटने की समस्याओं और रणनीतिक कमियों को उजागर कर दिया है जो शीर्ष स्तर पर भारतीय तीरंदाजों की समस्या रही हैं। डेनमार्क के मैथियास फुलर्टन और सोफी लुईस डैम मार्कुसेन ने मेक्सिको को 156-155 से हराकर कंपाउंड मिश्रित टीम का खिताब जीत लिया।